



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 21, 1973/ वशाख 1, 1895

No. 16]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1973/VAISAKHA 1, 1895

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)

मंत्रिमण्डल सचिवालय
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)
नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1973

फा० आ० 1098.—लोक परिमर (प्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली)
प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, नीचे दी गयी सारणी
के स्तम्भ 1 में उल्लिखित प्रधिकारियों को, सरकार के राजपत्रित प्रधिकारी
होने के नाते, उक्त प्रधिनियम के प्रयोगनां के लिए सम्पदा प्रधिकारी
नियुक्त करती है, श्री आगे निर्देश देती है कि उक्त प्रधिकारी, उक्त सारणी
के स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्विष्ट लोक परिमरों के
संबंध में अपनी अपनी प्रधिकारिता की सीमा के भीतर उक्त प्रधिनियम
के द्वारा या के अधीन सम्पदा प्रधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करने और अधिरोपित करनेवाले का पालन करेंगे।

सारणी

प्रधिकारी का पदाधिकार
लोक परिमरों के प्रवर्ग और प्रधिकारिता की स्थानीय सीमाएँ

उप सचिव (कल्याण), कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग।

केन्द्रीय सरकार कर्मचारी कल्याण समन्वय समितियों के सभापति।

[फा० सं. 1/4/73-जी के के]
ए० के० वर्मा, अव० सचिव

CABINET SECRETARIAT
(Department Of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 7th April, 1973

S. O. 1098.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being gazetted officers of Government, to be Estate Officers for the purposes of the said Act, and further directs that the said officers shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officers by or under the said Act within the limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1. Deputy Secretary (Welfare), Department of Personnel and Administrative Reforms.	Samaj Sadans in Government residential colonies within the limits of the Union Territory of Delhi.
2. Presidents, Central Government Employees Welfare Co-ordination Committees.	Samaj Sadans constructed by Government at places situated within the Municipal limits of the city or town relating to the Committee.

[F. No. 1/4/73-GKK]

A. K. VARMA, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

आवेदन

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1973

का. आ. 1099.—यस: निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हाए परिष्वम बंगाल विधान सभा के निर्वाचन के लिए 21 दार्जीलिंग निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुमान सिंह चामलिंग, 40 आर. एन. सिन्हा रोड, दार्जीलिंग (परिष्वम बंगाल) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपीक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचत्त्व नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एस्ट्राइबारा उक्त श्री गुमान सिंह चामलिंग को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीदित घोषित करता है।

[सं. प. बं.-वि. स. 21/72(44)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 20th March, 1973

S.O. 1099.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Guman Singh Chamling, 40-R. N. Sinha Road, Darjeeling, (West Bengal), a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 21-Darjeeling constituency, held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Guman Singh Chamling to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/21/72(44)]

आवेदन

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1973

का. आ. 1100.—यस: निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हाए परिष्वम बंगाल विधान सभा के निर्वाचन के लिए 52 हरीहराड़ा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री द्वयोधन मण्डल, ग्राम बन्सकाटोर, पो. विशननगर, जिला मुर्शीदाबाद (परिष्वम बंगाल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपीक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचत्त्व नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एस्ट्राइबारा उक्त श्री द्वयोधन मण्डल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीदित घोषित करता है।

[सं. प. बं.-वि. स. 57/72(45)]

ORDER

New Delhi, 22nd March, 1973

S.O. 1100.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Duryodhan Mandal, Village Banschator P.O. Bishanagar, District Murshidabad (West Bengal), a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 57-Hariharpara constituency, held in March 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People's Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And Whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Duryodhan Mandal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/57/72(45)]

आवेदन

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1973

का. आ. 1101.—यस: निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हाए परिष्वम बंगाल विधान सभा के निर्वाचन के लिए 63 भरतपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कल्याण कुमार चट्टोपाध्याय, ग्राम सोनारलाडी, पो. आ. बनारीबाद राज, जिला मुर्शीदाबाद, परिष्वम बंगाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपीक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचत्त्व नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एस्ट्राइबारा उक्त श्री कल्याण कुमार चट्टोपाध्याय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीदित घोषित करता है।

[प. बं.-वि. स. 63/72(46)]

ORDER

New Delhi, the 23rd March, 1973

S.O. 1101.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalyan Kumar Chattopadhyay, Village Sonarundi, P.O. Banwaribabu Raj, District Murshidabad, West Bengal, a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 63-Bharatpur constituency, held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kalyan Kumar Chattopadhyay to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB LA/63/72(46)]

आवेदन

का. आ. 1102.—यसः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए पश्चिम बंगाल विधान सभा के निर्वाचन के लिए 15 नगराकटा (अजगा) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मंगल भगत, ग्राम डैपारा, पा. हलसोबा, मांडलाई, जिला हुगली, पं. बंगाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपीक्षित अपने निर्वाचन व्यव्याधियों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मंगल भगत को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहत घोषित करता है।

[सं. प. अ. वि. स./15/72(47)]

ORDER

S.O. 1102.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mangroo Bhagat, Village Sulkapara, P.O. Sulkapara, District Jalpaiguri, West Bengal, a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 15-Nagrakata (ST) constituency, held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mangroo Bhagat to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of

Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/15/72(47)]

आवेदन

नई विल्सनी, 26 मार्च, 1973

का. आ. 1103.—यसः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए पश्चिम बंगाल विधान सभा के निर्वाचन के लिए 178 पंडुआ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मंगल हेमरम, ग्राम डैपारा, पा. हलसोबा, मांडलाई, जिला हुगली, पं. बंगाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा यथा अपीक्षित अपने निर्वाचन व्यव्याधियों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मंगल हेमरम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहत घोषित करता है।

[सं. प. अ. वि. स./178/71(48)]

ORDER

New Delhi, the 26th March, 1973

S.O. 1103.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mangala Hemram, Village Deypara, P. O. Ilsoba-Mondali, District Hooghly (West Bengal), a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 178-Pandua constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mangala Hemram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/178/71(48)]

आवेदन

नई विल्सनी, 27 मार्च, 1973

का. आ. 1104.—यसः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए पश्चिम बंगाल विधान सभा के निर्वाचन के लिए 166 उदयनारायणपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भूत्वेश मिलिक, ग्राम वडा फिकरा, जिला हावड़ा, पं. बंगाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों

द्वारा यथा अपेक्षित अपने निवाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

आरे, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचिन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निवाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भूदेव मीलक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीक्षित घोषित करता है।

[सं. प. बं-पि. स./166/71(49)]

ए. एन. सैन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th March, 1973

S.O. 1104.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhudeb Mallick, Village and P. O. Jhikra, District Howrah (West Bengal), a contesting candidate for election to the West Bengal Legislative Assembly from 166-Udaynarayanpur constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And Whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhudeb Mallick to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/166/71(49)]

A. N. SEN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1973

का. आ. 1105.—यतः, निवाचिन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 को हुए हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निवाचिन के लिए 14- कंडाघाट निवाचिन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शांक राम सुप्रति श्री भूदेव मीलक, माम खामरी, पो. जूबड़ हट्टी, वरास्ता दृढ़, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

आरे, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचिन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निवाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शांक राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीक्षित घोषित करता है।

[सं. एव. पी-पि. स./14/72(2)]

ORDER

New Delhi, the 22nd March, 1973

S.O. 1105.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shonk Ram, S/o Shri Jhainkru, Village Khairi Post Office Jubbar Hatti, Via Jotu, District Simla Himachal Pradesh, a contesting candidate for the election held in March, 1972, to the Himachal Pradesh Legislative Assembly from 14-Kandaghat constituency, has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And Whereas, the said candidate even after the due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shonk Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HP-LA/14/72(2)]

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1973

का. आ. 1106.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवाचिन आयोग महाराष्ट्र सरकार के परामर्श से, श्री जी. एच. लालवानी के स्थान पर, श्री निजामुद्दीन अहमद, सीचव, महाराष्ट्र सरकार, सामान्य प्रशासन विभाग, और हायरकटर, परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों के लिए पूनः बन्दोबस्य, को उनके द्वारा कार्यभार प्रहण किए जाने की तारीख से अगले आवेशों तक महाराष्ट्र राज्य के लिए मुख्य निवाचिन आर्किवर के रूप में एतद्वारा मार्मानदीशत करता है।

[सं. 154/महा./73]

बी. एन. भारद्वाज, सचिव

New Delhi, the 3rd April, 1973

S.O. 1106.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950, the Election Commission, in consultation with the Government of Maharashtra, hereby nominates Shri Nizamuddin Ahmed, Secretary to Government, General Administration Department, and Director of Resettlement for Project Affected Persons, as the Chief Electoral Officer for the State of Maharashtra from the date he takes over and until further orders vice Shri G. H. Lalvani.

[No. 154/MT/73]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1973

का. आ. 1107.—यतः, निवाचिन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए विहार विधान सभा के निवाचिन के लिए 191-मांकामाला निवाचिन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाली उम्मीदवार श्रीमती दुलारी सिंहा, द्वारा चन्द्रपली प्र. सिंह, ग्राम भेटगांव, पश्चालय बादकचहरी, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और यहाँ, श्रीमती दुलारी सिन्हा को जारी की गई सूचना अपरिदृत वापस आ गई है क्योंकि अभ्यर्थी के रहने के स्थान का कार्ड पता नहीं है और निवाचिन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कार्ड पर्याप्त कारण या न्यायाधीश्वर्य नहीं हैं,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निवाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती दुलारी सिन्हा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहत घोषित करता है।

[सं. बिहार-पि. स./191/72(4)]

वी. नागसुब्रामण्यन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 20th March, 1973

S.O. 1107.—WHEREAS the Election Commission is satisfied that Smt. Dulari Sinha, C/o Chandrawali Pd. Singh, Village Bhatgavan, P. O. Barh Katchari, Patna, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in 1972 from 191-Mokamah assembly constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

AND WHEREAS the notices issued to Smt. Dulari Sinha have been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

NOW, THEREFORE, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. Dulari Sinha to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this Order.

[No. BR-LA/191/72(4)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

गृह मंत्रालय

(निदेशक गुरुद्वारा निवाचिन)

भारत

नई दिल्ली, 29 विसम्बर, 1972

का० आ० 1108.—दिल्ली सिव गुरुद्वारा अधिनियम 1971 (1971 का 82) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, य० एस० कोहली, निदेशक, गुरुद्वारा चुनाव एतद्वारा बाड़ों का निर्धारण करता हूँ (ये सब एकल सरस्यीय थाई हैंगे) जिनमें दिल्ली को, दिल्ली सिव गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सरस्यों के चुनाव के प्रयोगन हेतु बांटा जायेगा और इस प्रकार के प्रत्येक बाईं की सीमा इस भारेश में दी हुई तालिका के अनुसार होगी।

तालिका

बाईं की बाईं का नाम	प्रत्येक बाईं की सीमा
क्रम संख्या	
1 2	3
1 बांदनी चौक	एक लाइन पुल मिठाई के नीचे यथा प्रसाद मुखर्जी मार्ग तथा रेलवे लाइन के जंकशन से शुरू करते हुए और पूर्व की ओर जाते हुए यथा प्रसाद मुखर्जी मार्ग के साथ-साथ कलकत्ता ब्रिज तक; वहाँ से पूर्व की ओर कलकत्ता ब्रिज के ऊपर

1	2	3
बांदनी चौक—जारी		रेलवे लाइन के साथ-साथ यमुना तक; वहाँ से दक्षिण की ओर यमुना के साथ-साथ राजधानी भी उत्तरी सीमा के साथ उसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर उत्तरी सीमा के साथ-साथ रिंग रोड तक; वहाँ से दक्षिण की ओर रिंग रोड के साथ-साथ लिंक रोड तक, वहाँ से पश्चिम की ओर लिंक रोड और जवाहरलाल नेहरू मार्ग के साथ-साथ बैशंग्य गुप्ता रोड के साथ-साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से बैशंग्य गुप्ता रोड के साथ-साथ अजमेरी गेट के पुल के नीचे रेलवे लाइन के साथ इसके जंकशन तक; और वहाँ से उत्तर की ओर रेलवे लाइन के साथ-साथ पुल मिठाई के ऊपर श्याम प्रसाद मुखर्जी मार्ग के साथ इसके जंकशन तक, जहाँ से चलना शुरू किया था।

2 पुराना किला

एक लाइन बिल्ली-मथुरा रेलवे लाइन तथा देश बंधु गुप्ता रोड ओवर ब्रिज के जंकशन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर होते हुए देश बंधु गुप्ता रोड और जवाहर लाल नेहरू मार्ग के साथ-साथ रिंग रोड के साथ लाने वाले लिंक रोड के जंकशन तक; वहाँ से उत्तर की ओर रिंग रोड के साथ साथ साजधान की उत्तरी सीमा के साथ लगने वाले इस रोड के जंकशन तक; वहाँ से पूर्व की ओर राजधानी की उत्तरी सीमा के साथ-साथ यमुना तक; वहाँ से दक्षिण की ओर नदी के किनारे के साथ नागली राजापुर और सराय काले खां प्रामों की उत्तरी सीमा तक; वहाँ से पश्चिम की ओर उक्त सीमा के साथ-साथ बिल्ली मथुरा रेलवे लाइन के साथ लगने वाले इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण तथा पश्चिम की ओर उक्त रेलवे लाइन के साथ-साथ भोगल के समीप मथुरा रोड पर स्थित रेल के पुल तक; वहाँ से पश्चिम की ओर उक्त पुल के नीचे स्थानीय रेलवे लाइन के साथ-साथ तथा रेलवे ब्लॉकटरों के उत्तर की ओर से जाती हुई सीमा बीवार (बाउन्सी बाल) के साथ मस्जिद रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से उत्तर की ओर मस्जिद रोड के साथ-साथ, अस्ताल रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर अस्ताल रोड से होते हुए भोगल के पश्चिम की ओर जाने वाले नाने के साथ इस रोड के जंकशन तक; वहाँ से उत्तर और पूर्व की ओर उक्त नाने के साथ-साथ

1 2

पुराना किला—आरी

तथा बरसाती नाले के साथ-साथ होते हुए दिल्ली मधुरा रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दिल्ली मधुरा रोड के साथ-साथ तिलक ब्रिज के ऊपर दिल्ली मधुरा रेलवे लाइन पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर और उत्तर की ओर उक्त रेलवे लाइन के साथ-साथ बैश्वर्ध गुप्ता रोड ओवर ब्रिज तक जहाँ से चलना शुरू किया था।

3 जंगमुरा

एक लाइन लोदी रोड और फोर्थ ऐवेन्यू के जंकशन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर होते हुए लोदी रोड के साथ-साथ दिल्ली मधुरा रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर दिल्ली मधुरा रोड के साथ-साथ होते हुए बरसाती नाले के साथ-साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम तथा दक्षिण की ओर बरसाती नाले और मोगल के पश्चिम की ओर जाने वाले नाले के साथ-साथ अस्पताल रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पूर्व की ओर अस्पताल रोड के साथ-साथ मस्जिद रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर मस्जिद रोड के साथ-साथ रेलवे क्वार्टरों के उत्तर की ओर सीमावार के साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से पूर्व की ओर उक्त सीमावार के साथ-साथ दिल्ली मधुरा रोड ओवर ब्रिज के समीप स्थानीय रेलवे लाइन के साथ लगने वाले इसके जंकशन; वहाँ से पश्चिम की ओर उक्त रेलवे लाइन के साथ-साथ लाला लाजपत राय रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर लाला लाजपत राय रोड के साथ-साथ रिंग रोड के साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर रिंग रोड के साथ-साथ किंदवई नगर की पूर्वी सीमा पर इसके जंकशन तक; वहाँ से उत्तर की ओर उक्त सीमा के साथ-साथ खुशक नाला पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर खुशक नाला के साथ-साथ अरबिंदु मार्ग (मेहरोली रोड) पर इसके जंकशन तक; वहाँ से उत्तर की ओर अरबिंदु मार्ग (मेहरोली रोड) के साथ-साथ स्थानीय रेलवे लाइन पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पूर्व की ओर उक्त रेलवे लाइन के साथ-साथ फोर्थ ऐवेन्यू पर इसके जंकशन तक; तथा वहाँ से उत्तर की ओर फोर्थ ऐवेन्यू के साथ-साथ लोदी रोड पर इसके जंकशन तक, जहाँ से चलना शुरू किया था।

3

1 2

4 सरोजनी नगर

एक लाइन रिंग रोड पर स्थित बहु-मंजिल भवनों और मोटी बाग-1 के बीच, मोटी बाग-1 की पूर्वी सीमा के जंकशन से शुरू करते हुए ओवर ब्रिज के नीचे स्थानीय रेलवे लाइन के साथ होते हुए और पूर्व की ओर स्थानीय रेलवे लाइन के साथ-साथ सरोजनी नगर और लक्ष्मी-बाई नगर के बीच बहने वाले खुशक नाले पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर उसे नाले तथा नौरोजी नगर की पूर्वी सीमा के साथ-साथ नई विल्ली नगर पालिका की सीमा तक, वहाँ से पश्चिम की ओर नई दिल्ली नगर पालिका की सीमा के साथ-साथ ग्वालियर पौटीज के समीप रिंग रोड पर इस सीमा के जंकशन तक; वहाँ से उत्तर स्थानीय रेलवे लाइन तक जहाँ से यह लाइन शुरू हुई थी।

5 लक्ष्मी बाई नगर

एक लाइन कुशक रोड और तीन मूर्ती मार्ग के जंकशन से शुरू करते हुए और दक्षिण-पूर्व की ओर तीन मूर्ती मार्ग से होकर सफदरजंग रोड पर इस मार्ग के जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण तथा पूर्व की ओर सफदरजंग रोड से होकर अरबिंदु मार्ग (मेहरोली रोड) के साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर उक्त रोड के साथ-साथ लोदी रोड के साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से पूर्व की ओर लोदी रोड के साथ-साथ फोर्थ ऐवेन्यू पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर उत्तरी सीमा के साथ-साथ रेलवे लाइन पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर स्थानीय रेलवे लाइन के साथ-साथ अरबिंदु मार्ग (मेहरोली रोड) पर इसके जंकशन तक; वहाँ से दक्षिण की ओर अरबिंदु मार्ग (मेहरोली रोड) के साथ-साथ खुशक नाला के साथ इसके जंकशन तक; वहाँ से पूर्व की ओर खुशक नाला और किंदवई नगर की उत्तरी सीमा के साथ-साथ किंदवई नगर की पूर्वी सीमा के साथ-साथ रिंग रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से किंदवई नगर की पूर्वी सीमा के साथ-साथ रिंग रोड पर इसके जंकशन तक; वहाँ से पश्चिम की ओर रिंग रोड और नई विल्ली नगर पालिका के साथ मंडिल इंकलेव की पूर्वी ओर

1 2

3

नक्षमीवाइ नगर—जारी

दक्षिणी सीमा से होटल नौरोजी नगर की पूर्वी सीमा पर खुशक नाला के साथ इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर की ओर नौरोजी नगर की पूर्वी सीमा तथा उक्त नाले के साथ-साथ स्थानीय रेलवे लाइन पर इसके जंकशन तक; वहां से पश्चिम की ओर स्थानीय रेलवे लाइन के माथ-साथ मोती बाग-1 की पूर्वी सीमा पर उसके जंकशन तक, वहां से उत्तर की ओर थाइलैंड के द्वावास के पीछे जाती हुई मड़क के माथ-साथ, वहां से सत्य मार्ग, चन्द्र गुप्त मार्ग और आई० बी० कालोनी तथा रेलवे कालोनी के पीछे जाती हुई सड़क के माथ-साथ पचशील मार्ग तक; वहां से पश्चिम की ओर पंचशील मार्ग के माथ-साथ सरदार पटेल मार्ग पर इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर पूर्व की ओर सरदार पटेल मार्ग के माथ-साथ-साथ खुशक नाला पर इसके जंकशन तक; वहां से दक्षिण पूर्व की ओर उक्त नाल के साथ-साथ तीन मूर्ति मार्ग पर इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर-पूर्व की ओर तीन मूर्ति मार्ग के माथ-साथ खुशक रोड पर इसके जंकशन तक जहां से यह लाइन शुरू हुई थी।

6 गोल मार्केट

एक लाइन लिंक रोड पूसा रोड और अपर रिंज रोड के जंकशन से शुरू करते हुए और पूर्व की ओर लिंक रोड के साथ-साथ जाने हुए पंच कुण्ड रोड के साथ इस रोड के जंकशन तक; वहां से पंचकुण्ड रोड के साथ साथ होकर बसंत लेन के साथ इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर की ओर बसंत लेन और चेम्सफोर्ड रोड के साथ-साथ होकर “सेरेमोनियल प्लेट फार्म” के पास रेलवे लाइन पर इसके जंकशन तक वहां से दक्षिण पूर्व की ओर रेलवे लाइन के माथ-साथ होकर तिलक ब्रिज के नीचे दिल्ली मथुरा रोड पर इसके जंकशन तक; वहां से दक्षिण की ओर दिल्ली मथुरा रोड के साथ-साथ होकर लोदी रोड पर इसके जंकशन तक, वहां से पश्चिम की ओर लोदी रोड के माथ-साथ अरविंद मार्ग (मेहरौली रोड) पर इसके जंकशन तक, वहां से उत्तर की ओर अरविंद मार्ग (मेहरौली रोड) के माथ-साथ होकर सफदर जंग रोड पर इसके जंकशन तक; वहां से पश्चिम उत्तर और दक्षिण पश्चिम की ओर सफदर जंग रोड और तीन-मूर्ति मार्ग के माथ-साथ होकर खुशक नाला के पास इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर पश्चिम

गोल मार्केट—जारी

7 लाजपत नगर

की ओर उम नल्ले के साथ होकर सरदार पटेल मार्ग पर इस नाले की जंकशन तक; वहां से दक्षिण-पश्चिम की ओर सरदार पटेल मार्ग के माथ-साथ होकर अपर रिंज रोड पर लाने वाले इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर की ओर अपर रिंज रोड के माथ-साथ लिंक रोड पर इसके जंकशन तक; जहां से यह लाइन शुरू हुई थी।

एक लाइन लाला लाजपत राय रोड के साथ स्थानीय रेलवे लाइन के जंकशन से शुरू होकर पूर्व की ओर रेलवे लाइन के साथ-साथ भोगल के समीप मथुरा रोड पर रेलवे पुल के नीचे दिल्ली मथुरा रेलवे लाइन के साथ लगने वाले इसके जंकशन तक; वहां से उत्तर की ओर दिल्ली मथुरा रेलवे लाइन के साथ-साथ जाने हुए ग्राम सराय कले खान और नागली राजापुर की उत्तरी सीमा पर लगने वाले इसके जंकशन तक; वहां से पूर्व की ओर उक्त सीमा लाइन के साथ जाने हुए यमुना के साथ इसके जंकशन तक; वहां से दक्षिण की ओर यमुना के साथ-साथ होते हुए फेंड्स कालोनी के समीप (फेंड्स कालोनी को छोड़कर) रिंग रोड और दिल्ली मथुरा रोड के क्रान्तिग पर यमुना से रिंग रोड से जाती हुई सीधी लाइन के साथ लगने वाले इसके जंकशन तक; वहां से पश्चिम की ओर उक्त लाइन तक रिंग रोड के माथ-साथ होते हुए लाजपत नगर एक्सटेंशन-4 डबल स्टोरी क्वार्टरों के पूर्व की ओर जाने हुए रोड के माथ लगने वाले इसके जंकशन तक, वहां से दक्षिण की ओर उक्त रोड के माथ-साथ होकर अमर कालोनी और चौप कालोनी के दक्षिण की ओर जाने हुए रोड के माथ-साथ होकर लोडी श्रीराम महिला कालेज के समीप लाला लाजपत राय रोड पर इसके जंकशन तक; और वहां से उत्तर की ओर लाला लाजपत राय रोड के माथ-साथ होकर स्थानीय रेलवे लाइन के साथ इसके जंकशन तक जहां से यह लाइन शुरू हुई थी।

8 प्रैटर कैलाश

एक लाइन रिंग रोड और लाला लाजपत राय रोड के जंकशन से शुरू करते हुए और दक्षिण की ओर उक्त लाला लाजपत राय रोड के माथ-साथ होकर लोडी श्रीराम महिला कालेज के समीप अमर

1 2

प्रटर क्रैलाश-जारी

3

कालोनी और चीप कालोनी के दक्षिण की ओर जाते हुए रोड के साथ उक्त रोड के जक्षन तक, वहां से पूर्व की ओर उक्त रोड के साथ-साथ होकर, लाजपत नगर एक्सटेशन-4 द्विमंजिल क्वार्टरों के पूर्व की ओर जाते हुए रोड के साथ इसके जक्षन तक, वहां से उत्तर की ओर उक्त रोड के साथ-साथ रिंग रोड पर मिलने वाले इसके जक्षन तक, वहां से पूर्व की ओर रिंग रोड तथा फ्रेंड्स कालोनी (फ्रेंड्स कालोनी सहित) के समीप दिल्ली मथुरा रोड और रिंग रोड से मिलने वाली सीधी लाइन के साथ-साथ होते हुए यमुना के साथ साथ जैतपुर गाव की सीमा तक वहां से पश्चिम की ओर जैतपुर मोलारबन्द, मीठेपुर, तज्जपुर और पुल पहलाद की दक्षिणी सीमा तक, वहां से उत्तर तथा उत्तर-पूर्व की ओर पुल पहलाद तथा बदरपुर की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाते हुए दिल्ली मथुरा रेनवे लाइन के साथ इसके जक्षन तक; वहां से उत्तर की ओर दिल्ली मथुरा रेलवे लाइन के साथ साथ होकर लेवल क्रासिंग पर चिराग दिल्ली रोड के साथ-साथ होते हुए रिंग रोड से चिराग दिल्ली मदनगीर तक जाने वाले लिंक रोड पर उक्त चिराग दिल्ली रोड के जक्षन तक, वहां से उत्तर की ओर उक्त लिंक रोड के साथ साथ होते हुए रिंग रोड पर इसके जक्षन तक, जहां से यह लाइन शुरू हुई थी।

9 कालकाजी

1. एक लाइन चिराग दिल्ली रोड तथा साविनी नगर की पश्चिमी सीमा के जक्षन से शुरू होते हुए और पूर्व की ओर चिराग दिल्ली रोड के भाथ साथ रेनवे क्रासिंग पर दिल्ली मथुरा रेलवे लाइन के साथ इस रोड के जक्षन तक, वहां से दक्षिण की ओर उक्त रेलवे लाइन के साथ साथ टेकहैट गाव की दक्षिणी सीमा पर इस रेलवे लाइन के जक्षन तक; वहां से दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम की ओर टेकहैट, तुगलकाबाद और द्योली ग्रामों की दक्षिणी सीमा के साथ साथ होते हुए वहां से उत्तर की ओर द्योली गाव की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ वहां से द्योली और खानपुर गावों की उत्तरी सीमा से होकर खिरकी गाव की

1 2 3

कालकाजी-गारी

पश्चिम सीमा के साथ इसके जक्षन तक, वहां से उत्तर की ओर खिरकी गाव तथा साविनी नगर की पश्चिमी सीमा के साथ साथ होकर चिराग दिल्ली रोड के साथ इसके जक्षन तक, जहां से यह लाइन शुरू हुई थी।

10 मानवीपरगर

एक लाइन रिंग रोड और मेडीकल इन्कलेव (अन्मारी नगर) की पूर्वी सीमा के जक्षन से शुरू होते हुए पूर्व की ओर रिंग रोड के साथ-साथ होकर लिंक रोड के साथ इसके जक्षन तक तथा वहां से चिराग-दिल्ली मदनगीर तक, वहां से दक्षिण की ओर उक्त लिंक रोड के साथ साथ होते हुए चिराग दिल्ली रोड के साथ इसके जक्षन तक, वहां से पश्चिम की ओर चिराग दिल्ली रोड के साथ साथ होते हुए साविनी नगर की पश्चिमी सीमा के साथ इस रोड के जक्षन तक, वहां से दक्षिण की ओर साविनी नगर और खिरकी गाव की पश्चिमी सीमा के साथ साथ होते हुए खिरकी गाव की दक्षिणी सीमा तक, वहां से पश्चिम की ओर ग्राम टूटी सराय (मालवीयनगर सहित) बैगम पुर और अधचीनी की दक्षिणी सीमा के साथ माथ होने हुए अधचीनी गाव की पश्चिमी सीमा (ग्राम अधचीनी सहित) पर इसके जक्षन तक, वहां से उत्तर की ओर ग्राम अधचीनी की पश्चिमी सीमा के अर्द्धवृद्ध मार्ग (मेहरौली रोड) के साथ साथ होने हुए मेडीकल इन्कलेव (यूसुफ सराय को छोड़कर) की पूर्वी सीमा के साथ इसके जक्षन और वहां से उत्तर की ओर मेडीकल इन्कलेव की पूर्वी सीमा के साथ साथ रिंग रोड पर इसके जक्षन तक, जहां से यह लाइन शुरू हुई थी।

और परिशिष्ट 1 में निर्दिष्ट गाव, तथा पूर्व में हौज रानी, सयद-उप-अजायब, नायब सराय तथा मदान गढ़ी दक्षिण में मदान गढ़ी से राजोकड़ी की पश्चिमी सीमा के साथ इसके जक्षन तक दिल्ली हरियाणा सीमा, पश्चिम में राजोकड़ी मिलक-पुर कोही बनाम रणपुरी और मेहपाल-पुर उत्तर में मेहपालपुर गाव की उत्तरी सीमा तथा बाईं सराय 11 और लाडो सराय तथा हौज रानी गावों के अन्तर्गत आने वाले इलाके को छोड़कर मसूदपुर और मेहरौली गाव के शेष इलाके द्वारा निर्धारित सीमा के अन्तर्गत आने वाली आवादिया।

1 2

एक लाइन नीरोजी नगर के गण्डिम की ओर नई दिल्ली नगर पालिका की सीमा के गाथ खालियर पीटीजे के गमीप रिंग रोड के जकशन से शुरू करने हुए, वहां से नई दिल्ली नगर पालिका की सीमा तथा मेडीकल इन्कलेब (अमारी नगर) की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जलते हुए अरबिद मार्ग (महगैली रोड) (यसुफ मराय महित) के साथ इसके जकशन तक, वहां से दक्षिण की ओर अरबिद मार्ग (महगैली रोड) के साथ साथ अधिकीनी गाव (अधिकीनी गाव को लोडकर) की पश्चिमी सीमा के साथ इसके जकशन तक, उसके बाद पश्चिम की ओर कटवारिया मराय की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जवाहर लाल नेहरू विष्वविद्यालय के साथ उसके जकशन तक, उसके बाद उत्तर की ओर उक्त मड़क के साथ साथ आऊटर रिंग रोड के साथ उसके जकशन तक, उसके बाद उत्तर की ओर उक्त मड़क के साथ साथ रिंग रोड के साथ उसके जकशन तक अर्थात् वह स्थान जहां से चलना शुरू किया था।

12. आर० के० पूरम

धीरा कुमार के निकट विल्सी कैन्ट की सीमा तथा रिंग रोड के जक्षन से शुरू करते हुए तथा दक्षिण पूर्व की ओर होते हुए रिंग रोड के साथ साथ ग्वालियर पौटीज के नजदीक नई विल्सी नगर पालिका की सीमा तक, उसके बाद दक्षिण की ओर मोहम्मदपुर गांव मार्ग के साथ-साथ बाह्य रिंग रोड के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम की ओर बाह्य रिंग रोड के साथ-साथ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय रोड के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण की ओर जवाहर साल नेहरू विश्वविद्यालय रोड के साथ तथा उसी के बड़े हुए भाग के साथ उसके विश्वविद्यालय की पूर्वी सीमा के साथ-साथ विश्वविद्यालय की दक्षिणी सीमा के साथ उसके जक्षन तक; उसके बाद विश्वविद्यालय की दण्डिकी सीमा के साथ-साथ विश्वविद्यालय की पश्चिमी सीमा के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर की ओर विश्वविद्यालय की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ कुमुमपुर की दक्षिणी

1 2

3

१२ आर० ने० पूरम्—जारी सीमा के गाथ उसके जक्षण एँ, उसके बाद कुसुमपुर की दिश्यी तथा पण्डीमी सीमा तक तथा मुरादाबाद पटाड़ी के दिश्यी सीमा के माथ-माय, दिल्ली कैट की पूर्वी सीमा के माथ उसके जक्षण तक, तथा उसके बाद दिल्ली कैट की पूर्वी सीमा के माथ साथ धौला कुमा के निकट उसके रिंग रोड के माथ जक्षण तक; अर्थात् वह स्थान जहाँ से चलना गुरु किया था ।

1.3. विल्ली कैट

के जक्षन से शुरू करते हुए सप्ता उत्तर-पश्चिम की ओर होते हुए रिय गोड के साथ-साथ धीला गुआ के निकट दिल्ली कैंट की सीमा के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण पश्चिम की ओर दिल्ली कैंट की वक्षिणी पश्चिमी उत्तरी स्था पूर्वी सीमा के साथ-साथ सरदार पटेल मार्ग के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर पूर्वी की ओर सरदार पटेल मार्ग के साथ-साथ पचाशील मार्ग के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण की ओर पचाशील मार्ग के साथ-साथ उम मड़क के साथ उसके जक्षन तक जो रेलवे कालोनी तथा आई-डी-० कालोनी के पीछे पड़ती है, उसके बाद उक्त मड़क के साथ साथ चन्द्रगुप्त मार्ग तक; फिर चन्द्रगुप्त मार्ग के साथ-साथ सत्य मार्ग तक; उसके बाद सत्य मार्ग के साथ-साथ थाईलैंड दूनावास के पीछे की मड़क के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद उक्त सड़क के साथ-साथ ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे लाइन तक, उसके बाद मोती बाग-१ की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, मरुटी स्टोरी बिल्डिंगों तथा मोती बाग के बीच से होते हुए रिय गोड के साथ उसके जक्षन तक अर्थात् वह स्थान जहाँ से बलना पार्ह किया था।

हमके प्रतिरिक्त परिणाम 2 में
निर्दिष्ट गाव तथा उत्तर में टेगनपुर,
भगरोला साथा नगल देवात द्वारा, पूर्व
में नगल देवात समाल्का तथा कपभरा
द्वारा; वर्धिण में विल्ली हरियाणा सीमा
के उसके कपधेरा की पूर्वी सीमा के
साथ जक्षन में लेकर बिजवासन की
परिष्कारी सीमा के माथ उसके अक्षन तक
के भाग द्वारा तथा परिचम की ओर
बिजवासन, भरथाल, गाहबाद, मुडमध्यपुर,
माहपुर, टेगनपुर द्वारा पिरे क्षेत्र में प्राने
वाली ग्रामादी

1	2	3	1	2	3
14. राजेन्द्र नगर	एक लाइन पूर्मा इन्स्टीट्यूट की उत्तरी सीमा के ज़क़शन तथा रेलवे लाइन के ज़क़शन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर होते हुये प्रोजेक्शन की उक्त लाइन के साथ साथ तथा पूर्मा इन्स्टीट्यूट की उत्तरी सीमा के साथ साथ पूर्मा रोड के साथ पूर्मा गेट पर उसके ज़क़शन तक; उसके बाद पूर्व की ओर पूर्मा रोड के साथ साथ अपर रिज रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद दक्षिण की ओर अपर रिज रोड के साथ साथ दिल्ली ईंट की उत्तरी सीमा के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद पश्चिम की ओर दिल्ली ईंट की उत्तरी सीमा के साथ उसके ज़क़शन तक; उसके बाद पश्चिम की ओर दिल्ली ईंट की उत्तरी सीमा के साथ उसके ज़क़शन तक; उसके बाद उत्तर की ओर रेलवे लाइन के साथ साथ पूर्मा इन्स्टीट्यूट की उत्तरी सीमा के बढ़े हुए भाग के साथ उसके ज़क़शन तक, प्रथम् वह स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था।		15. जनकपुरी—जारी		द्वारा इगारुर गांव में उसके टिकारी कला की उत्तरी सीमा के साथ ज़क़शन तक विरे देव में आने वाली आवादिया।
15. जमकपुरी	पखा रोड के साथ नज़फग़ढ़ रोड के ज़क़शन से शुरू करते हुए तथा उत्तर पूर्व की नज़फग़ढ़ रोड के साथ साथ जेल-रोड के साथ उसके ज़क़शन तक; उसके बाद दक्षिण की ओर जेल रोड के साथ साथ रेलवे लाइन के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद दिक्षिण पश्चिम की ओर रेलवे लाइन के साथ साथ पंखा रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, तथा उसके बाद उत्तर पश्चिम की ओर पखा रोड के साथ साथ नज़फग़ढ़ रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, प्रथम् वह स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था। इसके अतिरिक्त परिशिष्ट 3 में निर्दिष्ट गाव तथा उत्तर में टिकारी कला ज़फरपुर तथा बकरवाला की सीमा द्वारा, पूर्व में बकरवाला तथा बपरोला की सीमा द्वारा नज़फग़ढ़ नाला के साथ उसके ज़क़शन तथा उसके बाद नज़फग़ढ़ नाला के साथ साथ करोला मटोल बिन्डापुर तथा डबरी गांवों की सीमा द्वारा उसके बाद फिर पूर्व में डबरी नसीरपुर तथा पालम गांवों की सीमा द्वारा दक्षिण में पालम तथा लोहार हेरी की सीमा द्वारा उसके बाद पूर्व में फिर अम्बरहेरी, पोचनपुर, हुल सिस्मा तथा बमनोली की सीमा द्वारा उसके बाद पूर्व में फिर दक्षिण में फिर दिल्ली हरियाना सीमा के साथ बमनोली गांव से छामा तक उसके ज़क़शन तथा पश्चिम में दिल्ली हरियाना सीमा		16. प्रशोक नगर		नज़फग़ढ़ रोड और जेल रोड के ज़क़शन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर नज़फग़ढ़ रोड के साथ साथ सुभाष नगर को जाने वाली रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद दक्षिण की ओर उक्त रोड के साथ साथ तिहार गांव की पूर्व सीमा तक उसके बाद पूर्व की ओर सुभाष नगर की पश्चिमी ओर दक्षिण सीमा के साथ साथ (सुभाषनगर को छोड़ते हुए) और उसके बढ़े हुए भाग के साथ प्रोवर रिज के नीचे रेलवे लाइन के ज़क़शन तक, उसके बाद दक्षिण पश्चिम की ओर रेलवे लाइन के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद उत्तर की ओर जेल रोड के साथ साथ नज़फग़ढ़ रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, प्रथम् वह स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था।
17. दैगोर गाँड़न			नज़फग़ढ़ नाला के रिंग रोड के साथ ज़क़शन से शुरू करते हुए तथा दक्षिण पश्चिम तथा दक्षिण की ओर होते हुए रिंग रोड के साथ साथ नज़फग़ढ़ रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद पश्चिम की ओर नज़फग़ढ़ रोड के साथ साथ खियाला रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, उसके बाद खियाला रोड के साथ साथ नज़फग़ढ़ नाला उपरि पुल के साथ उसके ज़क़शन तक (इसमें गांव खियाला भी शामिल है) उसके बाद पूर्व की ओर नज़फग़ढ़ नाला के साथ साथ रिंग रोड के साथ उसके ज़क़शन तक प्रथम् वह स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था।		
18. विष्णु गाँड़न			तिलक नगर के पीछे से आने वाले तथा नज़फग़ढ़ नाले के ज़क़शन से शुरू करते हुए और होते हुए नज़फग़ढ़ नाले के साथ साथ खियाला रोड के साथ उपरि पुल पर उसके ज़क़शन तक उसके बाद दक्षिण तथा बक्षिण पूर्व की ओर खियाला रोड के साथ साथ (खियाला गांव तथा खियाला रोड के पूर्व की कालोनियों को छोड़कर) चाद नगर की जाने वाले पंजाबी मार्किट रोड के साथ उसके ज़क़शन तक, प्रथम् शाम नगर नगर विष्णु गाँड़न के बीच वाली सङ्क को जो बीचवाली एक्सट्रेशन से छोकर उसके बाद चाद नगर		

1	2	3	1	2	3	
18	विजयगार्डन—जारी	श्रीर रवी नगर को चली जाती है, उसके बावें पजावी मार्किट-चाव नगर रवी नगर रोड तथा उसके बड़े हुए भाग के साथ साथ सतनगर एक्सटैशन तथा माहिनगर के बीच पड़ने वाले नाले तक उसके बाव उत्तर की ओर उक्त नाले के साथ साथ नजफगढ़ नाले के साथ उसके जक्षन तक, प्रथम् वह स्थान जहा से चलना शुरू किया था।		20.	माहिन पुरा—जारी	के गोछे की सीमा गवर्नमेंट ब्वाएज हायर सेकेन्ड्री स्कूल न० १ तथा मेजर भैंस्ट्र निह मार्ग, उसके बाव दक्षिण की ओर मेजर भैंस्ट्र निह मार्ग के साथ-साथ नजफगढ़ रोड, के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाव पश्चिम की ओर नजफगढ़ मड़क के साथ हस्तसल की पूर्वी सीमा के साथ उराके जक्षन तक, उसके बाव पश्चिम की ओर हस्तसल की दक्षिणी सीमा तथा नावाडा मजरा हस्तसल के साथ साथ नजफगढ़ नाला के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाव उत्तर की ओर तथा पूर्व की ओर नजफगढ़ नाला के साथ साथ अन्य नाले के साथ उसके जक्षन तव, प्रथम् वह स्थान जहा से चलना शुरू किया था।
19	तिलक नगर	वियाला राड के नजफगढ़ रोड के साथ नजफगढ़ से शुरू करते हुए तथा पश्चिम की ओर नजफगढ़ रोड के साथ साथ मेजर सुरेन्द्र निह मार्ग के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाव उत्तर पश्चिम की ओर उत्तर की ओर तथा उत्तर पूर्व की ओर उक्त मार्ग के साथ साथ उस रोड के जक्षन तक जो गवर्नमेंट ब्वाएज हायर सेकेन्ड्री स्कूल न० १ तिलक नगर की पश्चिमी सीमा पर पड़ता है, उसके बाव पूर्व की ओर उक्त स्कूल के पीछे की सीमा तथा गवर्नमेंट ब्वाएज हायर सेकेन्ड्री स्कूल स्कूल न० २ तिलक नगर तथा उक्त स्कूल न० २ के बड़े हुए भाग के साथ साथ तिलक नगर तथा मन्त नगर एक्सटैशन के बीच जाने वाले नाले तक, उसके बाव उत्तर पश्चिम की ओर एवं उत्तर की ओर उक्त नाले के साथ साथ पजावी मार्किट-चाव नगर रवी रोड के बड़े हुए भाग (प्रथम् रवी नगर तथा चाव नगर के दक्षिण मे पड़ने वाली सड़क जो आगे शाह नगर ओर छौखण्डी एक्सटैशन-विण्ण गार्डन के बीच मे चली जाती है) के साथ उसके जक्षन तक उसके बाव उक्त बड़े हुए भाग तथा उक्त सड़क के साथ साथ वियाला रोड के साथ उसके जक्षन तक, उक्त मार्ग के साथ साथ नजफगढ़ रोड के साथ साथ उराके जक्षन तक, प्रथम् वह स्थान जहा से चलना शुरू किया था।	21.	राजोरी गार्डन	नजफगढ़ राड से सुभाष नगर का जाने वाली सड़क के साथ, जक्षन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर होकर नजफगढ़ रोड के साथ साथ रिग रोड के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाव दक्षिण पूर्व की ओर रिग रोड के साथ साथ राजोरी गार्डन की दक्षिण सीमा के साथ उसके जक्षन तक उसके बाव राजोरी गार्डन की दक्षिणी सीमा तथा उसके बड़े हुए भाग के साथ साथ नाले तक मकान न० ५-१/१४ के पीछे के स्थान से जहां से छका हुआ है उसके बाव पश्चिम की ओर राजोरी गार्डन ओर राजोरी गार्डन एक्सटैशन के दक्षिण मे नाले के साथ साथ नजफगढ़ रोड से सुभाष नगर को जाने वाली सड़क के साथ जक्षन तक, और उसके बाव उत्तर की ओर उक्त सड़क के साथ साथ नजफगढ़ रोड के साथ साथ उराके जक्षन तथा, प्रथम् वह स्थान जहां से चलना शुरू किया था।	
20.	साहिव पुरा	नजफगढ़ नाला और तिकल नगर के पीछे से प्राने वाले नाले के जक्षन से शुरू करते हुए तथा दक्षिण की ओर होते हुए उक्त नाले के साथ साथ गवर्नमेंट ब्वाएज हायर सेकेन्ड्री स्कूल न० २ तिलक नगर के पीछे की सीमा के बड़े हुए भाग के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाव पश्चिम की ओर उक्त बड़े हुए भाग के साथ साथ उक्त स्कूल	22.	सुभाष नगर	रिग रोड तथा राजोरी गार्डन की दक्षिण सीमा के जक्षन से शुरू करते हुए तथा दक्षिण पूर्व की ओर होते हुए रिग रोड के साथ साथ उपरि पुल के नीचे लाइन के साथ उराके जक्षन तक, उसके बाव सुभाष नगर के बड़े हुए भाग और दक्षिण तथा पश्चिमी सीमा (सुभाष नगर भगेत) के साथ साथ तिहार गाव की पूर्वी रीमा तक तथा उसके बाव नजफगढ़ रोड का जाने वाली सड़क के साथ साथ राजोरी गार्डन एक्सटैशन तथा राजोरी गार्डन के दक्षिण मे जाने वाले नाले के साथ उसके जक्षन तक उसके बाव उक्त साथ नाले के साथ साथ मकान न० ५-१/१४ के पीछे राजोरी गार्डन की दक्षिण सीमा तक उसके	

1 2

3

22. सुभाष नगर—जारी

बड़े हुए भाग के साथ साथ तथा उसके बाद उक्त वर्धिती सीमा के साथ साथ रिंग रोड के साथ उसके जंकशन तथा, अर्थात् वह स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था।

23. रमेश नगर

रिंग रोड से नजफगढ़ नाला के साथ जंकशन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर होते हुए नजफगढ़ नाला के साथ जंकशन के साथ साथ बाईं दारापुर तथा मोती नगर के बीच पड़ने वाले नाले के साथ उसके जंकशन तक, उसके बाद दक्षिण की ओर नजफगढ़ रोड के बाद उक्त नाले के साथ साथ रमेश नगर तथा कीर्ति नगर के बीच होते हुए रेलवे लाइन के साथ उसके जंकशन तक; उसके बाद दक्षिण पश्चिम की ओर रेलवे लाइन के साथ साथ पुल के ऊपर रिंग रोड के साथ उसके जंकशन तक तथा उसके बाद उत्तर की ओर रिंग रोड के साथ साथ नजफगढ़ नाले के साथ उसके जंकशन तक अर्थात् वह स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था।

24. मोती नगर

नजफगढ़ नाले के बाईं दारापुर तथा मोती नगर के बीच में पड़ने वाले नाले के साथ जंकशन से शुरू करते हुए तथा पूर्व की ओर होते हुए नजफगढ़ नाले के साथ साथ मोती नगर तथा न्यू मोती नगर के बीच पड़ने वाले नाले के साथ उसके जंकशन तक; उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उक्त नाले¹ के साथ साथ नजफगढ़ रोड के साथ उसके जंकशन तक, उसके बाद नजफगढ़ रोड के साथ साथ उपर पुल के नीचे रेलवे लाइन के साथ उसके जंकशन तक, उसके बाद दक्षिण पश्चिम की ओर रेलवे लाइन के साथ साथ रमेश नगर तथा कीर्ति नगर के बीच पड़ने वाले नाले के साथ उसके जंकशन तक, उसके बाद उत्तर की ओर नजफगढ़ रोड के बाद उग नाले के माथ साथ तथा बाईं दारापुर तथा मोती नगर के बीच होते हुए नजफगढ़ नाले के साथ उसके जंकशन तक अर्थात् वही स्थान जहाँ से चलना शुरू किया था।

25. पंजाबी बाग

परिणियत 4 में निर्दिष्ट गाँव तथा वस्तिया तथा आवादियाँ जो उत्तर में दिल्ली हिंगियाणा वाईर की उसके कुनब गढ़ गाँव की सीमा के साथ जंकशन

1 2

3

25. पंजाबी बाग—जारी

से लेकर उसके दरयापुर कला गाँव की सीमा के साथ जंकशन तक की सीमा द्वारा पूर्व में दरयापुर कला बवाना पुथ खुद बड़वाया पमाली रिटाला, मगोलपुर खुद कला, सीलमपुर मजार मधीपुर तथा भकरपुर गाँवों की सीमाओं द्वारा रिंग रोड के साथ जंकशन तक, उसके बाद पूर्व की ओर रेलवे लाइन के साथ साथ नजफगढ़ नाले के साथ उसके जंकशन तक, दक्षिण में चौकोरी मुद्रारक-बाद की सीमाओं द्वारा नजफगढ़ नाले के जंकशन से तथा लाइन शकुरपुर गाँव तथा शकुरबस्ती (तमाम पंजाबी बाग कालोनी को मिलाकर) ओर नजफगढ़ नाले के साथ जंकशन तक मादीपुर उसके बाद नजफगढ़ नाले के साथ साथ तिलगपुर की पश्चिमी सीमा के साथ साथ इसके जंकशन तक, पश्चिम में निलापुर रमोली मुड़का, ब्रेसोरा सदोबा तथा निजामपुर रशीदपुर ग्रामों की सीमा तक, पश्चिम में कुतब शाह ग्राम की उत्तरी सीमा के साथ साथ इसके जंकशन तक निजामपुर रशीदपुर ग्राम की पश्चिमी सीमा के साथ साथ इसके जंकशन से लेकर दिल्ली हिंगियाणा सीमा तक, अर्थात् उस स्थान तक जहाँ से चलना शुरू किया था, धिरे धोने में पड़ने वाली वस्तिया तथा आवादियाँ दिया ।

26. त्रिनगर

पुल के ऊपर दिल्ली-रोहतक रेलवे लाइन के साथ साथ रिंग रोड के जंकशन से एक लाइन शुरू करते हुए उसके बाद उक्त रिंग रोड के साथ साथ उत्तर की ओर जाते हुए पश्चिमी यमुना नहर के साथ साथ इसके जंकशन तक, उसके बाद उक्त नहर के साथ साथ दक्षिण पूर्व की ओर यशोदा ताक के निकट नजफगढ़ नाले के साथ इसके जंकशन तक, उसके बाद नजफगढ़ नाले के साथ साथ दक्षिण पश्चिम की आर दिल्ली रोहतक रेलवे लाइन के साथ साथ उसके जंकशन तक, उसके बाद रेलवे लाइन के साथ साथ पश्चिम की ओर रिंग रोड के साथ साथ इसके जंकशन तक अर्थात् उस स्थान तक जहाँ से चलना शुरू किया था ।

27. वर्जीर पुर

पश्चिमी यमुना नहर के साथ रिंग रोड जंकशन से एक लाइन शुरू करते हुए और उक्त नहर के साथ साथ पश्चिम पूर्व की ओर जाते हुए यशोदा पर्क के निकट नजफगढ़ नाले के साथ

1	2	3	1	3	3
27 वजीर पुर—जागी		इसके जक्षन तक, इसके बाद उजफ-गड़ ताने के साथ साथ पूर्व की ओर दिल्ली करनाल रेलवे लाईन के साथ इसके जक्षन तक इसके बाद उत्तर रेलवे लाईन के साथ साथ उत्तर की ओर और ग्राम्योदया कपड़ा मिल की सीमा के साथ साथ जी० टी० रोड और करनाल रोड के बीचों के साथ इसके जक्षन तक, इसके बाद करनाल रोड के साथ साथ उत्तर की ओर रिंग रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद रिंग रोड के साथ साथ पश्चिम की ओर पश्चिम यमुना नद्दी के साथ इसके जक्षन तक, अर्थात् जहा से चलना शुरू किया था ।	29 गीता कालोनी		एक लाईन यमुना के साथ गांधी नगर रोड के जक्षन से शुरू करते हुए तथा गांधी नगर रोड के भाव साथ पूर्व की ओर जाने हुए पटपड़ गज रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण में पटपड़ गज रोड के साथ-साथ गीता कालोनी की दक्षिणी सीमा के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद गीता बालानी की दक्षिण सीमा के साथ साथ उस विन्दु में जहा पर गीता कालोनी के ब्लाक न० ७ और ब्लाक न० १२ के बीच जान बाली सड़क का बढ़ा हुआ भाग मिलता है नहर बाड़ के साथ साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम की ओर नहर बाड़ के साथ साथ यमुना तक, और उसके बाद यमुना के साथ माथ उत्तर-पश्चिम की ओर गांधी नगर रोड के साथ इसके जक्षन तक अर्थात् जहा से चलना शुरू किया था ।
28 नवीन शहरदगा		अनुपन ६ में निर्दिष्ट ग्राम और उत्तर में एक लाईन द्वारा दिल्ली उत्तर प्रदेश सीमा के जक्षन से शुरू होकर साबापुर गाव की उत्तरी सीमा के साथ इसके जक्षन में तथा उक्त सीमा के साथ साथ पूर्व की ओर एवं दक्षिण की ओर रेलवे लाईन के साथ जक्षन तक, उसके बाद रेलवे लाईन के साथ माथ पश्चिम की ओर में लेकर यमुना के साथ इसके जक्षन तक, और उसके बाद उत्तर की ओर यमुना के साथ ग्राम णावापुर के उत्तर में दिल्ली उत्तर प्रदेश सीमा के साथ इसके जक्षन तक, अर्थात् जहा से चलना शुरू किया था से घिरे धेनू में आने वाली आवादिया व कानानिया ।	30. गांधी नगर		एक लाईन यमुना पुल पर गांधी नगर रोड के साथ रेलवे लाईन के जक्षन से शुरू करते हुए और रेलवे लाईन के साथ माथ पूर्व की ओर जाने वाली लाईन से लेकर उस विन्दु तक जहा पर आजाद नगर की पश्चिमी सीमा के बढ़े हुए भाग रेलवे लाईन से मिलते हैं उसके बाद उक्त बढ़े हुए भाग के साथ साथ दक्षिण की ओर तथा शकर नगर आजाद नगर की पश्चिमी सीमा के साथ साथ और हाउस-बाड़ न० ११/१९२ से लेकर इसके बढ़े हुए भाग से कृष्ण नगर व्हाक ४-१ के मकान न० १-१५ के पीछे स्ट्रीट / राजगढ़ तक और उसके बाद पश्चिम में उक्त स्ट्रीट / रोड तथा गांधी नगर रोड के साथ साथ यमुना पुल पर रेलवे लाईन के साथ इसके जक्षन तक, अर्थात् उस स्थान तक जहा से चलना शुरू किया था ।
			31. कृष्ण नगर		एक लाईन रेलवे पुल के नीचे छोटा बाजार के साथ रेलवे लाईन के जक्षन से शुरू करते हुए नद्दी माहल्ला मिहाराम भ होते हुए छोटा बाजार के साथ गाथ दक्षिण की ओर कंकरी राड के निक्षे उसके जक्षन तक उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर कंकरी रोड के गाथ णावदगा की दक्षिणी सीमा व साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम में णावदगा की दक्षिणी सीमा के गाथ गाथ णावदगा की पश्चिमी सीमा तक, उसके बाद पश्चिम

(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----

31. कृष्ण नगर—आरी की ओर कृष्ण नगर की पूर्वी सीमा के साथ-साथ पटपड़ गज के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर की ओर पटपड़ गज के साथ-साथ गांधी नगर रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पूर्व की ओर गांधी नगर रोड—राजगढ़ रोड और अलाक प-1 कृष्ण नगर के मकान नं 1—15 के पीछे की ओर जाने वाली स्ट्रीट के साथ-साथ आजाद नगर और शकर नगर की पश्चिमी सीमा के बड़े हुए भाग की लाइन के साथ इसके जक्षन के बिन्दु तक; उसके बाद उक्त बड़े हुए भाग की लाइन तथा शकर नगर आजाद नगर की पश्चिमी सीमा और इसके बड़े हुए भाग के साथ-साथ रेलवे लाइन तक, और उसके बाद पूर्व की ओर रेलवे लाइन के साथ-साथ छोटा बाजार के साथ इसके जक्षन तक प्रवानि उस स्थान तक जहा से चलना शुरू किया था।

32. खुरेजी खास

परिशिष्ट 7 से निर्दिष्ट गांव तथा एक लाईन द्वारा उत्तर में यमुना के साथ नहर बाध के जक्षन से शुरू होकर नहर बाध गीना कालोनी की दक्षिणी सीमाओं तथा कृष्ण नगर के साथ-साथ पूर्व की ओर जाती हुई लाइन के बीच क्षेत्र में पड़ने वाली कालोनिया तथा आबादियों से लेकर कृष्ण नगर की पूर्वी सीमा के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर में कृष्ण नगर की पूर्वी सीमा के साथ-साथ शाहदगा की दक्षिणी सीमा के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर परिशिष्ट की ओर रोहनपुर रोड के साथ-साथ छोटा बाजार के साथ उसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर में छोटा बाजार और मार्ग रोड के साथ-साथ पुन के नीचे रेलवे लाइन के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पूर्व में रेलवे लाइन के साथ माव दिल्ली उत्तर प्रदेश सीमा तक उसके बाद दक्षिण में और पश्चिम की ओर चिल्ली उत्तर प्रदेश सीमा के साथ-साथ यमुना के साथ इसके जक्षन तक और उसके बाद उत्तर में यमुना के साथ-साथ यमुना के साथ इसके जक्षन तक और उसके बाद उत्तर में यमुना के साथ-साथ नहर बाध के साथ इसके जक्षन तक प्रवानि उस स्थान तक जहा से चलना शुरू किया था।

(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----

33. मौडल टाउन

करनाल रोड के साथ जी० टी० रोड के जक्षन से शुरू होने वाली तथा म्युनिसिपल कालोनी की उत्तरी सीमा मौडल टाउन और रिशाव भागरी के पूर्व की ओर जाने वाली लाइन से भाई परमानन्द मार्ग के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण में भाई परमानन्द मार्ग के साथ-साथ करनाल रोड के साथ इसके जक्षन तक; उसके बाद पश्चिम में करनाल रोड के साथ-साथ पम्बारी रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण में पम्बारी रोड के साथ-साथ जी० टी० रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पूर्व में जी० टी० रोड के साथ-साथ नत्रकगढ़ नाले के साथ इनके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण-पश्चिम की ओर नत्रकगढ़ नाले के साथ-साथ रेलवे लाइन के साथ इसके जक्षन तक; उसके बाद उत्तर-पश्चिम की ओर रेलवे लाइन के साथ-साथ तथा अयोध्या कांडा मिल की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जी० टी० रोड और करनाल रोड के चौराहे के साथ इसके जक्षन सक प्रवानि उस स्थान तक जहा से चलना शुरू किया था।

34. कमला नगर

पम्बारी रोड के माथ करनाल रोड के जक्षन में शुरू होने वाली तथा करनाल रोड एवं माल रोड के साथ पूर्व की ओर जाने वाली लाइन से लेकर अलीपुर रोड के माथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण की ओर अलीपुर रोड और रानी झोसी रोड के साथ-साथ रोशनप्रारा रोड के माथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण-पश्चिम की ओर रोशनप्रारा रोड के साथ-साथ मलकांगज रोड के माथ इसके जक्षन तक; उसके बाद पश्चिम की ओर रोशनप्रारा रोड के साथ-साथ मलकांगज रोड के माथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण-पश्चिम की ओर पम्बारी रोड के साथ-साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर-पश्चिम की ओर पम्बारी रोड के साथ-साथ करनाल रोड के साथ-साथ इसके जक्षन तक, प्रवानि उस स्थान तक जहा से चलना शुरू किया था।

35. मिविल लाइन

भाई परमानन्द मार्ग और रेडियो कालोनी की उत्तरी सीमा से शुरू होने वाली तथा उत्तरी सीमा के माथ-साथ पूर्व की ओर जाने वाली साईन और उसके बाद इसकी उत्तरी सीमा के माथ-साथ भाई परमानन्द कालोनी की उत्तरी सीमा के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद भाई परमानन्द कालोनी की उत्तरी सीमा तथा इसके बड़े हुए भाग के साथ-साथ डा० मुखर्जी नगर की गश्चिमी सीमा तक उसके बाद डा० मुखर्जी नगर की पश्चिमी

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
35	सिविल नाहन्स— आरी	और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, उसके बाद तिमारसुर सरकारी कर्मचारी कालोनी की उत्तरी सीमा और गांव वजीराबाद की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ यमुना (जिसमें वजीराबाद पर्यावरण स्टेशन शामिल है) तक, उम्हे बाद दक्षिण में यमुना के साथ-साथ यमुना पुल तक, उसके बाद पश्चिम में यमुना पुल के ऊपर से रेलवे लाइन के साथ-साथ कलकत्ता पुल तक, उसके बाद पश्चिम में कलकत्ता पुल के नीचे से श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग के साथ-साथ पुल मिठाई पर कुतुब रोड के साथ इसके जक्षन तक उसके बाद उत्तर में कुतुब रोड के साथ-साथ जी० टी० रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम में जी० टी० रोड के साथ-साथ गन्नी झासी रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर में रानी झासी रोड और अलीपुर रोड के साथ-साथ भाल रोड के साथ इसके जक्षन तक, इसके बाद पश्चिम में भाल रोड के साथ-साथ भाई परमानन्द मार्ग के साथ इसके जक्षन तक, और उसके बाद उत्तर में भाई परमानन्द मार्ग के साथ-साथ रेडियो कालोनी की उत्तरी सीमा के साथ इसके जक्षन तक प्रथमतृत उस स्थान तक जहां से अलना शुरू किया था ।	36	पहाड़ गंज—जारी	रोड के साथ इसके जक्षन तक, अर्थात् उस स्थान तक जहां में बलना शुरू किया था ।
37	मदर बाजार	मुडेवालान रोड के साथ देशबन्धु गुप्ता रोड के जक्षन में शूल होने वाली लाइन से उत्तर में महरेवालान रोड के साथ-साथ ईदगाह रोड के साथ इराबे जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम में ईदगाह रोड के साथ-साथ रानी झासी रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम मार्किट रोड के साथ-साथ पूर्व की ओर जाती हुई लाइन से टोकरीवालान तथा नवाब गंज को अलग करने वाली सड़क के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद आजाद मार्किट रोड के साथ-साथ पूर्व की ओर जाती हुई लाइन से टोकरीवालान तथा नवाब गंज को अलग करने वाली सड़क के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद उत्तर में उक्त सड़क और इसके बड़े हुए भाग के साथ-साथ रेलवे लाइन के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद दक्षिण में उक्त रेलवे लाइन के साथ-साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को छोड़ कर) तक, उसके बाद पश्चिम में मझी तेल रोड और कुतुब रोड के पार के मल्लाया के साथ-साथ गली संगतराशा के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पूर्व में कमरेवालान और मझी तेल रोड के साथ-साथ कुतुब रोड (जिसमें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भी शामिल है) के पार रेलवे लाइन तक उसके बाद दक्षिण में रेलवे लाइन के साथ-साथ समारोह प्लेटफार्म तक, उसके बाद जेम्फोर्ड रोड तथा बसन्त लेन के साथ-साथ पंचकुड़या रोड के साथ इसके जक्षन तक, उसके बाद पश्चिम वी और पश्चकुड़या रोड और लिंक रोड के साथ-साथ अपर रिज रोड के साथ इसके जक्षन तक, और उसके बाद उत्तर में अपर रिज रोड के साथ-साथ देशबन्धु गुप्ता	38	प्रताप नगर	लिंक रोड के जक्षन से शूल होकर मराय रोहिल्ला से शक्ति नगर तक लिंगी करताल रेलवे लाइन के साथ-साथ पूर्व की ओर बढ़ते हुए उसके रानी झासी रोड के साथ जक्षन तक, तब उत्तर विशा से रानी झासी रोड के साथ-साथ उसके गाड़ ट्रक रोड के साथ जक्षन तक, तब पूर्व विशा में गाड़ ट्रक रोड के साथ-साथ उसके पुल मिठाई के नीचे रेलवे लाइन के साथ जक्षन तक, तब पश्चिम दिया में रेलवे लाइन के साथ-साथ टोकरीवालान और नवाब गंज को बाटने वाली सड़क के बड़े हुए हिस्से के साथ उसके जक्षन तक, तब दक्षिण की ओर उक्त बड़े हुए हिस्से और

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
38 प्रताप नगर—जारी	महक के साथ-साथ उमके आजाद मार्किट रोड के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम दिशा में आजाद मार्किट रोड के साथ-साथ उमके रानी जास्ती रोड के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण दिशा में गनी जास्ती रोड के साथ-साथ उमके जंकशन तक; तब पश्चिम दिशा में दिल्ली कलाल मिल रोड के साथ-साथ उमके इच्छल फाटक पर रेलवे लाइन के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण दिशा में रेलवे लाइन के साथ-साथ सराय रोहिल्ला में शक्ति नगर को जाने वाली लिक रोड के गाथ उमके जंकशन तक तब उत्तर दिशा में उक्त मड़क के साथ-साथ उमके रेलवे लाइन के साथ उम स्थान पर जंकशन तक जहां से हम प्रारम्भ में चले थे।	41. निष्ठिया कालिज—जारी	के साथ-साथ उमके इच्छल फाटक रोड के साथ जंकशन तक, तब पूर्व दिशा में दिल्ली कलाल मिल रोड के साथ उमके रानी जास्ती रोड के साथ जंकशन तक, तब दक्षिण दिशा में गनी जास्ती रोड और ईस्ट पार्क रोड के साथ उमके आर्य समाज रोड के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम दिशा में आर्य समाज रोड के साथ जंकशन तक, तब उत्तर मड़क के साथ उमके देशबन्धु गुप्ता रोड के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम में देशबन्धु गुप्ता रोड के साथ उमके थान मिह नगर पर सड़क नं० 1 के साथ जंकशन तक; तब उत्तर दिशा में उक्त मड़क के साथ उमके न्यू रोहतक रोड के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम दिशा में न्यू रोहतक रोड के साथ उमके गाड़ोदिया रोड के साथ तक और तब उत्तर दिशा में गाड़ोदिया रोड के साथ उमके रेलवे लाइन के मिलने तक, जहां से हम शुरू में चले थे।		
39 एक्सिट नगर	विल्ली करनाल रेलवे लाइन के नजफगढ़ नाले के साथ-साथ उमके नजफगढ़ नाले के साथ जंकशन से शुरू होकर उन्नर-पूर्व दिशा में नजफगढ़ नाले के साथ-साथ उमके गाड़ ट्रक रोड के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण पूर्व दिशा में ग्रांड ट्रक रोड के साथ-साथ उमके मलका गंज रोड के साथ जंकशन तक, तब उत्तर दिशा में मलका गंज रोड के साथ-साथ उमके रोशनआरा रोड के साथ-साथ उमके रानी जास्ती रोड के साथ जंकशन तक, तब दक्षिण दिशा में रानी जास्ती रोड के साथ उमके पुल बंगल के नीचे रेलवे लाइन के साथ जंकशन तक तब उत्तर पश्चिम दिशा में विल्ली करनाल रेलवे लाइन के साथ-साथ उमके नजफगढ़ नाले के साथ उम स्थान पर जंकशन तक, जहां से हम आरम्भ में चले थे।	42. मोतिया खान	ईस्ट पार्क रोड और रानी जास्ती रोड के फिल्मस्टान सिनेमा के निकट जंकशन से शुरू होकर प्रौद्योगिकी दिशा में रानी जास्ती रोड के साथ उमके ईश्वराह रोड के साथ जंकशन तक; तब पूर्व की ओर ईश्वराह रोड के साथ उमके मुंडेवालान रोड के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण दिशा में मुंडेवालान रोड के साथ उमके वेशबन्धु गुप्ता रोड के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम दिशा में वेशबन्धु गुप्ता रोड के साथ उमके नाला सिनेमा के पास अपर रिज रोड के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण दिशा में अपर रिज रोड के साथ उमके लिक रोड के जंकशन तक; तब पश्चिम में लिक रोड प्रौद्योगिकी दिशा में रानी जास्ती रोड के साथ उमके गदा नाला के साथ जंकशन तक; तब उत्तर दिशा में प्रौद्योगिकी दिशा में गदा नाला के गाथ और उक्त मड़क नं० 10 के साथ उमके आर्य समाज रोड के साथ जंकशन तक; तब पूर्व की ओर आर्य समाज रोड के साथ उमके ईस्ट पार्क रोड के साथ जंकशन तक, और तब उत्तर दिशा में ईस्ट पार्क रोड के साथ उमके फिल्मस्टान मिनेमा के पास रानी जास्ती रोड के साथ जंकशन तक जहां से हम शुरू में चले थे।		
40 करम पुरा	नजफगढ़ नाले के मोती नगर और न्यू मोती नगर के बीच के नाले के साथ जंकशन से शुरू होकर और उन्नर-पूर्व दिशा में नजफगढ़ नाले के साथ-साथ उमके विल्ली करनाल रेलवे लाइन के साथ जंकशन तक; पूर्व में दक्षिण पूर्व दिशा में उक्त रेलवे लाइन के साथ-साथ और तब शक्ति नगर से सराय रोहिल्ला तक जाने वाली लिक रोड के साथ-साथ उमके विल्ली रोहतक रेलवे लाइन के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम दिशा में रेलवे लाइन के साथ-साथ इसके नजफगढ़ रोड के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण पश्चिम दिशा में नजफगढ़ रोड के साथ-साथ इसके मोती नगर और न्यू मोती नगर के बीच के नाले के साथ जंकशन, और तब उत्तर दिशा में उक्त नाले के साथ-साथ उमके नजफगढ़ नाले के साथ जंकशन तक जहां से हम शुरू में चले थे।	13. देव नगर	वेशबन्धु गुप्ता रोड के थानमिह नगर पर सड़क नं० 1 के साथ जंकशन से शुरू होकर और पूर्व दिशा में वेशबन्धु गुप्ता रोड के साथ उमके सड़क नं० 10 के साथ जंकशन तक तब दक्षिण दिशा में सड़क नं० 10 के साथ उमके गदा नाला के साथ जंकशन तक; तब दक्षिण दिशा में गदा नाला के साथ उमके प्रौद्योगिकी दिशा में गदा नाला के साथ जंकशन तक; तब पश्चिम		
41 निष्ठिया कालिज	रेलवे लाइन के साथ गाड़ोदिया रोड के जंकशन से शुरू होकर और पूर्व दिशा में रेलवे लाइन				

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)	
43. देव नगर—जारी	दिशा में पूसा रोड के साथ उसके पटेल रोड के साथ जंकशन तक; तब उत्तर दिशा में न्यू पूसा रोड के साथ-साथ ईस्ट पटेल नगर के उत्तर की सड़क के ब्लाक नं० 49 तक; तब उक्त सड़क के द्वारा उत्तर की ओर ब्लाक नं० 48 तक; तब मिलिट्री शेव्र सीमा के साथ-साथ उसके देशबन्धु गुप्ता रोड के साथ उस सड़क के थानसिह नगर की सड़क नं० 1 के छोराएँ पर जंकशन तक; जहाँ से चलना शुरू किया था।		46. आनन्द पर्वत—जारी	तब पूर्व दिशा में न्यू रोहतक रोड के साथ-साथ न्यू मार्केट रोड के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में उक्त सड़क थानसिह नगर में सड़क नं० 1 के साथ-साथ देशबन्धु गुप्ता रोड के निकट मिलिट्री शेव्र सीमा के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में मिलिट्री शेव्र सीमा के साथ-साथ और ईस्ट वेस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ वेस्ट पटेल नगर और बल्जीत नगर के बीच नाले के उत्तरीय सिरे के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में उक्त नाले के साथ-साथ पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ उसके जंकशन तक; तब वेस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ-साथ ब्लाक नं० 48 के उत्तर की सड़क के साथ उसके जंकशन तक; तब उक्त सड़क के साथ माथ ब्लाक नं० 49 के उत्तर की सड़क के साथ-साथ मिलिट्री फैसिंग तक, तब मिलिट्री फैसिंग के साथ और ईस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ-साथ न्यू पूसा रोड के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में न्यू पूसा रोड के साथ-साथ पूसा रोड के साथ पटेल रोड कार्सिंग पर उसके जंकशन तक, तब पश्चिम दिशा में पटेल रोड के साथ-साथ वेस्ट पटेल नगर के पश्चिम के नाले के साथ उसके जंकशन तक, जहाँ से हम शुरू में चले थे।		तब पूर्व दिशा में न्यू रोहतक रोड के साथ-साथ न्यू मार्केट रोड के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में उक्त सड़क थानसिह नगर में सड़क नं० 1 के साथ-साथ देशबन्धु गुप्ता रोड के निकट मिलिट्री शेव्र सीमा के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में मिलिट्री शेव्र सीमा के साथ-साथ और ईस्ट वेस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ वेस्ट पटेल नगर और बल्जीत नगर के बीच नाले के उत्तरीय सिरे के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में उक्त नाले के साथ-साथ पटेल रोड के साथ-साथ उसके जंकशन तक, तब पश्चिम उत्तर दिशा में मोती नगर को उक्त जाने वाली सड़क के साथ-साथ नजफ़गढ़ रोड के साथ उसके जंकशन तक; तब नजफ़गढ़ रोड के साथ-साथ मोती नगर और न्यू मोती नगर के बीच होकर नाले के साथ उसके जंकशन तक, जहाँ से हम शुरू में चले थे।
44. पटेल नगर	पटेल रोड के जंकशन से शुरू होकर बल्जीत नगर और वेस्ट पटेल नगर के बीच के नाले के साथ-साथ और उत्तर दिशा में उक्त नाले के साथ वेस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ उसके जंकशन तक; तब वेस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ-साथ ब्लाक नं० 48 के उत्तर की सड़क के साथ उसके जंकशन तक, तब मिलिट्री फैसिंग के साथ और ईस्ट पटेल नगर की उत्तरीय सीमा के साथ-साथ न्यू पूसा रोड के साथ उसके जंकशन तक; तब वक्षिण विशा में न्यू पूसा रोड के साथ-साथ पूसा रोड के साथ पटेल रोड कार्सिंग पर उसके जंकशन तक, तब पश्चिम दिशा में पटेल रोड के साथ-साथ वेस्ट पटेल नगर के पश्चिम के नाले के साथ उसके जंकशन तक, जहाँ से हम शुरू में चले थे।					
45. रणजीत नगर	पूसा गेट पर पूसा रोड और पटेल रोड के जंकशन से शुरू होकर और पश्चिम दिशा में होकर पूसा सस्थान उत्तरीय सीमा के साथ-साथ और उसकी छोटी हुई रेलवे लाइन तक, तब उत्तर दिशा में रेलवे लाइन के साथ-साथ पटेल रोड पर रेलवे पुल तक, के ऊपर से (मोरत विज से) पूर्व वक्षिण विशा में पटेल रोड के साथ-साथ पूसा गेट पर पूसा रोड के साथ उसके जंकशन तक; जहाँ से हम शुरू में चले थे।					
46. आनन्द पर्वत	मोती नगर और न्यू मोती नगर के बीच के नाले के जंकशन से शुरू होकर नजफ़गढ़ रोड के साथ और पूर्व विशा में नजफ़गढ़ रोड के साथ-साथ होकर रेलवे लाइन के साथ उसके जंकशन तक; तब पूर्व विशा में रेलवे लाइन के साथ-साथ गाहोविया रोड के लेवल क्रासिंग तक; तब वक्षिण दिशा में गाहोविया रोड के साथ-साथ न्यू रोहतक रोड तक;					

परिविष्ट 1

चार्ड संख्या 10 (मालवीय नगर)

- 1 राजोकरी
- 2 मलिक पुरा कोही बनाम रंग पुरी
- 3 मेहपाल पुर
- 4 मेहराली (शोष क्षेत्र)
- 5 मसूदा पुर (शोष क्षेत्र)
- 6 घटोरनी
- 7 मूल्सान
- 8 छत्तर पुर
- 9 गहाई पुर
- 10 येहा नगर
- 11 जोना पुर
- 12 खन्दम होला
- 13 फतेहपुर बौरी
- 14 भाटी
- 15 असोला
- 16 शाऊर पुर
- 17 सतवारी
- 18 राजपुर लुर्व
- 19 मैवान गढ़ी
- 20 हेरा मंडी
- 21 लाला सराय

परीक्षण 1—जारी

22 लाला सराय
23 हौज रानी
24 सैयदुल आजिब
25 नेब सराय

परीक्षण 2

कार्ड संख्या 13 (विस्तीर्ण छावनी)

1 सोगान पुर
2 साहुपुर
3 शाहजाद मोहम्मद पुर
4 बरधाल
5 विजवासन
6 स्लेह पुर
7 कापस हैंडा
8 साम्लका
9 नांगल देवात
10 बाघरोला

परीक्षण 3

कार्ड संख्या 15 (जनक पुरी)

1 टीकरी कलां
2 भरोडा कलां
3 नीलवाल
4 जाफर पुर
5 बाकर बाला
6 अकोली
7 दीचसोन कला
8 सरख पुर
9 वैवत पुर
10 बापरोला
11 नन्वी सेकरबती
12 मस्तुवाबाद
13 नजफगढ़
14 रोशन पुरा
15 विन्धुर पुर
16 खेडा
17 खांरखारी माहर
18 करैर
19 मुङ्गाला कला
20 मुङ्गाला खुर्द
21 मित्रा
22 सूरदा
23 जाफर पुर कला
24 बाकर गढ़
25 शामस पुर खालसा
26 काजी पुर

परीक्षण 3—जारी

27 ईसापुर
28 धानसा
29 मार्सिक पुर और नजफगढ़
30 उज्ज्वा
31 खेडा हावर
32 शेरपुर हरी
33 दुरधापुर खुर्द
34 गामन हैंडा
35 भूल भूली
36 रेता
37 डीराला
38 गालिल पुर
39 सारंग पुर
40 खार खारी जाट मेल
41 पिहवाला कलां
42 खार खारी रेत
43 कसन पुर
44 पिहवाला खुर्द
45 खौलत पुर
46 अस्लत पुर खावर
47 जीन पुर
48 शिकार पुर
49 भाटीकरा
50 नानक हारी
51 राधो पुर
52 व्यवहसारा
53 कगन हारी
54 छावला
55 रेवाला खानपुर
56 घरावत
57 गीला खुर्द
58 कबरोला
59 रोज पुर खुर्द
60 कुतुब पुर
61 घूल सिरस
62 बैकलेली
63 पेचन पुर
64 अम्बर हैं
65 लेहर हारी
66 भट्टेला
67 विन्दा पुर
68 मिर्जापुर
69 पालम
70 नासीर पुर
71 छावरी
72 सागर पुर

परिशिष्ट ४

बाईं संलग्न 25 (पंजाबी भाग)

- 1 कुतब गढ़
- 2 मुग्नेश पुर
- 3 कट्टेबारा (कट्टेबाड़ा)
- 4 आँचंवी
- 5 हरेबाली
- 6 चरण्यापुर कला
- 7 बाजीव पुर ठाकरान
- 8 नांगल ठाकरान
- 9 बापना

10 सुल्तान पुर छावस

- 11 पूठ लुर्द
- 12 बरबाला
- 13 बाट खोर
- 14 पंजाब सोर
- 15 स्लेह पुर मजरा
- 16 छांटसर
- 17 जोन्तरी
- 18 बुम्प म पुर (बुन्धन पुर)
- 19 चांद पुर
- 20 गड़ी रांधसा
- 21 लाडपुर
- 22 कंभवाला
- 23 कारसा
- 24 निजाम पुर रशीदपुर
- 25 सूक्षा
- 26 धीरा
- 27 मव्वम देखास
- 28 रखुल पुर
- 29 रानी खाला
- 30 भोहम्मव पुर
- 31 मुदारक पुर चैवास
- 32 पुर्ख कला
- 33 रिठौता
- 34 फिरारी सुलेमान नगर
- 35 मंगल पुर खुर्द
- 36 सुल्तान पुर मजरा
- 37 मंगल पुर कला
- 38 मुम्पका
- 39 कमलहृदीन नगर
- 40 मांगलोह्य जाट
- 41 गड़ी पीरान
- 42 ज्वाला हैडी
- 43 पानसाली

- 44 बेगम पुर
- 45 शक्तुर पुर
- 46 शक्तुर बस्ती
- 47 सलेम पुर माजरा मावीपुर
- 48 मादीपुर
- 49 मांगलोह्य सैयद
- 50 निलोठी
- 51 तिलंगपुर
- 52 रनहोला
- 53 शफीपुर

परिशिष्ट ५

बाईं संलग्न 27 (बजीर पुर)

- 1 बधर पुर
- 2 सीलम पुर
- 3 बुरारी
- 4 कमल पुर
- 5 मुकम्पपुर
- 6 फरोखा माजरा बुरारी
- 7 अगत पुर
- 8 भालस्था जहांगीर पुर
- 9 पीपल भाला
- 10 शाजीर पुर
- 11 भारोला
- 12 आजाव पुर (शेष भाग)
- 13 धीर पुर
- 14 बजीर बाव
- 15 बजीर पुर
- 16 बोध पुर बीजापुर
- 17 खोरा कला
- 18 नागली पूना
- 19 सिरास पुर
- 20 लिवास पुर
- 21 साहिया बाद दौलत पुर
- 22 शामपुर
- 23 बावली
- 24 हैंपुर पुर
- 25 शाहीपुर
- 26 नाहर पुर
- 27 पीतम पुर
- 28 खाकूत पुर (शेष भाग)
- 29 प्रहसाद पुर बांगर
- 30 हैलाम्बी कला
- 31 हैलाम्बी शुरा
- 32 हरावत नगर
- 33 खेका खुर्द

34 अलीपुर
 35 लैम पुर
 36 हामिद पुर (हमिमपुर)
 37 बांकोली
 38 जिन्दपुर
 39 मुक्खमेल पुर
 40 ताजपुर कला
 41 बलतापर पुर
 42 काल्क पुर
 43 पाल्ला
 44 अक्षर पुर माजरा
 45 भंगोला
 46 तांगीपुर
 47 फत्तेहपुर जाट
 48 मोहम्मद पुर
 49 फिरांकी
 50 रामजान पुर
 51 सूनगार पुर
 52 टेहरी थालत पुर
 53 गढ़ी खासरे
 54 कैथी पुर
 55 इब्राहीम पुर
 56 नरेला
 57 लामपुर
 58 बाकनेर
 59 घंगन
 60 मासुर पुर
 61 कुरेनी
 62 राजापुर कला
 63 सानोथ
 64 भेरगढ़
 65 शाहपुर गढ़ी
 66 टीकरी खरी
 67 सिंधेला
 68 सिंधु

परिशिष्ट 6

बाढ़ संलग्ना 28 (भवीत शाहपरा)

1 सावापुर
 2 चिहारी पुर
 3 सावत पुर
 4 मीर पुर
 5 धीकथा जाट
 6 सावतपुर मुसलमानन
 7 जीवन पुर
 8 मुस्तफा बाष्प

9 कराबाल नगर
 10 शकर पुर बरामाष
 11 जियालौनी पुर
 12 खामपुर बाबानी
 13 सावेली
 14 मानदेली
 15 गढ़ी मांडू
 16 खजुरी खास
 17 मजने पुर (माँजपुर)
 18 गोकुल पुर
 19 बाबर पुर
 20 सकवार पुर
 21 ताहर पुर
 22 जाफराबाद
 23 धोड़ा
 24 घरगाह शोमाली

परिशिष्ट 7

बाढ़ संलग्ना 32 (खुरेजी खास)

1 गंडली
 2 शकर पुर खास
 3 शामस पुर
 4 मंडली
 5 कोटला
 6 घरेवा नेमला (पटपुर गंज)
 7 दिल्ली पुरा
 8 दिल्ला सरोदा बांगर
 9 घरगाह जुन्डी
 10 दिल्ला सरोदा लंदर
 11 सुरेजी खास
 12 कोन्हली
 13 घरेली
 14 लिवरी पुर
 15 गाजी पुर
 16 हसन पुर
 17 काकर बामन
 18 नागली राजापुर

[सं. एक 1(16)/72-डी.जी.इ.]
 यू. एस. कोहली, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
 (Directorate of Gurdwara Elections)
 New Delhi, the 28th February, 1973.

CORRIGENDUM

S. O. 1109.—In this Directorate's Order No. F.1(16)/72-DGE, dated 29-12-1972 issued under section 6 of the Delhi Sikh Gurdwaras Act, 1971 (82 of 1971) and published at pages 163 to 181 of the Gazette of India, Extra-ordinary (Part-II) dated the 15th January, 1973, the following corrections shall be made, namely:—

1. In the preamble of the said Order, in fourth line, for the words "Gurdwaras", read "Gurdwara".

2. In the Table/Appendices to the said Order, the following corrections shall be made, namely:—

Sl. No.	Name of Ward	Page No.	Line No.	Correction
1	2	3	4	5
1.	Chandni Chowk	164	11	For "Ma g" read "Marg"
3.	Jangpura	164	3	For ";" read ":"
			22	For "Aurobindo" read "Aurobindo"
			28	For ";" read ":"
4.	Sarojini Nagar	165	15	For "Multistoreyed building of Ring Road" read "Multi-storeyed building on Ring Road".
			17	For ";" read ":"
7.	Lajpat Nagar	166	4	For "railway" read "railway",
8.	Greater Kailash	166	16	For "Jaitpur Molar-band" read "Jaitpur, Molarband"
		167	21	For "Crossing" read "crossing".
9.	Kalkaji	167	8	For "and" read ":"
		9	For "Delhi" read "Deoli"	
		10	-do-	
9.	Kalkaji	167	11	For "Delhi" read "Deoli"
10.	Malvia Nagar	167	10	For "Phirki" read "Khirki"
		19	For "(excluding Yusuf Sarai) and" read "(excluding Yusuf Sarai); and"	
		25	For "boder" read "border"	
		27	For "Rajkot" read "Rajkot"	
11.	Green Park	168	9	For "ts" read "its" and for "w th" read "with"
		13	For "northwards allong" read "northward along"	
		16	For "Mohamdpur" read "Mohamadpur"	
		18	For "wi h" read "with"	
12.	R.K. Puram	168	6	For "v llage" read "village"
		19	For "ts" read "its"	
		21	For "allong" read "along"	
		23	For "Dhaura Kuann" read "Dhaura Kuan"	
13.	Delhi Cantonment	168	1	For "o" read "of"
		18	For "at" read "of"	
		22	For "2." read "2"	
		169	29	For "B jwasan" read "Bijwasan"
14.	Rajinder Nagar	169	1	For "junc ion" read "junction"
		2	For "w th" read "with"	
		3	For "l ne" read "line" & for "sa d" read "said"	
		5	For "wth" read "with"	
		12	For "l ne" read "line"	
15.	Jahakpur	169	4	For "uptp" read "upto"
		24	For "Delni" read "Delhi"	
16.	Ashok Nagar	169	4	For ";" read ":"
		5	For "Tihari" read "Tihar,"	
		6	For "end" read "and"	
17.	Tagore Garden	170	8	For "Dra n" read "Drain"

1	2	3	4	5
18.	Vishnu Garden	170	1	For "com ng" read "coming"
			2	For "Dra n" read "Drain"
			7	For "Punjab" read "Punjabi"
			13	For "l ne" read "line"
			14&15	For "Sahipura" read "Sahibpura"
19.	Tilak Nagar	170	8	For ";" read ":"
20.	Sahibpura	170	4	For "backsids" read "backside"
		171	7	For "projection backside" read "projection, back-side"
21.	Rajouri Garden	171	2	For "Subash" read "Subhash"
			13	—do—
22.	Subhash Nagar	171	12	For "Southern" read "southern"
24.	Moti Nagar	172	5	For "thnce" read "thence"
		10	For "hpto" read "upto"	
25.	Punjabi Bagh	172	12	For "eastwards rail-way line" read "eastward along railway line"
		20	For "&" read ":"	
26.	Trinagar	172	4	For "Yamuna Canal thence" read "Yamuna Canal; thence"
27.	Wazirpur	172	4	For ":" read ":"
		5	For "Drain; upto" read "Drain upto"	
		173	15	For "aba lies" read "abadies"
			16	For "Junction" read "junction"
			17	For "Junction" read "junction"
			19	For "Jhangela" read "Jhangola"
			27	For "village in" read "village; in"
			30	For "Iradat Naga" read "Iradat Nagar"
27.	Wazirpur	173	30	For "Ha lambi Khurd, Helambi Kalan" read "Holambli Khurd, Holambi Kalan"
			For "Saneth" read "Sanoth"	
28.	Navin Shahdara	173	3	For "Junction" read "junction"
		4	For "Delhi U. P." read "Delhi-U.P."	
			For "Junction" read "junction"	
		6	—do—	
		8	For "Yamuna and" read "Yamuna; and"	
		9	For "Junction" read "junction"	
29.	Gita Colony	173	3	For "Patpargan;" read "Patparganj"
		7	For "Junction" read "junction"	
		12	—do—	
30.	Gandhi Nagar	173	1	—do—
		8	For "House-Ward" read "house Ward"	
		11	For "Junction" read "junction"	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
31. Krishan Nagar	173	1	For "Junction" read "Junction"		37. Sadar Bazar	175	8	For "Tokeriwalan" read "Tokriwalan"	
		3	For "Mohala" read "Mohalla"		38. Pratap Nagar	176	11	For "a ong" read "along"	
		4	For "Junction" read "junction"		39. Shakai Nagar	176	14	For "Ran" read "Rani"	
		5	—do—		40. Karampura	176	7	For "upto" read "upto"	
		7	For "ths" read "the"		42. Motia Khan	177	13	For "nortwards" read "northwards"	
		8	For "southwarde" read "southwards"				14	For "10upto" read "10 upto"	
	174	11	For "Junction" read "junction"				15	For "eastwards" read "eastwards"	
		12	—do—		43. Dev Nagar	177	1	For "Bardhu" read "Bandhu"	
		16	—do—				3	—do—	
		22	—do—				4	For "therce" read "thence"	
32. Khureji Khas	174	3	—do—				5	For "it" read "its"	
		7	For " ;" read " ; "				For "junction" read "junction"		
		11	For "Junction" read "junction"				For "Nullap" read "Nullah"		
		13	—do—				For "therce" read "thence"		
32. Khureji Khas	174	13	For "Chhota Bazar thence" read "Chhota Bazar; thence"				6	For "ulsol thwards" read "southwards"	
		5	For "Junction" read "junction"				12	For "alorg" read "along"	
		18	—do—		44. Patel Nagar	178	9	For "Military fencing thence" read "Military fencing; thence"	
		19	For "Yamuna and" read "Yamuna; and"				10	For "alorg" read "along"	
		20	For "Junction" read "junction"				11	For "boundary" read "boundary"	
33. Model Town	174	1	For "Junction" read "junction"				15	For "Nagar" read "Nagar,"	
		4	—do—		45. Ranjit Nagar	178	1	For "Rajit Naga--r" read "Ranjit Nagar" as name of Ward.	
		7	—do—				3&4	For "projec ion" read "projection"	
		9	—do—				6	For "the ce" read "thence"	
		10	For "Road; upto" read "Road upto" For "Junction" read "junction"				7	For "upo" read "upto"	
		11	For "Nahafgarh" read "Najafgarh"		46. Anand Parbat	178	7	For "thence" read "thence"	
		12	For "Junction" read "junction"				14	For "Junc ion" read "junction"	
34. Kamla Nagar	174	1	—do—				18	For "therce" read "thence"	
		3	—do—				19	For "Mo i Nagar" read "Moti Nagar"	
		5	—do—						
		5&6	For "Road, thence" read "Road; thence"						
		7	For "Junction" read "junction"						
		8	—do—						
		10	—do—						
			For "thene" read "thence"						
		11	For "Junction" read "junction"						
35. Civil Lines	175	1	For "l ne" read "line"						
		11	For "Coloney" read "Colony"						
		15	For "ra lway" read "railway"						
		19	For "nort wards" read "northwards"						
		22	For "Rani Jhansi" read "Rani Jhansi road"						
		26	For "j nation" read "junction"						
36. Paharganj	175	2	For "G p t Road" read "Gupta Road"						
		9	For "eastwards" read "eastwards,"						
		11&12	For "rai way" read "railway"						

No. & Name of the Ward.	Appendix No	Item No.	Page No. of the Gazette.	Correction
15. Janakpuri	3	Heading	179	For "(Fanak Puri)" read "(Janak Puri)"
25. Punjabi Bagh	4	25	180	For "Sooda" read "Sawda".

प्रिवेट मैचानिक
(राजस्व और धीमा विभाग)

नई विल्सी, 26 फरवरी, 1973

आष्टकर

का. आ. 1110.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शरीकतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री. एस. के. विश्वास का, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्स अधिनियम के अधीन कर वस्तु अधिकारी की शरीकतयों का प्रयोग करने के लिए एतद्वारा प्राप्तिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, जो अधिसूचना सं. 199 (फा. सं. 404/74/72-आई. टी. सी. सी.) तारीख 10 अक्टूबर, 1972 का भागतः उपान्तरण करती है, तूरन्त प्रवृत्त होगी।

[सं. 303 फा. सं. 404/32/73-आई. टी.सी. सी.]

एम. एन. नमीचार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 26th February, 1973

INCOME TAX

S.O. 1110.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri S. K. Biswas who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification which is in partial modification of the Notification No. 199 (F. No. 404/74/72-ITCC), dated 10th October, 1972 shall come into force with immediate effect.

[No. 303/F. No. 404/32/73-ITCC]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

आष्टकर

नई विल्सी, 21 अप्रैल, 1973

स्टंप

का. आ. 1111.—भारतीय स्टंप अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शरीकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से, जो गुजरात राज्य वित्तीय निगम द्वारा जारी किए जाने वाले एक करोड़ पैसठ लाख रुपए के मूल्य के बंध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, स्तरक्षयारा छूट देती है।

[सं. 18/73-स्टाम्प/फा. सं. 471/12/73-सीमा शुल्क 7]

ORDER

New Delhi, the 21st April, 1973

STAMPS

S.O. 1111.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds of the value of one crore sixty five lakh of rupees issued by the Gujarat State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 16/73-Stamp/F. No. 471/12/73-Cus. VII]

आष्टकर

का. आ. 1112.—भारतीय स्टंप अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शरीकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से जो सीमिलनालू विष्टुत बोर्ड द्वारा तीमलनालू विष्टुत बोर्ड द्वारा 1984 (दूसरी) आवली के संबंध में जारी किए वार करोड़ चालीस लाख रुपए मूल्य के बंध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, छूट देती है।

[सं. 17/73-स्टाम्प/फा. सं. 471/15/73-सीमा शुल्क 7]

ORDER

New Delhi, the 21st April, 1973

S.O. 1112.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the promissory notes of the value of four crores forty lakhs of rupees, issued by the Tamil Nadu Electricity Board in connection with the Tamil Nadu Electricity Board Loan, 1984 (2nd series) are chargeable under the said Act.

[No. 17/73-Stamp/F. No. 473/15/73-Cus. VII]

आष्टकर

का. आ. 1113.—भारतीय स्टंप अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शरीकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से, जो गुजरात राज्य में सरकारी लेखे अकाल राहत कार्य में लगाए गए श्रीमिकों के संदाय की प्राप्तियों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, छूट देती है।

[सं. 18/72-स्टाम्प/फा. सं. 471/11/73-सीमा शुल्क 7]

के. शंकररामन, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1113.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the receipts for payments to labourers engaged in scarcity relief works on Government account, in the State of Gujarat, are chargeable under the said Act.

[No. 18/72-Stamp/F. No. 471/11/73-Cus. VII]

K. SANKARARAMAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई यिल्ली, 7 मार्च, 1973

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

का० ग्रा० 1114.—रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मार्च 1973 की 30 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा इण्डिया विभाग

वेताएं	रुपये	रुपये	आस्तियाँ	रुपये	रुपये
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट संचलन में नोट	18,75,11,000 5253,44,78,000		सोने का सिक्का और कुलियन :— (क) भारत में रखा हुआ 182,53,11,000 (ख) भारत के बाहर रखा हुआ ..		
जारी किये गये कुल नोट		5272,19,89,000	विवेशी प्रतिशूलियाँ 171,65,38,000		
कुल वेताएं		5272,19,89,000	जोड़ रुपये का सिक्का भारत सरकार की रुपया प्रतिशूलियाँ देशी विनियम बिल और दूसरे वाणिज्य पत्र ..	354,18,49,000 8,63,96,000	
तारीख 5 मार्च, 1973.			कुल आस्तियाँ 4909,35,44,000		
				एम० जगन्नाथन, गवर्नर	

30 मार्च 1973 को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकालाप का विवरण

वेताएं	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
1	2	3	4
मुक्ता धूर्जी	5,00,00,000	नोट	18,75,11,000
भारकित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	4,56,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि	209,00,00,000	छोटा सिक्का	3,88,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	45,00,00,000	जारी की गयी बिल	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि	175,00,00,000	(क) वेशी (ख) विवेशी (ग) सरकारी खजाना बिल	35,39,71,000
जमा राशियाँ :—			
(क) सरकारी			
(i) केन्द्रीय सरकार	53,82,56,000	विवेशी में रखा हुआ बकाया*	204,37,28,000
(ii) राज्य सरकारे	16,78,80,000	निवेश**	502,71,26,000
(ख) बैंक			
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	278,57,20,000	(i) केन्द्रीय सरकार को (ii) राज्य सरकारों को@	72,41,69,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	17,29,93,000	ऋण और अधिम :—	
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,12,03,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (ii) राज्य सहकारी बैंकों को (iii) दूसरों को	138,44,68,000 271,13,87,000 5,49,27,000
(iv) अन्य बैंक	44,71,000		
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		अधिम और निवेश	
		(क) ऋण और अधिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को (ii) राज्य सहकारी बैंकों को (iii) केन्द्रीय भविष्यवाचक बैंकों को (iv) कृषि पुनर्वित निवेश को	62,26,21,000 22,56,79,000 29,70,00,000
(ग) अन्य	83,16,94,000	(ज) केन्द्रीय भविष्यवाचक बैंकों के दिवेश्वरों में निवेश	
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिम	
देव बिल	182,71,30,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अधिम	11,24,73,000
अन्य वेताएँ	431,77,56,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि से ऋण और अधिम प्रब्रत्ति निवेश	28,46,01,000
		(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम (ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिवेंचरों में निवेश	95,27,49,000
		अन्य आस्तियाँ	86,46,07,000
	रुपये 1851,71,03,000		रुपये 1851,71,03,000

*नकदी प्राप्तिधिक जमा और अस्तकालीन प्रतिशूलियाँ शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि में से किए गए निवेश शामिल नहीं है।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि से प्रबल ऋण और अधिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्तकालीन प्रब्रत्ति शामिल हैं।

†रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीदावी बिलों पर अधिम दिये गये 30,61,33,000/रुपये शामिल हैं। फूराष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रबल ऋण और अधिम शामिल नहीं है।

[सं० ग्रा० 1(1)/73-बी० ग्रा०-I]

एम० जगन्नाथन, गवर्नर

च० व० मीरचन्द्रानी, प्रब्रत्ति सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 7th April, 1973

RESERVE BANK OF INDIA

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 30th March, 1973

S. O. 1114—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 30th day of March 1973
ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	18,75,11,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation	5253,44,78,000		(a) Held in India	182,53,11,000	
Total Notes issued		5272,19,89,000	(b) Held outside India
			TOTAL	354,18,49,000	
			Rupee Coin	8,65,96,000	
			Government of India Rupee Securities	4909,35,44,000	
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper
Total Liabilities	5272,19,89,000		Total Assets		5272,19,89,000

Dated the 5th day of April 1973.

S. Jagannathan, Governor.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
1	2	3	4
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	18,75,11,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	4,56,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	209,00,00,000	Small Coin	3,88,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	45,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	1,75,00,00,000	(a) Internal	35,39,71,000
Deposits:—		(b) External	
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	96,92,42,000
(i) Central Government	53,82,56,000	Balances Held Abroad*	204,37,28,000
(ii) State Governments	16,78,80,000	Investments**	502,71,26,000
(b) Banks		Loans and Advances to:—	
(i) Scheduled Commercial Banks	278,57,20,000	(i) Central Government	72,41,69,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	17,29,93,000	(ii) State Governments@	
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,12,03,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	138,44,68,000
(iv) Other Banks	44,71,000	(ii) State Co-operative Banks†	271,13,87,000
(c) Others	85,16,94,000	(iii) Others	5,49,27,000
Bills Payable	182,71,30,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
Other Liabilities	431,77,56,000	(a) Loans and Advances to:—	
Rupees	1651,71,03,000	(i) State Governments	62,26,21,000
		(ii) State Co-operative Banks	22,56,79,000
		(iii) Central Bank Mortgage Banks	29,70,00,000
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	
		Bank Debenture	11,24,73,000
		Loans and Advances from National Agriculture Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	28,46,01,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	95,27,49,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		Other Assets	56,46,07,000
		Rupees	1651,71,03,000

* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 30,61,33,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

[No. F. 1(1) /73-B.O. I]

S. JAGANNATHAN, Governor,
C.W.MIRCHANDANI, Under Secy.

Dated the 5th day of April 1973.

नव्वे दिल्ली, 9 अप्रैल, 1973

का. आ. 1115.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का दसवां) की धारा 53 इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्विवारा घोषणा करती है कि उपर्युक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध, जो वारी दोआष बैंक लिमिटेड, होशियार पुर, पर उसके इवारा पंजाब के होशियारपुर जिला में प्रेमगढ़ नामक स्थान में और फिरोजपुर जिला में कोतवाल नामक स्थान में धारित भू-सम्पत्ति के सम्बन्ध में 15 मार्च, 1974 तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15(7)-बी. आ. 3/73]

द. म. सुकथनकर, निदेशक

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1115.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply till the 15th March, 1974, to the Bari Doab Bank Ltd., Hoshiarpur, in respect of the landed properties held by it at Premgarh, Hoshiarpur Distt., Punjab and at Kotwal, Ferozepur District, Punjab.

[No. 15(7)-B.O. III/73]

D. M. SUKTHANKAR, Director

नव्वे दिल्ली, 13 अप्रैल, 1973

का. आ. 1116.—आईपीयिंग वित्त नियम अधिनियम 1948 (1948 का 15वां) के खण्ड 21 के उप-खण्ड (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय आईपीयिंग वित्त नियम के निदेशक बोर्ड की सिफारिश पर, उक्त नियम इवारा 30 अप्रैल, 1973 को जारी किये जाने याले तथा 30 अप्रैल 1985 को परिवर्त्त होने ताले बांहों पर देय व्याज की दर एतद्विवारा 5 3/4 प्रतिशत (पाँच छ: प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है।

[स. एक. 2(23)-आइ. एक. आइ/73]

एम. के. वेंकटाचलम, रांयुक्त सचिव

New Delhi, the 13th April, 1973

S.O. 1116.—In pursuance of sub-section (2) of Section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 5 3/4 per cent (Five and three Fourth per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation on the 30th April, 1973 and maturing on the 30th April, 1985.

[No. F. 2(23)-IFI/73]

M. K. VENKATACHALAM, Jt. Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नव्वे दिल्ली, 4 अप्रैल, 1973

का. आ. 1117.—केन्द्रीय सरकार भारतीय सिक्का-लार्ड अधिनियम, 1906 (1906 का तीसरा) की धोरा 6 इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्विवारा भारत सरकार, वित्त गंतव्यालय के आर्थिक कार्य विभाग की अधिसूचना से, एक. 1/17/70-कवाइन (1) दिनांक पहली दिसम्बर, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है। अर्थात् :—

उपर्युक्त अधिसूचना की सारणी में “दंदानों की संख्या” शीर्षक के स्तम्भों के अन्तर्गत “150” अंक के स्थान पर “205” अंक रखा जायगा।

यह अधिसूचना राजपत्र गंग प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगी।

[सं. एक. 1/2/71-कवाइन/भाग 1]

एम. एन. मेनन, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 4th April, 1973

S.O. 1117.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Indian Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs No. F. 1/17/70-Coin(i), dated the 1st December, 1971, namely:—

In the said notification, in the table, under the column bearing the heading “No. of serrations”, for the figures “150” the figures “205” shall be substituted.

2. This notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 1/2/71-Coin/Part II]

M. N. MENON, Under Secy.

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1118.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1973.

(2) They shall come in to force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, after rule 37, the following rule shall be inserted, namely:—

“37-A. Payment of lump sum amount to persons on absorption in or under a corporation, company or body.

(1) Where a Government servant referred to in rule 37 elects the alternative of receiving the death-cum-retirement gratuity and a lump sum amount in lieu of pension, he shall be granted:—

(a) on an application made in this behalf, a lump sum amount not exceeding the commuted value of one-third of his pension as may be admissible to him in accordance with the provisions of the Civil Pensions (Commutation) Rules; and

(b) a terminal benefit equal to twice the amount of the lump sum referred to in clause (a), subject to the

condition that the Government servant surrenders his right of drawing two-thirds of his pension:

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where any lump sum amount had been paid at any time between the period commencing on the 24th July, 1971 and ending with the commencement of the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1973, to any Government servant referred to in rule 37 who had elected the alternative of receiving the death-cum-retirement gratuity and a lump sum amount in lieu of pension, such payment shall be deemed to have been made in accordance with this rule, if the requirements of this rule have been satisfied".

[No. 44(1)-E.V./71]

S. S. I MALHOTRA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहतालय

पुना, 11 अगस्त, 1972

केन्द्रीय उत्पादशुल्क

का०ग्रा० 1119.—केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 5 के अधीन अक्षयों का प्रयोग करने हुए में, द० न० लान, समाहता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पुना, एतद्वारा पुना केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहतालय में, निम्न सारणी के कालम 3 में निर्दिष्ट सभी केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारियों को सारणी के कालम 2 में उत्तिष्ठित केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियमों के अधीन, अपने अपने धोकाधिकार में गमाहरी की शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार देता है।

सारणी

क्रम	केन्द्रीय अधिकारियों का संख्या उत्पादशुल्क	दी जाने वाली शक्तियाँ	सीमा यदि कोई हो
1 96V(1)	प्रधीकारक या उपर के सभी अधिकारी	पहले ए०एस०पी० प्रार्थना पत्र को मंजूरी देना	ए०एस०पी०
2 96V(2)	सहायक समाहता और उत्तर के सभी अधिकारी	विहित अवधि से कम अवधि के लिए पहले ए०एस०पी० प्रार्थनापत्र को मंजूरी देना	—
3 96X	उपसमाहता	फिरी ऐसे नियमों के लिए जो विषेष विधाविधि का उपयोग न कर पाया हो, उसकी व्यवस्था करने या नियमों में निर्धारित किती शर्तों पर अमल करने के लिए सब प्रकार की विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करना।	—

[फाइल सं० 5(18 अ) 30-135/टी०सी०/70]

ह०

द० न० लान, समाहता

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE

Poona, the 11th August, 1972

CENTRAL EXCISES

S.O. 1119.—In exercise of the powers vested in me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, D. N. Lal, Collector of Central Excise, Poona, hereby empower all officers of Central Excise in the Poona Central Excise Collectorate specified in col. 3 of the table below to exercise within their respective jurisdiction the powers of Collector under the Central Excise Rules mentioned in col. 2 of the Table.

TABLE

S. No.	C. Ex. Rules	Rank of officers	Nature of power to be delegated	Limitation if any
1	96V(1)	All officers of & above the rank of Superintendent	To accept first ASP Application.	..
2.	96V(2)	All officers of & above the rank of Assistant Collector	To accept first ASP Application for a period less than the prescribed period.	..
3.	96 X	Deputy Collector	To exercise the overall discretionary powers to extend Special procedure to a manufacturer who has failed to avail of it, or to comply with any conditions laid down in the rules.	..

[F. No. V(18A) 30-135/TC/70]

D. N. LAL, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

आवेदन

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1973

का. आ. 1120.—यसः, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधीनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा कर्मा आवश्यक या समीक्षीय है कि सुखाइ हुई माज्ज खुम्खियाँ निर्यात के पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन की जाएँ।

आंतर यसः केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विभिन्न दिव्यावस्था बनाए हैं और उन्हें प्रस्ताव, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 2 के उपनियम (2) द्वारा यथाअपेक्षित, निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है,

अतः, अब, उक्त उपनियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्ताव को उससे संभाव्यतः प्रभावित होने वाली जनसा की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित करती है।

2. एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रस्ताव के गारे में कोई आक्षेप या सुभाव भेजने की बांधा करने वाला कोई व्यक्तित्व उन्हें इस आवेदन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये तीस दिन के भीतर निर्धाति निरीक्षण परिषद् "वर्ल्ड ट्रेड सेंटर" 14/1-बी एजरा स्ट्रीट (सातवीं मैंज़िल), कलकत्ता-1 को भेज सकता।

प्रस्ताव

- (1) यह अधिसूचित करना कि सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ नियति के पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगी।
- (2) इस आवेदन के उपरांध में दिए गये सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ का नियति (निरीक्षण) नियम 1973 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के उस प्रकार के रूप में विनिरीक्षण करना जो ऐसी सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ को नियति से पूर्व लागू किया जायगा;
- (3) सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1972 के अधीन बनाए गए श्रेणी अधियानों को सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ के लिए मानक विनियोजितों के स्तर में मान्यता देना,
- (4) सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ के अन्तर्राष्ट्रीय ब्यापार के अनुक्रम में नियति का सब सक प्रतिवध करना जब तक कि ऐसी सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ के पैकेजों या आधानों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिह्न या सील या लेटल न चिह्नित किया जायगा।

3. इस आवेदन की कोई भी बात सम्बन्ध मार्ग, भूमार्ग या वायुमार्ग द्वारा भविष्यलक्षी अक्षांशों के लिये जाने वाले वीस रूपयों के मूल्य से अधिक की सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ के नमूनों के नियति को लागू नहीं होगी।

4. इस आवेदन में, "सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ" से अभिप्रैत हुई भारत में उत्पादन भारकला एसक्युलेटा, मोरकला और्गस्टीरोप्स और मोरकला कांपिका की वनस्पतिक किस्में।

उपरांध

नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने के लिए प्रस्थानित नियमों का प्रस्तुत है,—

1. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(i) इन नियमों का नाम सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ (निरीक्षण) नियम, 1973 है।
(2) ये को प्रवृत्त होंगे।
2. नियति के पूर्व सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ को निरीक्षण की प्रक्रिया—कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937 तथा सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1972 के उपरांध यावत्-शक्ति सूखाई हुई भोज्य खुम्बियाँ के नियति के पूर्व के निरीक्षण को लागू होंगे।

[सं. 6(5)/72-नि. नि. तथा नि. अभ.]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 21st April, 1973

S.O. 1120.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Dried Edible Mushrooms should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government, has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this order in the Official Gazette, to the Export Inspection Council, "World Trade Centre", 14/1B, Ezra Street, (7th Floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

(1) To notify that Dried Edible Mushrooms shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Dried Edible Mushrooms (Inspection) Rules, 1973, as set out in the Annexure to this order as the type of inspection which will be applied to such Dried Edible Mushrooms prior to export;

(3) To recognise the grade designations formulated under the Dried Edible Mushrooms Grading and Marking Rules, 1972, as the standard specifications for Dried Edible Mushrooms;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of Dried Edible Mushrooms, unless a mark or seal or label recognised by the Central Government has been affixed or applied to packages or containers of such Dried Edible Mushrooms.

3. Nothing in this order shall apply to export by sea, land or air of samples of Dried Edible Mushrooms not exceeding in value of rupees twenty to prospective buyers.

4. In this order, "Dried Edible Mushrooms" mean the botanical varieties of *Morchella esculenta*, *Morchella augusticeps* and *Morchella copica* produced in India.

ANNEXURE

Draft rules proposed to be made under Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Export of Dried Edible Mushrooms (Inspection) Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the.....

2. **Procedure of Inspection of Dried Edible Mushrooms prior to export.**—The provisions of the Agriculture Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937); the General Grading and Marking Rules, 1937; and the Dried Edible Mushrooms Grading and Marking Rules, 1972, shall, so far as may be, apply to the inspection of Dried Mushrooms prior to export.

[No. 6(5)/72-El&EP]

आषाढ़ा

का. आ. 1121.—यतः नियति (क्षालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधीनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सूखाई हर्द्द भौज्य खुम्खियों का श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1972 के नियम 5 के अधीन वर्णित श्रेणी अभिधान चिह्न को सूखाई हर्द्द भौज्य खुम्खियों के बारे में यह व्यापीकृत करने के प्रयोजन के लिए मान्यता देने का प्रस्ताव करती है कि जहां सूखाई हर्द्द भौज्य खुम्खियों से भरे हुए पैकेजें या आधारों पर ऐसे लेबल लगाए गए हों, वहां यह समाझा जाएगा कि ऐसे पैकेजें या आधारों में भरी हर्द्द सूखाई हर्द्द भौज्य खुम्खियों उक्त अधीनियम की धारा 6 के खण्ड (ग) के अधीन उसे लागू होने वाली मानक विनियोगों के अनुसर है ।

उ.ौर दसः केन्द्रीय सरकार ने उपचाक्षित प्रस्ताव नियति (क्षालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 2 के उपनियम (2) द्वारा यथाअपीकृत नियति निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ।

अतः, अब उक्त उपनियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्ताव को उत्तर सम्भाव्यतः प्रभावित होने वाली जनता की जानकारी के लिये एतद्वारा प्रकाशित करती है ।

2. एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रस्ताव के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजने की अंछा करने वाला कोई व्यक्ति उन्हें हस्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से सीस दिन के भीतर नियति निरीक्षण परिषद् “वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर” 14/1-बी एजरा स्ट्रीट (सातवीं मंजिल), कलकत्ता-1 को भेज सकेंगा ।

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना में, “सूखाई हर्द्द भौज्य खुम्खियों” से अभिप्रेत है, भारत में उत्पादित मौरकेसा एसकल्टा, मौरखेला और्गस्टीसीप्स और मौरकेला कोपिका की वनस्पतिक किस्में ।

[सं. 6(5)/72-नि. नि. सभा नि. अभ.]

ORDER

S.O. 1121.—Whereas, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), proposes to recognise the grade designation mark described under rule 5 of the Dried Edible Mushrooms Grading and Marking Rules, 1972, with respect to Dried Edible Mushrooms rooms for the purpose of denoting that where packages or containers containing Dried Edible Mushrooms are affixed with such label, it shall be deemed that the Dried Edible Mushrooms in such packages or containers conform to the standard specifications applicable thereto under clause (c) of section 6 of the said Act;

And whereas the Central Government has forwarded the aforesaid proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposal may forward the same within thirty days of the date of publication of this notification in the official Gazette, to the Export Inspection Council, “World Trade Centre”, 14/1B, Ezra Street, (7th floor), Calcutta-1.

Explanation.—In this notification, “Dried Edible Mushrooms” mean the botanical varieties of *Morchella esculenta*, *Morchella augusticeps* and *Morchella copica* produced in India.

[No. 6(5)/72-EP&EP]

आषाढ़ा

का. आ. 1122.—यतः भारत के नियति व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय को गिरी से सम्बन्धित अधीनियम सं. का. आ. 1022 तारीख 26 मार्च, 1966 में संशोधन करने के लिए कीपय प्रस्ताव नियति (क्षालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम 2 के उपनियम (2) द्वारा यथाअपीकृत भारत सरकार के विवेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1706 तारीख 15 जुलाई, 1972 के अन्तर्गत, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (2) तारीख 15 जुलाई, 1972 में प्रकाशित किए गए थे ।

आंदूर यस: उनरो सम्भाव्यतः प्रभावित होने वाली सभी धरिक्तयों से 13 अगस्त, 1972 तक आक्षेप तथा सुझाव मांगे गए थे ।

आंदूर यतः उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 15 जुलाई, 1972 को उपलब्ध करा दी गयी थीं ।

आंदूर यतः उक्त प्राप्त पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है ।

अतः, अब, नियति (क्षालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधीनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यह राय होने पर कि भारत के नियति व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीक्षीय है, एतद्वारा भारत सरकार भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1022 तारीख 26 मार्च, 1966 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

“श्रेणी अभिधान”
इच्छा 180

प्रति पाँड गिरियां की संख्या
170/180

[सं. 6/11/72-नि. नि. और नि. प्रा.]

ORDER

S.O. 1122.—Whereas for the development of the export trade of India certain proposals for amending the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1022, dated the 26th March, 1966, relating to cashew kernels were published, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 15th July, 1972, under the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 1706 dated the 15th July, 1972;

And whereas objections and suggestions were invited till the 13th August, 1972 from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette was made available to the public on the 15th July, 1972;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government being of the

opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1022, dated the 26th March, 1966, namely:—

In the Annexure to the said notification in Table (A) under the columns "Grade Designation" and "Number of Kernels per lb." before the existing entries the following entries shall respectively be inserted, namely:—

"Grade Designation"	"No. of Kernels per lb."
W 180	170/180

[No. 6(11)/72-EI&EP]

आवृत्ता

का. आ. 1123.—नियाति (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 इवारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार खनिज तथा अयस्क वर्ग 1 के नियाति (निरीक्षण) नियम, 1965 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एस्ट्रक्चारा बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम खनिज तथा अयस्क वर्ग 1 नियाति (निरीक्षण) संशोधन नियम, 1973 है।
2. खनिज तथा अयस्क वर्ग 1 नियाति (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 में उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(3) उपनियम (2) के अंतर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, निरीक्षण अभिकरण नियाति किए जाने वाले खनिजों या अयस्कों के परेशण का निरीक्षण इसके लिए नियाति निरीक्षण परिषद् इवारा समयसमय पर द्विए गए आवेदनों के अनुसार यह देखने के लिये करेगा तिक उक्त खनिज तथा अयस्क नियाति संघिदा में अनुबद्ध विनिर्देशों के अनुरूप है।"

[सं. 6(31)/72-नि.नि. तथा नि.सं.]

ORDER

S.O. 1123.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Minerals and Ores—Group I (Inspection) Rules, 1965, namely:—

1. These rules may be called the Export of Minerals and Ores—Group I (Inspection) Amendment Rules, 1973.
2. In rule 4 of the Export of Minerals and Ores—Group I (Inspection) Rules, 1965, for the sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(3) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (2), the inspection agency shall inspect the consignment of minerals or ores to be exported in accordance with the instructions issued by the Export Inspection Council from time to time in this regard, with a view to seeing that the said minerals or ores conform to the specifications stipulated in the export contract".

[No. 6(31)/72-EI&EP]

आवृत्ता

का. आ. 1124.—नियाति (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 इवारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार खनिज तथा अयस्क वर्ग 2 के नियाति (निरीक्षण) नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एस्ट्रक्चारा बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम खनिज तथा अयस्क वर्ग 2, नियाति (निरीक्षण) संशोधन नियम, 1973 है।

2. खनिज तथा अयस्क वर्ग 2, नियाति (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 में:—

(क) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(3) उपनियम (2) के अंतर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, निरीक्षण अभिकरण नियाति किए जाने वाले खनिजों या अयस्कों के परेशण का निरीक्षण इसके लिए नियाति निरीक्षण परिषद् इवारा समयसमय पर द्विए गए आवेदनों के अनुसार यह देखने के लिए करेगा तिक उक्त खनिज तथा अयस्क नियाति संघिदा में अनुबद्ध विनिर्देशों के अनुरूप है।"

(ख) उपनियम (4) के अंत में निम्नलिखित परांतक जोड़ा जाएगा :—

"एस्ट्रू यह तिक जहां अभिकरण का इतना समाधान नहीं है, यह सात दिनों की उक्त अवधि के भीतर एसा प्रमाणपत्र देने से इंकार कर देगा और कारण सहित एसे इंकार की सूचना नियातिकर्ता को दे देगा।"

[सं. 6(31)/72-नि.नि. तथा नि.सं.]

ORDER

S.O. 1124.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Minerals and Ores—Groups II (Inspection) Rules 1965, namely:—

1. These rules may be called the Export of Minerals and Ores—Group II (Inspection) Amendment Rules, 1973.

2. In Rule 4 of the Export of Minerals and Ores—Group II (Inspection) Rules, 1965,—

(a) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(3) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (2), the inspection agency shall inspect the consignment of minerals or ores to be exported in accordance with the instructions issued by the Export Inspection Council from time to time in this regard, with a view to seeing that the said minerals or ores conform to the specification stipulated in the export contract".

(b) the following proviso shall be added at the end of sub-rule (4):—

"Provided that where the inspection agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with reasons therefor".

[No. 6(31)/72-EI&EP]

आवृत्ता

का. आ. 1125.—यतः भारत के नियाति व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के विवेश व्यापार मंत्रालय की अधिकारी महली के प्रशस्तित पष्ठ भाग से संबंधित अधिसूचना सं. का. आ. 5368, तारीख 7 दिसंबर, 1971 में संशोधन करने के लिए कलिपय प्रस्ताव, नियाति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 2 के उपनियम (2) इवारा यथा अधीक्षत भारत सरकार के विवेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1640, तारीख 8 जूलाई, 1972 के अधीन

भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (2), तारीख 8 जूलाई, 1972, में प्रकाशित किए गए थे;

और यह: उनसे संभाव्यत: प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों गे 6 अगस्त, 1972 तक लाई तथा सम्भाव मांगे गए थे;

और यह: उक्त अजपत्र की प्रतियां जनता को 8 जूलाई, 1972 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और यह: उक्त प्रारूप पर जनता से कोई आशोप तथा सम्भाव प्राप्त नहीं हुआ था;

अतः, अब, निर्यात (क्वारीलटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शीक्षितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्यात निरीक्षण परिषद से परामर्श के पश्चात यह राय होनी पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है, भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 5368, तारीख 7 फ़िसलंबर, 1971 में एक्स्क्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उनत अधिसूचना के ज्ञाबंध में, फिंगा मछली के प्रशीतित पृष्ठ भाग के लिए विनिर्देशाशीर्षक के अंतर्गत अन्तिम स्तंभ की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“प्रशीतन के पूर्व फिंगा मछली के पृष्ठ भाग आप्रत्तिसह आवरण में अलग-अलग लेटे जाएंगे या खंडों में व्यवस्थित होंगे। प्रशीतित उत्पाद यात्रा-योग्य गतों के नालीवार वक्सों या लकड़ी के गाथों या गन्य फिल्ही पात्रों, जैसा कि नियतिकर्ता तथा श्रेता के मध्य तय हुआ हो, में पैक किया जाएगा। प्रशीतित सामग्री-18 छिपी संटीग्रेड या उससे कम तापमान पर रखे गए कमरे में रखी जाएगी।”

[सं. 6/32/72-नि.नि. तथा नि. सं.]

ORDER

S.O. 1125.—Whereas, for the development of the export trade of India certain proposals for amending the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 5368, dated the 7th December, 1971 relating to frozen lobster tails were published, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3 Sub-section (ii), dated the 8th July, 1972, under the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 1640 dated the 8th July, 1972;

And whereas objections and suggestions were invited till the 6th August, 1972, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette was made available to the public on the 8th July, 1972;

And whereas no objections and suggestions were received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 5368, dated the 7th December, 1971, namely:—

In the Annexure to the said notification, under the heading “Specifications for Frozen Lobster Tails”, for the entries under the last column, the following entries shall be substituted, namely :—

“Lobster Tails shall be wrapped individually in moisture-proof film or arranged in blocks before freezing. The frozen product shall be packed in seaworthy corrugated card board boxes or wooden containers or in any other containers as agreed to between the exporter and the buyer. The frozen material shall be stored in a room maintained at or below minus 18 degrees centigrade temperature.”

[No. 6(32)/EI&EP]

आवेदन

का. आ. 1126.—यह: केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (क्वारीलटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शीक्षितयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की पी. बी. सी. लेवर कलात्मक संवंधी अधिसूचना गं. का. आ. 2376, ता. 6 अगस्त, 1966 में भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए निम्नलिखित रीति से संशोधन करना आवश्यक और समीचीन है,

और यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रथोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाये हैं और उन्हें निर्यात (क्वारीलटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) द्वारा यथा अपेक्षित निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है;

अतः अब, उक्त उप-नियम के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को, उससे संभाव्यतः प्रभावित होने वाली जनता की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है।

2. एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति, जो उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षोप या सुभाव भेजना चाहे, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर उसे ‘वर्ल्ड ट्रेड रेटर’, 14/1 बी, इंजरा स्ट्रीट (सातवीं मंजिल) कलकत्ता-1 को भेज सकेगा।

प्रस्ताव

भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना गं. का. आ. 2376, ता. 6 अगस्त, 1966 में—

(1) पैरा 1 में उप-पैरा (3) के पश्चात निम्नलिखित उपपैरा अतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) (क) इस अधिसूचना के उपावन्ध में यथा उपर्याप्त पी. बी. सी. लेवर कलात्मक

(ख) नियाति संविवा विनिर्देशों का, परन्तु ऐसे विनिर्देश, पी. बी. सी. लेवर कलात्मक के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में उक्त उपावन्ध में विद्युत अपेक्षाओं से निम्न स्तर के न हों,

(2) पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा जाएगा, अर्थात् :—

“इस अधिसूचना की कोई भी वात, भावी क्रेता के लिए पा.बी.सी. लेवर कलात्मक के नमूनों के, जिनका पोल-पर्चन्ट-नियाल्क मूल्य 125 रुपए मात्रा से अधिक नहीं हो, समृद्ध, भूमि, या वायु-मार्ग इथारा नियाति पर लागू नहीं होगी।”

(3) पैरा 3 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“3. इस अधिसूचना में ‘पी. वी. सी. लेदर्स्क्लाथ’ से कपास, पटसन, रंथन, नायलोन या किसी अन्य सन्तुक्त रंबना करड़ा अभिप्रेत है, जिस पर पारिलिवनयल क्लोरोड्ड पारिलिमर या विन्यल को पारिलिमर, जिसका मूल्य संघटक पारिलिवनयल क्लोरोड्ड है, की एक परत या तो एक और या दोनों और इस प्रकार से लगाई गई हो कि कॉटिंग, कोट किए हुए वस्त्र के कल भार का कम से कम 40 प्रतिशत हो जाए ।”

(4) पैरा 4 के पश्चात निम्नलिखित उपायमध्य अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“उपायमध्य

(पैरा 1 का उप-पैरा (4) दृष्टिकोण)

पी. वी. सी. लेदर्स्क्लाथ के लिए मानक विनियोग

1. सामग्री और विविधण :—

(1) कॉटिंग (विलेपन):—(क) पी. वी. सी. लेदर्स्क्लाथ, उचित प्रकार से मूलायम किए गए तथा रंजित गारिलिवनयल क्लोरोड्ड या विन्यल को पारिलिमर मिश्रण, जिसका पी. वी. सी. प्रमुख संघटक होगा, के साथ आधारभूत तन्त्रज्ञता के एक या दोनों और एक सा कॉटिंग करके विनियोग किया जाएगा ।

(ख) कॉटिंग मिश्रण का सीमित एसा होना चाहिये जो कि सेवार माल को इच्छित तरलप स्था मजबूती प्रदान करे । इस प्रकार लगाई गई कॉटिंग, कोट किए हुए तन्त्रज्ञता के कल भार का कम से कम 40 प्रतिशत होगी ।

(ग) कॉटिंग अलेपन, पिन-डिक्सों तथा अन्य योग्यक ब्रूटियों से मृक्ष होगी । यह विपरीती तथा दर्गन्धियक नहीं होगी ।

(2) आधारभूत तन्त्रज्ञता :—इस प्रयोजन के लिए प्रयुक्त आधारभूत तन्त्रज्ञता अच्छी ब्वाइलटी, बनावट तथा मजबूती का होगा । यह साफ, स्था बनावट या निर्मण-संबंधी ब्रूटियों से मृक्ष होगा । कॉटिंग के रंग का पक्का रंग हुआ आधारभूत तन्त्रज्ञता प्रयुक्त किया जाएगा ।

(3) रूप सामग्री :—

(1) रंग/कॉटिंग का रंग/आधारभूत तन्त्रज्ञता,

(2) कॉटिंग के डिजायन, तन्त्रज्ञयन या प्रिंट, तथा

(3) सतह की फिनिश,

की बाबत केताओं द्वारा लिखे गए विमर्शों/स्वीकृत नमूनों के सर्वथा अनुरूप होगी ।

(4) व्यायाम :—

पी. वी. सी. लेदर्स्क्लाथ के रोलों/टेबल क्लाथों के आयाम अत्तो द्वारा यथा विनियोग होंगे । किन्तु रोलों की लांगाई/टेबल-क्लाथ की आकार की बाबत संपर्यास-संबंधी विनियोगों पर 上 5 प्रतिशत तक सहज अनुशास्त होगा ।

2. पी. वी. सी. कॉटिंग तथा आधारभूत तन्त्रज्ञता के प्रतिलिपार्क्ष क्षेत्र के भार :—

(1) पी. वी. सी. कॉटिंग :—नियर्ति संविदा में यथा-अनुबद्ध, विनियोग निम्नतम पी. वी. सी. कॉटिंग के भार पर + 15 प्रतिशत तथा — 5 प्रतिशत का सहन अनुशास्त होगा ।

(2) आधारभूत तन्त्रज्ञता :—आधारभूत तन्त्रज्ञता का भार नियर्ति संविदा में अनुबद्ध निम्नतम भार के 5 प्रतिशत से कम नहीं होगा ।

3. शुल्क और आर्वा अपश्वर्ण पर रंग का पक्काधन —

जब पी. वी. सी. लेदर्स्क्लाथ, ऑफिटर का प्रदोग जर्दे (नियर्ति विनियोग परिषद् द्वारा विवित प्रक्रिया के अनुसार) शुल्क और आर्वा अपश्वर्ण पर रंग के पक्काधन के लिए परीक्षा के अधीन हो तो धन्वा पहुँचे का अंसर्क उत्तोषित्रि प्रे स्कैल (संवर्भ वी. एस. 2663) की श्रेणी 4 से अधिक नहीं होगा ।

4. पैकिंग :—

पैकिंग का हंग क्रेता द्वारा यथाविनियोग होगा । पी. वी. सी. लेदर्स्क्लाथ के रोल, मध्य-कोड और सिर्ट के गोल पात्रों जैसे कृत्यानिंग साधनों से प्रबलित होंगे । रोलों से युक्त गट्ठर/बन्डल जलसहृदय सामग्रियों में लपेटे जाएंगे और अच्छी तरह से बंद तथा आकार के बनाए रखने और अन्तर्बस्तुओं के बातावरणीय आवाहतों रो सुरक्षित करने के लिए भजबूत होंगे । टेबल क्लाथों से युक्त पैकेटों को काई बोर्ड, आदि से पर्याप्त रूप से प्रबलित किया जाएगा ताकि भंडार में रखने पर आपत्तिजनक सिक्किन्हों तथा परतों से बचाया जा सके और अन्तिम रूप से पैक करने से पूर्व पैकेटों को जलसहृदय कागज/पारिलिथन, आदि से छका जाएगा ।”

[सं. 6(42)/72-मै. नि. तथा मै. सं.]

ORDER

S.O. 1126.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient to amend the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, No. S.O. 2376, dated the 6th August, 1966 regarding PVC Leather Cloth, in the manner specified below, for the development of the Export Trade of India;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this order in the Official Gazette, to the Export Inspection Council, “World Trade Centre”, 14/1B, Ezra Street, (7th floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

In the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, No. S.O. 2376, dated the 6th August, 1966,—

(1) in paragraph 1, after sub-paragraph (iii), the following sub-paragraph shall be inserted, namely:—

“(iv) recognises—

- (a) the specifications for PVC Leather Cloth as set out in the Annexure to this notification;
- (b) specifications in the export contract, provided that such specifications do not fall below the requirements prescribed in the said Annexure as the standard specifications for PVC Leather Cloth.”;

(2) for paragraph 2, the following paragraph shall be substituted, namely:—

“Nothing in this notification shall apply to the export by sea, land or air of samples of PVC Leather Cloth not exceeding Rs. 125 only in F.O.B. value to the prospective buyer.”;

(3) for paragraph 3, the following paragraph shall be substituted, namely:—

“3. In this notification “PVC Leather Cloth” means cloth made of cotton, jute, rayon, nylon or any other fabric to which a layer of polyvinyl chloride polymer or vinyl copolymer of which polyvinyl chloride is the major constituent, has been applied either on one or on both sides, in a manner that the coating forms at least 40 per cent of the total coated fabric weight.”;

(4) after paragraph 4, the following Annexure shall be inserted, namely:—

“ANNEXURE

[(See sub-paragraph (iv) of paragraph 1)]

Standard Specifications for PVC Leather Cloth

1. Materials and Manufacture.—

- (1) **Coating.**—(a) PVC Leather Cloth shall be manufactured by coating uniformly one or both sides of the basic fabric with suitably plasticized and pigmented polyvinyl chloride or vinyl copolymer compound of which PVC shall be the major constituent.
- (b) The composition of the coating compound shall be such as to impart the finished product the desired appearance and strength. The coating so applied shall form at least 40 per cent of the total coated fabric weight.
- (c) The coating shall be non-blooming, free from pin-holes and other mechanical defects. It shall not be tacky and have disagreeable odour.
- (2) **Basic fabric.**—The basic fabric used for this purpose shall be of good quality, construction and strength. It shall be clean and free from weaving or manufacturing defects. Fast dyed basic fabrics of the same colour as that of the coating shall be used.
- (3) **Appearance.**—The material shall conform strictly to the buyers written down specifications/approved samples, in respect of:
 - (i) Colour/shade of the coating/basic fabric;
 - (ii) Design, grain or print of the coating; and
 - (iii) Surface finish.
- (4) **Dimensions.**—Dimensions of PVC leather cloth rolls/table cloths shall be as specified by the buyer. A tolerance upto 5 per cent, shall however, be permitted on the contractual specifications, in respect of the width of the rolls/size of the table cloth.

2. Weights of PVC Coating and Basic fabric per unit area.—

- (1) **PVC coating.**—A tolerance of + 15 per cent and —5 per cent shall be allowed on the specified minimum PVC coating weight, as stipulated in the export contract.
- (2) **Basic fabric.**—The weight of the basic fabric shall not be less than —5 per cent of the minimum stipulated in the export contract.

3. Colour fastness to Dry and Wet Rubbing.—

The degree of staining shall be not more than rating 4 of the Geometric Grey scale (Ref. BS 2663) when PVC leather cloth is subjected to the test for colour fastness to dry and wet rubbing by using a crockmeter (as per the procedure prescribed by the Export Inspection Council).

4. Packing.—

Mode of packing shall be as specified by the buyer. The rolls of PVC Leather Cloth shall be reinforced with cushioning aids such as Centre-cores and end discs. The packages/bundles containing the rolls shall be wrapped with waterproofing materials and shall be well closed and sturdy enough to retain shape and to protect the contents from environmental hazards. The packets containing table cloths shall be reinforced adequately with card board etc. so as to prevent occurrence of objectionable curls and folds on storage and before final packing the packets shall be covered with waterproof paper/polythene etc.”.

[No. 6(42)/72-EI&EP]

आवृत्ति

का. आ. 1127.—यह: भारत के नियर्ति व्यापार के विकास के लिए नियर्ति से पूर्व करी पाउडर को क्वारिलटी नियंत्रण के अधीन लाने के लिए कठिनपण्य प्रस्ताव, नियर्ति (क्वारिलटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम (2) के उपनियम (2) इवारा यथा अपीक्षित भारत सरकार के विवेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2911, ता. 6 अगस्त, 1971 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (2) ता. 6 अगस्त, 1971 में पृष्ठ 2546-2547 पर प्रकाशित किए गए हैं,

और यह: उन सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभाल्य है, आक्षेप और सुभव 6 सितम्बर, 1971 तक मांगे गए हैं,

और यह: उक्त राजपत्र जनता के 6 अगस्त, 1971 के उपलब्ध करा दिया गया था;

और यह: उक्त प्राप्ति पर जनता से प्राप्त आक्षेप और सुभवों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः अब, नियर्ति (क्वारिलटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियर्ति निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात केन्द्रीय सरकार यह गठ होने पर कि भारत के नियर्ति व्यापार के विकासार्थ ऐसा करना आवश्यक और समाझीन है,

एतद्वारा:—

- (1) यह अधिसूचित करती है कि करी पाउडर नियर्ति से पूर्व क्वारिलटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा,
- (2) करी पाउडर नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1973 के उपबन्धों में दिए गए निरीक्षण के प्रकार के निरीक्षण के उस प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो नियर्ति से पूर्व ऐसे करी पाउडर को लागू किया जाएगा;
- (3) करी पाउडर श्रौणीकरण और विन्हन् नियम, 1956 के अधीन बनाए गये श्रौणी अधिधानों को करी पाउडर के लिए मानक विनिर्दिष्टों के रूप में मान्यता देती है;
- (4) अन्तराष्ट्रीय व्यापार के वौरान करी पाउडर के नियर्ति का तब सक प्रसिद्ध करती है जब तक ऐसे करी पाउडर के पैकटों या आधानों, पर केन्द्रीय सरकार इवारा मान्यता-प्राप्त विन्हन या सील या सेवल विपकाया या लगाया

गया हो और उसके साथ भारत सरकार के विषयन और निरीक्षण निवेशालय के कृषि विषयन सलाहकार द्वारा या इस निर्मित उसके द्वारा प्राधिकृत उक्त निवेशालय के किसी अन्य अधिकारी द्वारा जारी किया गया उसके नियर्ति-योग्य होने के प्रमाण-स्वरूप श्रेणीकरण का प्रमाण-पत्र न हो।

2. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेतारी के लिए शीरा रूपये से अनिश्चित मूल्य के करी पाउडर के नमूनों के सम्बन्धमार्ग, स्थल-मार्ग या वायर-मार्ग द्वारा नियर्ति की लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में करी पाउडर से ऐसा पाउडर अभिप्रेत है जो स्वच्छ, सूखे और बिल्ड्या मसालाँ तथा चटपटी चीजों को, जिनमें स्टार्च और खाने वाला नमक भी मिला हो सकता है, पीस कर प्राप्त होता है, किन्तु इसमें करी का पेस्ट नहीं आता।

4. यह आदेश 21 जून, 1973 को प्रवृत्त होगा।

[स. 60(4)/70-नि. नि. तथा नि. स.]

ORDER

S.O. 1127.—Whereas, for the development of the export trade of India certain proposals for subjecting Curry Powder to Quality Control and inspection prior to export were published, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, at pages 2545-2546 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 6th August, 1971, under the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 2911, dated the 6th August, 1971;

And whereas objections and suggestions were invited till the 6th September, 1971, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 6th August, 1971;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby—

- (1) notifies that Curry Powder shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection as contained in the provisions of the Export of Curry Powder (Inspection) Rules, 1973, as the type of inspection which shall be applied to such Curry Powder prior to export;
- (3) recognises the grade designations formulated under the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, as the standard specifications for Curry Powder;
- (4) prohibits the export in the course of international trade of Curry Powder, unless a mark or seal or label recognised by the Central Government has been affixed or applied to packages or containers of such Curry Powder and is accompanied by a Certificate of Grading issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection, or any other officer of that Directorate, authorised by him in this behalf, in token of its export-worthiness.

2. Nothing in this order shall apply to export by sea, land or air of samples of Curry Powder not exceeding in value of rupees twenty to prospective buyers.

3. In this order, "Curry Powder" means powder obtained by grinding clean, dried and sound spices and condiments which may contain added starch and edible common salt, but does not include curry paste.

4. This order shall come into force on the 21st June, 1973.

[No. 60(4)/70-EI&EP]

का. आ. 1128.—नियर्ति (क्रान्तीलिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कन्द्रिय सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संीक्षण नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का नाम करी पाउडर नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1973 है।

(2) ये 21 जून 1973 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा.—इन नियमों में 'करी पाउडर' से ऐसा पाउडर अभिप्रेत है जो स्वच्छ, सूखे और बिल्ड्या मसालाँ तथा चटपटी चीजों को, जिनमें स्टार्च और खाने वाला नमक भी मिला हो सकता है, पीस कर प्राप्त होती है, किन्तु इसमें करी का पेस्ट नहीं आता।

3. नियर्ति से पूर्व करी पाउडर के निरीक्षण की प्रक्रिया—

(1) कृषि उपज (श्रेणीकरण और विन्हन) अधिनियम, 1937, (1937 का 1), साधारण श्रेणीकरण और विन्हन नियम, 1937 और करी पाउडर श्रेणीकरण और विन्हन नियम, 1956 के उपबंध, नियर्ति से पूर्व करी पाउडर के निरीक्षण कर, यावरशाक्य, लागू होंगे।

(2) यदि ऐसे करी पाउडर के प्रेषण के निरीक्षण पर भारत सरकार के विषयन और निरीक्षण निवेशालय के कृषि विषयन सलाहकार का या उक्त निवेशालय के इस निर्मित उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी का यह समाधान हो 'जाता है' कि वह मानक विनियोगीशाली के अनुरूप है और इन नियमों के अनुसार उस पर लेबल लगाया गया है और पैक किया गया है तो वह उसके नियर्ति-योग्य होने के प्रमाण-स्वरूप श्रेणीकरण का प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

[स. 60(4)/70-नि. नि. तथा नि. स.]

S.O. 1128.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Export of Curry Powder (Inspection) Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the 21st June, 1973.

2. **Definition.**—In these rules "Curry Powder" means powder obtained by grinding clean, dried and sound spices and condiments which may contain added starch and edible common salt, but does not include curry paste.

3. **Procedure of Inspection of Curry Powder prior to export.**—(1) The provisions of the Agricultural Produce (Grading and Marketing) Act, 1937 (1 of 1937), the General Grading and Marking Rules, 1937, and the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, shall, so far as may be, apply to the inspection of Curry Powder prior to export.

(2) If on inspection of the consignment of such Curry Powder, the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection or any other officer of that Directorate, authorised by him in this behalf, is satisfied that the same complies with the standard specifications and has been labelled and packed according to these rules, he shall issue a Certificate of Grading in token of its export-worthiness.

[No. 60(4)/70-EI&EP]

का. आ. 1129.—नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के विषयान और निरीक्षण निवेशालय के कृषि विषयान सलाहकार को नियर्ति से पूर्व करी पाउडर के निरीक्षण के लिए अधिकरण के रूप में, एवं इद्वारा मान्यता देती है।

परिभाषा—इस अधिसूचना में, 'करी पाउडर' से ऐसा पाउडर अधिग्रेत्र है जो स्वच्छ, सूखे और बीड़िया मसालों तथा चटपटी चीजों को, जिनमें स्टार्च और खाने वाला नमक भी मिला हो सकता है, पीस कर प्राप्त होती है, किन्तु इसमें करी का पेस्ट नहीं आता।

[सं. 60(4)70-नि. नि. तथा नि. भ.]

S.O. 1129.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection, as an agency for the inspection of Curry Powder prior to export.

Explanation—In this notification, "Curry Powder" means Powder obtained by grinding clean, dried and sound spices and condiments which may contain added starch and edible common salt, but does not include curry paste.

[No. 60(4)/70-EI & EP]

का. आ. 1130.—यतः नियर्ति के प्रयोजनार्थ करी पाउडर के श्रेणी चिन्ह को मान्यता देने के लिए एक प्रस्ताव नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) इवारा यथा अपर्यक्षत भारत सरकार के विवेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2912, ता. 6 अगस्त, 1971 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (2), तारीख 6 अगस्त, 1971 से पृष्ठ 2548 पर प्रकाशित किया गया था,

ओर यतः उम सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है आक्षेप और सुभाव 6 सितम्बर, 1971 सक. मांगे गए थे,

ओर यतः उक्त राजपत्र जनता को 6 अगस्त, 1971 को उपलब्ध करा दिया गया था;

ओर यतः उक्त प्रस्ताव पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुभावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः अब नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नियर्ति निरीक्षण परिषद् की सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात् करी पाउडर श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1956 के नियम 5 के अधीन वर्णित श्रेणी अधिवान चिन्ह को, एसड़िवारा करी पाउडर के बारे में घोषित करने के प्रयोजन के लिए मान्यता देती है कि जहां करी पाउडर से भरे पैकेटों या आधानों पर भरा करी पाउडर, उक्त अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (ग) के अधीन उसे लागू मानक विनियोगों के अनुरूप है।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना में "करी पाउडर" से ऐसा पाउडर अधिग्रेत्र है जो स्वच्छ, सूखे और बीड़िया मसालों तथा चटपटी चीजों को, जिनमें स्टार्च और खाने वाला नमक भी मिला हो सकता है, पीस कर प्राप्त होता है, किन्तु इसमें करी का पेस्ट नहीं आता।

[सं. 60(4)70-नि. नि. तथा नि. भ.]

एम. के. बी. भट्टनागर, अवर सचिव

S.O. 1130.—Whereas a proposal to recognise the grade designation mark of the Curry Powder for purpose of export was published, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, at pages 2547 and 2548 of the Gazette of India, Extraordinary,

Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 6th August, 1971, under the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 2912, dated the 6th August, 1971;

And whereas objections and suggestions were invited till the 6th September, 1971, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 6th August, 1971;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said proposal have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after considering the recommendations of the Export Inspection Council, hereby recognises the grade designation mark described under rule 5 of the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, with respect to Curry Powder for the purpose of denoting that where packages or containers containing Curry Powder are affixed with the prescribed mark or seals or labels, the Curry Powder in such packages or containers conform to the standard specifications applicable thereto under clause (c) of section 6 of the said Act.

Explanation—In this notification "Curry Powder" means powder obtained by grinding clean, dried and sound spices and condiments which may contain added starch and edible common salt, but does not include curry paste.

[No. 60(4)/70-EI & EP]

M. K. B. BHATNAGAR, Under Secy.

(भूष्य नियंत्रक, आधात-नियर्ति का कार्यालय)

आवेदन

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1973

का. आ. 1131.—सर्वश्री उर्वरक कारपोरेशन, भारत लि. सिन्डी को 30,00,000 रुपये (छत्तीस लाख रुपये मात्र) के लिए आयात लाइसेंस सं. आई/ए/1044179/सी/एक्स/38/एच/31-32 विनांक 6-3-71 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा की विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति स्तरीय विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति स्तरीय विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति को सीमा शुल्क प्राधिकारी, कलकत्ता में पंजीकृत कराया गया था तथा उसका आंशिक उपयोग किया गया था। इसका उपयोग लगभग 24,00,000 रु. सक किया गया था और उस पर उपलब्ध धन राशि 12,00,000 रु. शेष थी।

2. इस तर्फ के समर्थन में आवेदक ने शास्त्र आद्यक्त, दिल्ली के एक प्रमाण-पत्र के साथ एक शास्त्र-पत्र दाखिल किया है। मैं तदनुसार, रांगड़ हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति स्तरीय है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण), आदेश, 1855 की उप-धारा 9(सी सी) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री उर्वरक कारपोरेशन, भारत लि., सिन्डी को जारी किए गए लाइसेंस सं. आई/ए/1044179/सी/एक्स/38/एच/31-32, विनांक 6-3-71 की उक्त मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति को एसड़िवारा रद्द किया जाता है।

3. लाइसेंसधारी को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं. सौंदर्य/फर./13/70-71/गी इन एस ए]

रान्दुल सिंह, उप मूल्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1973

S.O. 1131.—M/s. Fertilizer Corporation of India Ltd., Sindri, were granted an import licence No. 1[A]1044179[C]XX[38][H]31.32 dated 6-3-1971 for Rs. 36,00,000 (Rupees thirty-six lakhs only). They have applied for the issue of a duplicate Exchange Control Purposes copy of the said licence on the ground that the original Exchange Control Purposes copy has been lost. It is further stated that the original Exchange Control Purposes copy was registered with the Customs authorities at CALCUTTA utilised partly. It was utilised for Rs. 24,00,000/- approximately and the balance available on it was Rs. 12,00,000/-.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit alongwith a certificate from the Oath Commissioner, Delhi. I am accordingly satisfied that the original Exchange Control Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Exchange Control Purposes copy of licence No. 1[A]1044179[C]XX[38][H]31.32 dated 6-3-71 issued to M/s. Fertilizer Corporation of India Ltd., Sindri, is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. Cent /Fert /13/70-71/PLSA]
SARDUL SINGH, Dy. Chief Controller

प्रौद्योगिक विकास तथा वित्तीय औद्योगिकी मंत्रालय

नई दिल्ली, ३ अप्रैल, १९७३

भारतीय मानक संस्था

का० ग्रा० 1132.—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3 उप-खण्ड 2 दिनांक 11 फरवरी 1967 में प्रकाशित तत्कालीन उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) ग्रधिसूचना संख्या एस० ग्रा० 466 दिनांक 27 जनवरी 1967 के अधिकारीक संभोधन के तिमित भारतीय मानक संस्था द्वारा ग्रधिसूचित किया जाता है कि बीटा-भाक्सी-नैफ्थोइक अम्ल (बॉन अम्ल) की मुहर लगाने की फीस में परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तित फोस जिमका विवरण अनुसूची में दिया गया है। 1 अक्टूबर 1972 से लागू हो जाएगी:—

अनुसूची

क्रम	उत्पाद की श्रेणी/वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या और इकाई	प्रति इकाई महरांकन फीस
संख्या		श्रेणीक	
1. बीटा-भाक्सी-नैफ्थोइक अम्ल (बॉन अम्ल)	IS:3242-1965 बीटा-भाक्सी नैफ्थोइक एक कि ग्रा० अम्ल (बॉन अम्ल) की विशिष्ट	(i) 50000 इकाईयों के लिए 2 पैसे (ii) 1 पैसे इकाईयों के लिए 1 पैसा प्रति इकाई	प्रति 50000 इकाईयों के लिए 2 पैसे प्रति इकाई।

[स० सी० एम० डी०/13 10]

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE TECHNOLOGY

New Delhi, the 6th April, 1973

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

S. O. 1132.—In partial modification of the then Ministry of Industry (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 466 dated 27 January 1967, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 11 February, 1967, the Indian Standard Institution hereby notifies that the marking fee per unit for B-oxynaphthoic acid (bon acid) has been revised. The revised rate of marking fee details of which are given in the Schedule hereto annexed shall come into force with effect from 1 October 1972.

THE SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product No.	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit
1. B-Oxynaphthoic acid (bon acid)	IS: 3242-1965 Specification for B-oxynaphthoic acid (bon acid)	One kg	(i) 2 Paise per unit for the 1st 50000 units and (ii) 1 Paise per unit for the remaining units

[No.CMD/13/10]

नई दिल्ली, ९ अप्रैल, १९७३

का० ग्रा० 1133:—समय-समय पर संभोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहू) विनियम 1955 के उपविनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा ग्रधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस भेंट्या सी० एम०/एल० 2976 जिमके अंदर नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंस को जारी रखने में कर्म की रचि न होने के कारण 16 फरवरी, 1973 से रद्द कर दिया गया है।—

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तस्वीरी भारतीय मानक
1.	सी० एम०/एल०-2976, 15-3-1972	मेसर्स बजरंगबली स्टील कॉ० प्रा० लि०, सरकना इस्पात (माधारण आई० एम०: 1977-1969 संखना हीजोगुड़ी ए० टी० रोड, तिनमुखिया, किस्म) जिमा डिवर्क्षन (भ्रम) इनका कार्यालय मनकोटा रोड, डिवर्क्षन (भ्रम) में है।	हीजोगुड़ी ए० टी० रोड, तिनमुखिया, किस्म)	इस्पात की विशिष्ट (साधारण किस्म) (पह० पुम०)

[स० सी० एम० डी०/55 2976]

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1133.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-2976, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 16 February 1973, since the firm is no longer interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1.	CM/L-2976 15-3-1972	M/s Bajrangbali Steel Co. (Pvt.) Ltd., Hijiguri, A.T. Road, Tinsukia, Distt. Dibrugarh (Assam) having their Office at Mancotta Road, Dibrugarh (Assam)	Structural Steel (Ordinary Quality)	IS : 1977-1969 Specification for Structural Steel (Ordinary Quality) (First Revision)

[CMD/55:2976]

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1973

का० आ० 1134.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक सत्या (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 155 के विनियम 14 के उपनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक सत्या द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस स० सी० एम०/एल० 2958 जिसके बारे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 16 दिसंबर, 1972 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि फर्म लाइसेंस चाहती थी :-

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या तथा तिथि	लाइसेंस धारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तस्वीरधी भारतीय मानक
1.	स० सी० एम०/एल० 2958, 9-3-1972	मैमर्स राजेश इडस्ट्रीज, श्री लक्ष्मी इडस्ट्रीजल इस्टेट, शेष स० 2/3, स्टेशन रोड, भयनडार, जिला थाना, (महाराष्ट्र राज्य)	पिटवा एल्युमिनियम के प्राई० एस० : 21-1959 बर्तनो के बर्तन : एम० लिए पिटवा एल्युमिनियम आई० स०, एस० आई० और एल्युमिनियम मिश्र धातु भी० और एन० एस० की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	[स० सी० एम० डी०/55:2958]

New Delhi, the 10th April, 1973

S.O. 1134.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-2958, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 16 December 1972, since the firm is no longer interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name and address of the Licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1.	CM/L-2958 9-3-1972	M/s Rajesh Industries, Shree Laxmi Industrial Estate, Shed No. 2-3, Station Road, Bhayandar, Distt. Thana (Maharashtra State)	Wrought aluminium utensils, Grades : SIC, SIB and NS 3	IS : 21-1959 Specification for Wrought Aluminium and Aluminium Alloy for Utensils (Second Revision)

[No. CMD/55:2928]

का० आ० 1135.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक सत्या (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक सत्या द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या स० सी० एम०/एल० 3293 जिसके बारे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फैब्रिरी बन्द हो जाने के कारण 16 मार्च, 1973 से रद्द कर दिया गया है :-

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस की संख्या और तिथि	लाइसेंस धारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तस्वीरधी भारतीय मानक
1	स० सी० एम०/एल० 3293, 9-1-73	मैसर्स वकन सेपटी ब्लास वर्क्स प्रा० लि०, बचाव काच प्रतीपेट, प्रम्भाल्लूर, मद्रास-58	प्रा० लि०, बचाव काच प्रतीपेट, प्रम्भाल्लूर, मद्रास-58	आई० एस० 2553-1971

[स० सी० एम० डी०/55: 3293]

ए० बी० राध निदेशक (सेक्टर मार्क्स)

S.O. 1135.—In pursuance of sub regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-3293, particulars of which are given in the schedule hereto annexed, has been cancelled with effect from 16 March 1973 due to closure of their Factory.

SCHEDULE

Licence No. and Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
CM/L-3293 9-1-73	M/s Deccan Safety Glass Works (P) Ltd., Athipet, Ambattur, Madras-58	Safety Glass	IS : 2553-1971

[CMD/55:3293]

A.B. RAO, Director (Central Marks)

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1973

का. आ. 1136.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय के 3 जून, 1966 की अधिनियम सं. 18-13/66-स्म पी.टी. द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निवेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए विमनस मैडिकल कालेज आव पैनीसल्वानिया, रिफ्लॉडेलिया, संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा प्रदत्त एम.डी. हाक्टर और मैडीसिन मान्य चिकित्सा अर्हता होगी।

और यतः डा. सिस्टर मेरी लिगुरी कॅटलिन को जिनके पास उक्त अर्हता है, धर्माधिकार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल मर्सी हॉस्पिटल, जमशेदपुर के साथ सम्बद्ध है।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तु के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतत् इवारा—

(1) 8 दिसंबर, 1972 से आगामी दो वर्षों के लिए

अधिकारी

(2) उस अधिकारी को जब तक डा. सिस्टर मेरी लिगुरी कॅटलिन मर्सी हॉस्पिटल, जमशेदपुर के साथ सम्बद्ध रहते हैं जो भी कम हो वह अधिकारी विनियोगित करती है, जिसमें पूर्वानु डा. मैडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं. वी. 11016/33/72-स्म. पी.टी.]

के. सत्य नारायण, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 30th March, 1973

S.O. 1136.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. 18-13/66-MPT, dated the 3rd June, 1966, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. (Doctor of Medicine) granted by the Women's Medical College of Pennsylvania, Philadelphia, Pennsylvania, United States of America, shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Sister Mary Ligueri Cantlin, who possesses the said qualification, is for the time being attached to the Mercy Hospital, Jamshedpur, for the purposes of charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies;

(i) a further period of two years with effect from the 8th December, 1972, or

(ii) the period during which Dr. Sister Mary Ligueri Cantlin is attached to the said Mercy Hospital, Jamshedpur;

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/33/72-MPT]

K. SATYANARAYANA, Dy. Secy.

पर्षटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1973

का. आ. 1137.—यतः 9 अप्रैल, 1973 को रोहतास इंडस्ट्रीज का चार सीटों एवं एक हूँजन थाला बोनांजा विमान वी.टी-सी.एस.ओ. पटना विमानक्षेत्र के बाहर नियंत्रण दावर के लगभग एक किलोमीटर दूरीक्षण में वृद्धिनाग्रस्त हो गया जिसके परिणामस्वरूप तीन यात्रियाँ तथा विमानचालक की मृत्यु हो गयी।

और यतः केन्द्रीय सरकार अनुभव करती है कि उक्त वृद्धिनाग्रस्त की एक जांच समिति द्वारा जांच करना चाहनीय है।

यतः अब, वायुयान नियम, 1937 के नियम 74 द्वारा प्रवृत्त शायकियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त वृद्धिनाग्रस्त की जांच करने के लिए एक जांच समिति नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति समिलित होंगे, अथवा—

1. श्री आर. एन. काट्ज, नागर विमानन के सेवानीनवृत्त महानिदेशक—अध्यक्ष।

2. कौप्टेन ही. के. मालवीय, उप निदेशन, दिल्ली विमानक्षेत्र, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकारी—सदस्य।

[फाइल सं. ए. वी-15013/15/73-ए.]

सरन्न नाथ कौल, उप सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th April, 1973

S.O. 1137.—Whereas a four seater single engined Bonanza aircraft VT-CXO belonging to Rohtus Industries crashed on the 9th April, 1973 approximately one kilometre south of the Control Tower outside the airport at Patna, resulting in the death of 3 passengers and the pilot;

And Whereas, it appears necessary to the Central Government that it is expedient to hold an inquiry into the said accident by a Committee of Inquiry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 74 of the Air craft Rules, 1937, the Central Government hereby appoints a Committee of Inquiry composed of the following persons to hold an inquiry into the said accident, namely:—

(1) Shri R. N. Kathju,
Retd. Director General of Civil Aviation—Chairman.

(2) Capt. D. K. Malaviya,
Deputy Director, Delhi Airport,
International Airports Authority of India—Member.

[F. No. Av. 15013/15/73-ए]

S. N. KAUL, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1973

का. आ. 1138.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 गार्व, 1960 इवारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने चांघाट गर्लवयर टैलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-5-73 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5-15/73-पी. एस. वी. (9)]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 5th April, 1973

S.O. 1138.—In pursuance of Para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-5-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in CHOWGHAT GURUVAYUR Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No. 5-15/73-PHB (9)]

का. आ. 1139.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 3 गार्च, 1960 इवारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने जेतपुर टैलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-5-73 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5-23/73-पी. एव. बी. (6)]

S.O. 1139.—In pursuance of Para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-5-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in JETPUR Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-23/73-PHB (6)]

का. आ. 1140.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 इवारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कसारगोड टैलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-5-73 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5-15/73-पी. एव. बी. (8)]

S.O. 1140.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-5-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in KASARGODE Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No. 5-15/73-PHB (8)]

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1973

का. आ. 1141.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 इवारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 424 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पुरी टैलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-5-73 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-14/73-पी. एव. बी. (12)]

New Delhi, the 16th April, 1973

S.O. 1141.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-5-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Puri Telephone Exchange, Orissa Circle.

[No. 5-14/73-PHB(12)]

का. आ. 1142.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 3 मार्च, 1960 इवारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने गोडल टैलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-5-73 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-23/73-पी. एव. बी. (9)]

ए. प्स. वोहरा, सहायक महानिदेशक

S.O. 1142.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-5-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Gondal Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-23/73-PHB(9)]

A. S. VOHRA, Assistant Director General

भ्रम और पुनर्वास मन्त्रालय
(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1973

का. आ. 1143.—यह: केन्द्रीय गरकार की राय है कि इसारे उपायदृष्ट अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में लोयाबाद कौलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

आरे यह: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायीनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करना चांचनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शरीकतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इतका विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित शांद्योगिक अधिकारण, धनबाद-2 को न्यायीनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

“क्या लोयाबाद कौलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र की, श्री सभास सरकार को 12 जनवरी, 1972 से और सरवर्षी लोरीक महतो और परेश धोसाल को 1 जून, 1972 से प्रोफ मजदूर का काम न देने की कार्रवाई न्यायीचित है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुत्तर के हकदार हैं?”

[सं. एल/2012/145/72-एल. आर-2]

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
(Department of Labour and Employment)

ORDER

New Delhi, 22nd March, 1973

S.O. 1143.—WHEREAS the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Loyabadi Colliery, Post Office Bansiura, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Dhanbad-II, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Loyabad Colliery Post Office Bansjora, District Dhanbad, in not providing with job of Prof Mazdoor to Shri Subhas Sarkar with effect from the 12th January, 1972 and to Sarvashri Lorik Mahato and Paresh Ghosal, with effect from the 1st June, 1972, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

[No. L-2012/145/72-LR-II]

आवेदन

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1973

का० धा० 1144.—यतः भारत खाद्य निगम से सम्बद्ध नियोजकों प्रौढ़ उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व भारत खाद्य निगम श्रमिक संघ, कलकरता करता है, एक श्रीद्वयिक विवाद विद्यमान है;

और यतः उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने श्रीद्वयिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करते का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब, अधिनियम, की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबंधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को, जो उसे 23 मार्च, 1973 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

(करार)

(श्रीद्वयिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

के बीच

1. नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले 1. श्रीवीय प्रबंधक, भारत खाद्य निगम, पटना।
कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने संयुक्त सचिव, भारत खाद्य निगम, पटना।

कर्मकारों के बीच निम्नलिखित श्रीद्वयिक विवाद की माननीय श्री न्यायाधीश के० के० मिला, पी० 476, कृष्णपुर को-आपरेटिव कालोनी, कलकत्ता-28 के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का एतद्वारा करार किया गया है।

1. विनिविष्ट विवादप्रस्त विषयः 1. (क) एक बोझ उठाने वाले मजदूर/गेंग और मुंशियों और सहायक मजदूर का, गथा, मोकामेह और जमशेवपुर में पी० एस० भंडारों में आठ चंटों की एक पारी में कार्य-भार क्या होना चाहिए।

(ख) सरकारों, मुंशियों, मोकामों और भार उठाने वाले मजदूरों की क्या प्रोत्साहन योजना होनी चाहिए।

2 (क) बिहार ईपो में विभागीय कुन श्रमिकों की मजदूरी की संरचना का क्या होना चाहिए।

(ख) एक महीने में फाल-बैंक मजदूरी तथा उजरसी-दर पर बोझ उठाने वाले मजदूरों, अर्थात् मजदूरों, मोकामों वेमन और गेंग मरदारों और मुंशियों के संबंध में हकदारी की शर्तें।

(3) पूर्वोक्त श्रमिकों के लिए अनुसंधी लाभ क्या होने चाहिए।

(4) पूर्वोक्त भंडारों में कार्यभार एवं ग्रौसत परिवालन संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भार उठाने वाले मजदूरों की संख्या क्या होनी चाहिए।

2 विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्भूत ल्यापन का भारत खाद्य निगम, पटना। उपक्रम का नाम और पता भी राखियें।

3 कर्मकार का नाम यदि वह स्वयं विवाद में अंतर्भूत हो या संघ का नाम यदि कोई संघ प्रणगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो।

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या 640

5. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या 640

मध्यस्थ अपना पचाट मामले को अपने हाथ में लेने की तारीख से लें: मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बदाया जाय, देगा यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो मध्यस्थम के लिए निवेश रह हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले

बी० के० सिंह

श्रीवीय प्रबंधक, भारत खाद्य निगम, पटना।

श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले जी० एस० जेना, संयुक्त सचिव, भारत खाद्य निगम श्रमिक संघ, कलकत्ता-23।

साक्षीः

1. अपाद्य।

2. ए० एम० बसु (श्रमिक)।

[संख्या एल-420/3/1/73-एल० आर०-3]

करतल सिंह, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1973

S.O. 1144.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to Food Corporation of India, and its workmen represented by Food Corporation of India Workers' Union, Calcutta;

And, whereas the said employers and workmen have, by a written agreement, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration by the person specified therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now therefore, in pursuance of sub-section(3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 23rd March, 1973.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act 1947)

BETWEEN

1. Representing Employer The Regional Manager,
Food Corporation of India,
Patna.

2. Representing Workmen The Joint Secretary,
Food Corporation of India
Workers' Union, 58, Diamond
Harbour Road, Calcutta-23.

It is hereby agreed between the parties to refer the following Industrial Disputes to the arbitration of Hon'ble Mr. Justice K. K. Mitra, P, 476 Krishnapur Co-operative Colony, Calcutta-28

1. Specific matter in dispute 1. (a) What should be the workload of an individual handling mazdoors/gang & Munshies and Ancillary Mazdoor/in a shift of eight hours at the P.S. Depots, Gaya, Mokameh and Jamshedpur.
(b) What should be the incentive scheme of Sardars, Munshies, Mandals and Handling Mazdoors.

2. (a) What should be the Wage Structure of departmentalised workers in Bihar Depot.
(b) Fall-back wages in a month and the conditions for entitlement in respect of piece-rated handling Mazdoors viz. Mazdoors, Mondals/Weighman and Gang Sardars, and Munshies.
(3) What should be the fringe benefits of the aforesaid workers.
(4) What should be the strength of the handling Mazdoors at the aforesaid depots having regard to the workload and the average operational requirement there.

2. Details of the parties to the dispute including the name and the address of the establishment or undertaking involved. Shri B. K. Singh, Regional Manager, Food Corporation of India, Patna.

3. Name of the workmen in Shri G. S. Jena, Joint Secretary, case he himself is involved Food Corporation of India in the dispute or the name Workers' Union 58, Diamond Harbour Road, of the Union. If any representing the workmen Calcutta-23.

4. Total number of workmen 640 employed in the undertaking affected.

5. Estimated number of 640 workmen affected or likely to be affected by the dispute.

The Arbitrator shall make his award within a period of six months from the date when he takes up the reference or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to Arbitration shall stand cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Signature of the parties

Representing Employer B. K. SINGH
Regional Manager, FCI, Patna.

Representing Workmen G. S. JENA, Joint Secy
Food Corporation of India Workers' Union, Calcutta-23

Witness:

1. Illegible.
2. A. M. Basu (Labour).

[No. L. 42013/1/73/LR-III]

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1145.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Industry/West Ena Colliery belonging to Messrs. East Industry Colliery Company (Private) Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th April, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 20 of 1972

Parties :

Employers in relation to Industry/West Ena Colliery of M/s. East Industry Colliery Co. (P) Ltd., P. C. Dhansar, (Dhanbad).

AND

Their Workmen.

Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.), Presiding Officer.

Appearances :

For the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.
For the Bharat Coking Coal Limited :

Shri S. S. Mukherjee, Advocate with Shri J. N. P. Sahi, Labour & Law Adviser.

For the Workmen—Shri B. N. Singh, Advocate.

State : Bihar

Industry : Coal

Dhanbad, the 28th March, 1973

AWARD

The present reference arises out of Order No. L/2012/28/71-LRII, dated, New Delhi, the 15th June, 1972 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows:—

“Whether the action of the management of Industry/West Ena Colliery belonging to East Industry Colliery Company (Private) Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad, in not paying wages to Shale Pickers in accordance with the recommendations of the Wage Board for Coal Mining Industry is justified? If not, to what relief are the workmen entitled and from which date?”

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement, dated 26th March, 1973 has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the Memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D. D. SETH, Presiding Officer

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. I) AT DHANBAD.

Reference No. 20 of 1972

Parties :

Employers in relation to Industry/West Ena Colliery

AND

Their Workman.

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

All the parties in the present proceedings have amicably settled the dispute involved in the present Reference on the terms hereinafter stated :—

- (1) That the Shale-Pickers (the workmen concerned in the present Reference) have already been properly categorised and placed in Category-I of the Recommendations of the Central Wage Board (Coal Mining Industry) and they are being paid their wages and variable dearness allowance accordingly.
- (2) That the Shale-Pickers (amongst the workmen concerned in the present Reference) whose names are enlisted in Annexure-A to this Memorandum of Settlement, shall be treated as permanent employees and be given regular work accordingly.
- (3) That all the workmen concerned in the present Reference shall have no claim for any back wages etc.
- (4) That the management of the aforesaid colliery will pay a sum of Rs. 100 (Rupees one hundred only) to the Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sangh as cost of the proceedings.
- (5) The above terms finally resolve the dispute between the parties, and, therefore, there is no subsisting dispute for adjudication in the present Reference.

It is, therefore, prayed that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this Settlement and to give its Award in terms thereof.

ANNEXURE 'A'

(Ref. Memo of Settlement in Reference No. 20 of 1972 filed before the Tribunal No. 1 (Dhanbad) vide Term 2 thereof)

Name of Shale Pickers to be treated as permanent employees

1. Arun Bawri
2. Badal Roy
3. Basiran Kamin
4. Ch. Bimala Kamin
5. Biren Thakur
6. Bundo Thakur
7. Champa Kamin
8. Dhanukdhar Ram
9. Damayanti Kamin
10. D. K. Gupta
11. Harihar Dusadh
12. Hazra Kamin
13. Jasodawa Kamin
14. B. Jainab Kamin
15. Keshari Kamin
16. Kabutari Kamin
17. B. Kosalya Kamin
18. Kusuma Kamin
19. Mangaru Singh
20. Muslim Mia
21. Mohan Rajak
22. Moti Mallik
23. Muneswar Bhuiyan
24. Mamun Kamin
25. Majidan Kamin
26. Mustafa Mia
27. Nagina Paswan
28. Nanki Kamin
29. Panchu Bhuiyan
30. Piyaria Kamin
31. B. Punia Kamin
32. Ram Janam Pandit
33. Rabi Mia
34. Rabia Kamin
35. Ram Sarup Thakur
36. Sagan Sao.
37. Sukhdeo Sao
38. Saudagar Pasi
39. Sogra Kamin
40. Sakina Kamin
41. Ch. Shanti Kamin
42. Sidheswar Paswan
43. Fulhasia Kamin
44. Ch. Jainab Kamin
45. Kishori Prasad
46. Khairun Kamin
47. Ch. Nur Jahan Kamin
48. B. Nur Jahan Kamin
49. Narain Sao
50. Ratan Mali
51. B. Shati Kamin
52. Sabra Kamin
53. Dani Kamin
54. B. Jagdish Bhuiyan
55. Ch. Jamila Kamin
56. Jubada Kamin
57. Samina Kamin

58. Augura Kamin
 59. B. Jamila Kamin
 60. Kandoni Kamin
 61. Lukhi Kamin
 62. Baleswar Paswan
 63. Basanti Kamin
 64. Suran Bhuiyan
 65. Akim Mali
 66. Kali Prasad Bawri
 67. Kameswar Bawani
 68. Pasu Pati Beldar
 69. Saro Kamin
 70. Sairun Kamin
 71. Tiloka Kamin
 72. Kusum Kamin

For the Employers:
 Sd/- Illegible

For the Workman:
 Lala B. P. Sinha.

Manager
 Industry/West Ena Colliery

Organising Secretary
 Colliery Mazdoor Sangh

For Bharat Coking Coal Limited:

J. N. P. SAHI
 Labour & Law Adviser
 Bharat Coking Coal Ltd.

[No. L/2012/28/71-LRII]

Dated the 26th March, 1973

S.O. 1146.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Digwadih Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th April, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 6 of 1972

Parties :

Employers in relation to the management of Digwadih Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad.

AND
 Their Workmen

Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.), Presiding Officer.

Appearances :

For the Employers:—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen:—Shri S. Das Gupta, Advocate.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dhanbad, the 27th March, 1973

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 and arises out of order No. L/2012/211/71-LRII, dated New Delhi, the 4-3-1972, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject

matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and runs as follows:

"Whether the dismissal of Shri Ahmad Khan, Watchman of the Digwadih Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, Jamadoba, by the said management with effect from the 24th November, 1970, is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The reference made by the Central Government was received in the office of the Tribunal on 8-3-1972 and was registered as reference no. 6 of 1972. Usual notices were issued to the parties.

3. On 4-4-1972 a written statement by the workmen was received in the office and was placed on the record. On 11-4-1972 a written statement on behalf of the Digwadih Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, the management, was received and was placed on the record. On 25-9-1972 a rejoinder on behalf of the management refuting the statements made in the written statement of the workman was received and was placed on the record.

4. On 27-9-1972, twelve items of documents were filed by the management. On 25-10-1972 two items of documents along with a list was filed on behalf of the workmen. On 23-1-1973 Shri Das Gupta appearing for the workmen admitted six items of documents out of the twelve items filed by the management. The admitted documents were marked Exts. M1 to M6. On 15-2-1973 Shri S. Das Gupta further admitted three more items of documents filed by the management, they were marked Exts. M7 to M9. On the same day Shri S. S. Mukherjee, appearing for the management, admitted two items of documents filed by the management and they were marked Exts. W1 and W2.

5. The case of the management, as contained in its written statement, is that Shri Ahmad Khan the concerned workman was working as watchman in the colliery on 29-9-1970 and while on duty he abused and assaulted one Smt. Kishni Kamin at about 7 A.M. that day near the payment counter while Kishni Kamin also was on duty. For this act of misconduct Shri Ahmad Khan was issued a chargesheet dated 30-9-1-10-1970. This chargesheet is marked Ext. M1. Shri Ahmad Khan replied to the charges brought against him denying the charges on 17-10-1970. The reply of Ahmad Khan is marked Ext. M2. Thereafter, a thorough departmental enquiry was held on several dates in presence of the concerned workman and in that enquiry Shri Ahmad Khan participated and was given full opportunity to cross-examine the witnesses produced by the management and also was allowed to produce witnesses on his behalf. The departmental enquiry proceedings are marked Ext. M10. The departmental enquiry, according to the management was held, observing the principles of natural justice and the concerned workman put his signatures on the proceedings of the departmental enquiry. On 20-10-1970 the Enquiry Officer submitted his report by which he came to the conclusion that the misconduct mentioned in the chargesheet had been satisfactorily established against Shri Ahmad Khan. The report of the Enquiry Officer is marked Ext. M11. The Chief Mining Engineer, considering the evidence on record and also taking into consideration the serious misconduct committed by Ahmad Khan passed an order of dismissal by letter dated 17/19-11-1970 dismissing Shri Ahmad Khan with effect from 24-11-1970. The letter of dismissal is marked Ext. M3. Against his dismissal order Shri Ahmad Khan filed a representation before the Joint Grievance Committee in grievance form no. III. The grievance of Shri Ahmad Khan was looked into by the Joint Grievance Committee. The Joint Grievance Committee consisted of the representatives of the management and the recognised union, namely, Colliery Mazdoor Sangh. The Group Joint Grievance Committee could not arrive at an unanimous decision and hence the case of the concerned workman was referred to the Central Joint Grievance Committee for discussion vide a letter of the Chairman of the Group Joint Grievance Committee No. III dated 25-3-1971, marked Ext. M7. The Central Joint Grievance Committee was composed of equal numbers of representatives of the employers and representatives of the workmen. Mr. Das Gupta was also a member of this committee. The Central Joint Grievance Committee went through the records of the departmental enquiry and unanimously upheld the order of

dismissal passed by the management and the concerned workman was informed accordingly vide letter dated 11/14-6-1971, marked Ext. M5. The following are the relevant paragraphs of Ext. M5 :—

"The Committee after going through the details of your case and considering the evidence on record reached an unanimous conclusion that the charge of assault levelled against you has been fully established.

The Committee, therefore, did not find any point to interfere with the decision of the Management in dismissing you for such a grave misconduct as assault committed by you while on duty".

6. According to the written statement filed by the management the dismissal of Shri Ahmad Khan was bona fide and, was based on proved act of misconduct and the management was justified in dismissing Shri Ahmad Khan with effect from 24-11-1970 and that the concerned workman is not entitled to any relief. The management also filed a copy of the certified Standing Orders which has been marked Ext. M6. The minutes of the Central Joint Grievance Committee held on 27-5-1971 have also been filed and have been marked Ext. M8.

7. The case of the workmen as contained in their written statement is that Shri Ahmad Khan, Watchman has been working in the colliery since 1956. Originally he was a pipe mazdoor but later on i.e., since 1966 he has been working as a watchman and possesses a spot-less record of service. On 1-10-1970 the concerned workman was served with a chargesheet alleging that on 29-9-1970 while on duty at about 7 A.M. at the colliery he abused and assaulted Smt. Kishni Kamin near the payment counter. On 14-10-1970 Shri Ahmad Khan submitted his explanation in which he totally denied the charges and alleged, on the other hand, that it was Smt. Kishni Kamin who had abused and threatened him. It is a case of the workmen that the departmental enquiry held by the Enquiry Officer was perfunctory in nature in which the concerned workman was not provided with full opportunity to defend himself. The Enquiry Officer, according to the workmen, was biased against the concerned workman from the beginning and in complete disregard of facts on record held Shri Ahmad Khan guilty and submitted his report accordingly. In paragraph 6 of the workmen's written statement it is stated that some of the official of the colliery were prejudiced against Shri Ahmad Khan because of certain statements made by him in certain enquiry proceedings which will be obvious from the fact that immediately on receipt of Kishni Kamin's complaint, Shri Ahmad Khan was transferred to some other place without even a preliminary enquiry held. The workmen's case further is that the management failed to make correct appraisal of the facts of the case and also failed to consider the extenuating circumstances before passing the order of dismissal dismissing Shri Ahmad Khan from service from 24-11-1970. Shri Ahmad Khan submitted his case to the Joint Grievance Committee for consideration but failed to receive justice from that body and, thereafter, the union of the workman took up the case of Ahmad Khan with the management and since no satisfaction was obtained the matter was referred by the union to the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad vide a letter of the union dated 7-9-1971. The conciliation proceedings also ended in failure and a report regarding failure of conciliation was submitted to the appropriate Government by the Assistant Labour Commissioner. Accordingly to the workmen the action of the management in dismissing the workman was unfair and unjustified on the ground that no proper enquiry was done and the concerned workman was not given ample opportunity to defend himself and, as such, there was violation of the principles of natural justice. The Enquiry Officer was biased against Shri Ahmad Khan and the conclusions arrived at by him were perverse as they were not based on facts or materials placed before the Enquiry Officer. The management also was prejudiced against the concerned workman and did not take into consideration the extenuating circumstances and, as such, the action taken by the management is malafide. The punishment awarded to Shri Ahmad Khan was very harsh in comparison to the alleged offence and the order of dismissal therefore amounts to victimisation. The workmen therefore claim reinstatement of Shri Ahmad Khan in his original job with full continuity of service together with full back wages and other benefits including bonus, profit sharing bonus etc., and cost of the proceedings.

8. In its rejoinder the management refuted all the statements contained in the written statement of the workmen and reiterated that Shri Ahmad Khan actively participated in the departmental enquiry and cross-examined some of the witnesses produced by the management at length and also examined himself in defence and also produced other defence witnesses. The enquiry, according to the management was held strictly in accordance with the rules of natural justice and the concerned workman was given full opportunity to defend himself. Shri Ahmad Khan did not complain at any time against the enquiry or against the Enquiry Officer either during the domestic enquiry or before the order of dismissal was passed. The transfer of Shri Ahmad Khan to another place was on administrative ground and the management's case is that at no time Shri Ahmad Khan made any complaint that he had been charge-sheeted because some of the officials of the colliery were prejudiced against him. Before passing the dismissal order the management took into consideration the service record of Ahmad Khan and being satisfied that the charges levelled against him were established passed the order of dismissal. According to the management the concerned workman is not entitled to any relief.

9. I have heard Shri S. S. Mukherjee appearing for the management and Shri S. Das Gupta appearing for the workmen.

10. In view of section 11A of the Industrial Disputes Act Shri S. S. Mukherjee did not produce any fresh evidence before the Tribunal and only examined Shri R. I. Luther, the Enquiry Officer. Shri Luther stated that he is the Personnel Officer in the concerned colliery since September, 1967. He held the departmental enquiry into the chargesheet issued to Shri Ahmad Khan who was present at the time of enquiry. The witness recorded the statements of witnesses of the management and also of the defence witnesses and also recorded the statement given by Ahmad Khan. All the statements were recorded in the presence of Ahmad Khan and the statements were read over to Ahmad Khan and explained to him in Hindi by the witness. The witness also stated that he allowed Shri Ahmad Khan to cross-examine the witnesses. Shri Luther denied that he was biased against Ahmad Khan. The witness proved the enquiry proceedings which were marked Ext. M10, and also proved the enquiry report signed by him which was marked Ext. M11. Shri Luther stated that he found the charges established against Ahmad Khan. In cross-examination by Shri Das Gupta, appearing for the workmen Shri Luther has stated that he did not remember whether he had recorded the statement of Smt. Kishni Kamin second time after recording the evidence of Ahmad Khan but remembered that he examined two witnesses on behalf of Kishni Kamin after recording the evidence of Ahmad Khan. The witness denied that it was not a fact that after he had examined two more witnesses on behalf of Kishni Kamin the concerned workman made a representation for examining further witnesses on his behalf and that he refused that representation. Shri S. Das Gupta examined Shri Ahmad Khan the concerned workman who stated that he was working in the colliery since 1956 as a pipe mazdoor and later on as a watchman since 1966. He was never chargesheeted except on the occasion when Smt. Kishni Kamin complained against him when he was chargesheeted and after departmental enquiry he was dismissed. Shri Ahmad Khan stated that on 29-9-1970, immediately after Kishni Kamin had made a complaint against him, the Security Officer was called and he ordered the transfer of the witness on the spot. The witness was transferred to Jamadoba Workshop without holding any enquiry before passing the order of transfer by the Security Officer. According to Shri Ahmad Khan the complaint of Smt. Kishni Kamin was written by Shri B. D. Singh of the Training Centre at the dictation of Shri Pandey, the Welfare Officer with whom the relation of the witness is not good. Shri Ahmad Khan stated that the departmental enquiry against him was not properly conducted and that while he was cross-examining Smt. Kishni Kamin the Enquiry Officer obstructed the cross-examination and also that the Enquiry Officer cross-examined the defence witnesses. The witness also stated that Smt. Kishni Kamin was given two opportunities to make her statements but the prayer made by the witness for making a further statement was denied.

11. In cross examination by Shri S. S. Mukherjee the witness admitted that he was not present at the time when Shri B. D. Singh wrote the complaint of Smt. Kishni Kamin. Shri Ahmad Khan also admitted that he did not make any

complaint in writing after the chargesheet was issued against him or during the departmental enquiry showing that he was not on good relation with Shri G. S. Pandey, the Manager of the colliery or Shri Pandey the Welfare Officer. The witness also admitted that he did not make any complaint in writing that the departmental enquiry was not properly held or that the Enquiry Officer had cross-examined the defence witnesses or that he had not permitted the witness to produce evidence. On a question put by the Tribunal the witness stated that there had been no quarrel between him and the Enquiry Officer.

12. It may be stated that the stand taken by the concerned workman after he was chargedsheeted is contained in Ext. M2 which is dated 14-10-1970, and by which he totally denied that he assaulted Smt. Kishni Kamin and stated that the allegations made against him were entirely baseless and false. According to the statement made by Shri Ahmad Khan in Ext. M2 it was Smt. Kishni Kamin who got angry and started shouting at the concerned workman. It may also be stated that at one stage Shri Ahmad Khan's case was that the injuries suffered by Smt. Kishni Kamin were self inflicted but while making his statement during the enquiry proceedings Shri Ahmad Khan came out with a new story that Smt. Kishni Kamin had been assaulted by her son.

13. During the departmental enquiry, originally eight witnesses were examined for Smt. Kishni Kamin. Ext. M10 contains the statement made by Smt. Kishni Kamin during the departmental enquiry. She stated that she had been slapped thrice on the left side of her face and once on the right side of her face. Smt. Kishni Kamin was cross-examined by Shri Ahmad Khan. At no stage a suggestion was made to Smt. Kishni Kamin that she had been assaulted by some other person or that the injuries suffered by her were self inflicted. The second witness examined by the enquiry officer was Shri S. N. Singh, the Assistant Chief Personnel Officer. Shri S. N. Singh was not at all cross-examined by Shri Ahmad Khan. Shri S. N. Singh was however not an eye witness of the assault made on Smt. Kishni Kamin by Shri Ahmad Khan. The third witness examined by the enquiry officer was Shri Z. M. Pentey, Security Officer of the colliery. Shri Pentey stated about the reporting of the assault of Smt. Kishni Kamin by the concerned workman. Shri Ahmad Khan declined to cross-examine Shri Pentey. Dr. B. Prasad was the fourth witness examined by the enquiry officer on behalf of Smt. Kishni Kamin. He stated about the injuries suffered by Smt. Kishni Kamin. Shri Ahmad Khan declined to cross-examine Dr. B. Prasad. A question was put to Dr. B. Prasad by the Enquiry Officer whether it was possible that the injuries suffered by Smt. Kishni Kamin were not as a result of assault but were self inflicted and the reply was in the negative. Shri K. B. Trehan, Manager of the colliery was the fifth witness examined by the Enquiry Officer. Shri Ahmad Khan again declined to cross-examine Shri K. B. Trehan. Shri Lal Bahadur was the sixth witness examined on behalf of the complainant by the Enquiry Officer. He was an eye witness to the assault made on Shri Kishni Kamin by Ahmad Khan. He spoke about the assault and he was cross-examined by Ahmad Khan. No suggestion was made to Shri Lal Bahadur that he was an interested witness. Shri M. M. Chatterjee was the seventh witness to prove the assault on Smt. Kishni Kamin before the Enquiry Officer. He was also an eye witness to the assault. Shri Chatterjee was cross-examined by Shri Ahmad Khan and no suggestion was put by Ahmad Khan that he was an interested witness, or that he was not an eye witness to the assault. Shri Bhola Gope was the eighth witness examined to prove the assault before the Enquiry Officer. He stated that he saw Smt. Kishni Kamin and Ahmad Khan arguing and he also saw Shri Ahmad Khan beating Smt. Kishni Kamin with his hands. This witness was cross-examined by Ahmad Khan and no suggestion was put to him that he was an interested witness.

14. Shri Ahmad Khan the concerned workman examined himself and in his statement before the enquiry officer, for the first time, he introduced the story of Smt. Kishni Kamin having been beaten by her son and also stated that some of the prosecution witnesses were interested witnesses. Shri Akloo Barhi, Shri Abdul Hai, Shri Juned Khan and Kewla Shankar were the other four witnesses examined by Shri Ahmad Khan in his defence.

15. As Shri Ahmad Khan, in his statement, for the first time had raised the point that Smt. Kishni Kamin had been

beaten by her son, Smt. Kishni Kamin, complainant asked for an adjournment of the case in order to produce more witnesses to disprove the new point raised by Shri Ahmad Khan and his witnesses that she had been beaten at her house on the morning of 29.9.70 by her son.

16. The enquiry officer granted the adjournment as the point raised by Ahmad Khan that Smt. Kishni Kamin had been beaten by her son had not been raised in reply to the chargesheet served on Ahmad Khan and gave an opportunity to the complainant to produce fresh evidence in the interest of justice. Accordingly, after the adjournment Shri Faoujdhari Bhuria and Fagu Barhi were the two other witnesses examined by Smt. Kishni Kamin to disprove the new point raised by Ahmad Khan. The concerned workman was given full opportunity to cross-examine the two witnesses but he declined to do so.

17. The enquiry officer discussed the entire evidence recorded by him and after considering the entire evidence, both for complainant and for Shri Ahmad Khan came to the conclusion that Shri Ahmad Khan was "guilty of the charge" levelled against him. In his report the enquiry officer observed that Shri Ahmad Khan had not reported either to the Security Officer or to the Manager of the colliery that Smt. Kishni Kamin had been beaten by her son on the morning of 29.9.70 and on the contrary Shri Ahmad Khan's case before the Security Officer was that Smt. Kishni Kamin had scratched herself. On behalf of the workmen only two Exts., have been filed namely W1 and W2. They are complaints made by the union to the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad.

18. Shri S. S. Mukherjee appearing for the management contended that the misconduct committed by Ahmad Khan was very serious and has been fully established.

19. Shri Das Gupta appearing for the workmen did not address the Tribunal on facts but contended that the departmental enquiry was not properly conducted and the findings of the enquiry officer were not based upon the materials before him and further submitted that the management was unnecessarily prejudiced against Shri Ahmad Khan. According to Shri Das Gupta both Shri Kishni Kamin and Ahmed Khan had complained to the colliery Manager but no action was taken on the complaint made by Ahmad Khan which shows that the management was prejudiced against the concerned workman.

20. I have gone through the entire evidence which had been recorded by the enquiry officer and also have gone through the statements made by Shri R. I. Luther, the enquiry officer and the concerned workman before the Tribunal. I do not agree with the contention of Shri S. Das Gupta that the departmental enquiry was not properly conducted or that the findings of the enquiry officer were based upon materials which were not before him or that the management was biased against Shri Ahmad Khan. The record shows that full opportunity was given to Ahmad Khan to cross-examine the witnesses produced by Smt. Kishni Kamin. Had the departmental enquiry not been properly conducted and had the enquiry officer been biased against the concerned workmen, Shri Ahmad Khan would have made a written complaint against the enquiry officer before the Grievance Committee. In Cross-examination before the Tribunal Shri Ahmad Khan admitted that he did not file any complaint in writing after the chargesheet had been issued to him or during the course of departmental enquiry that the departmental enquiry had not been properly held or the enquiry officer has cross-examined the defence witnesses or further that he had not been permitted to produce evidence. Shri Ahmad Khan also admitted before the Tribunal that there was no quarrel between him and the enquiry officer. In Ext. M4 which is the Grievance Form III, also no mention was made by Shri Ahmed Khan that the departmental enquiry was not properly conducted or that the management was prejudiced against him.

21. I, therefore, find no substance in the contention of Shri S. Das Gupta on behalf of the workmen. The case of the concerned workman was fully examined by the Central Joint Grievance Committee at its meeting on 27.5.1971 and the Committee after going through the details of the case and after considering the evidence on record came to an unanimous conclusion that the charge of assault levelled against Ahmad Khan had been fully established. I have no

reason to defer from the conclusion of the unanimous decision of the Central Joint Grievance Committee. The misconduct committed by Shri Ahmad Khan was a grave misconduct as he had beaten Smt. Kishni Kamin, a woman, while she was on duty and I do not find any extenuating circumstances in favour of Shri Ahmad Khan. Shri S. Das Gupta next contended that the charge levelled against Ahmad Khan that he had abused Smt. Kishni Kamin was not established as Shri Ahmad Khan was not found guilty of that charge. Shri S. Das Gupta, therefore, contended that since one charge had not been established the punishment of dismissal awarded to Shri Ahmad Khan was much to severe and was not justified.

22. I have given careful thought to the submission made by Shri S. Das Gupta and I do not find any force in it. It was held by the Hon'ble Supreme Court in Burn & Co. Ltd., V. Workman and another reported in 1970 (20) F. L. R. Page 273 as follows:—

'It was not for the Labour Court to sit in appeal over the board of enquiry with regard to the second charge, even if the second charge had not been proved, the order of dismissal was good on the basis of the first charge".

23. A learned Single Judge of the Allahabad High Court in Messrs Rali Chemicals Ltd., Fertilizer Factory Magarwara, District Unnao versus Labour Court II, at Kanpur and others 1971 (22) F.L.R. p. 74 held as follows:—

"Even if one of the charges was not found to have been established by the Enquiry Officer it was open to the Management to recommend the imposition of a punishment on the delinquent employee on the basis of the imposition of the remaining charges".

24. Since it had been satisfactorily established that the concerned workman had assaulted Smt. Kishni Kamin, one of the charges levelled against Ahmad Khan had been established and it was open to the management to pass the order of dismissal and there was nothing wrong in the management's passing that order.

25. Shri S. Das Gupta next contended that the enquiry officer was biased against Shri Ahmad Khan as he gave another chance to Smt. Kishni Kamin to produce more witnesses after the defence witnesses had been examined. There is no force in this contention also as has already been mentioned above. In this statement during the departmental enquiry Shri Ahmad Khan for the first time came out with the story that Smt. Kishni Kamin had been beaten by her son and in the interest of justice, to meet the new point, there was nothing wrong in the enquiry officer giving an opportunity to Smt. Kishni Kamin to meet the new point raised by Shri Ahmad Khan. The enquiry officer gave full opportunity to Shri Ahmad Khan to cross-examine the two more witnesses produced by Smt. Kishni Kamin. It cannot, therefore, be said that the enquiry officer committed any error or that he in any way, was biased against Shri Ahmad Khan. Shri S. Das Gupta next pointed out certain contradiction in the statement of the witnesses produced on behalf of Smt. Kishni Kamin but those contradiction are minor contradictions and the entire enquiry proceedings cannot be said to be vitiated by those contradictions.

26. I also do not find any force in the contention of Shri S. Das Gupta that the management was vindictive against Shri Ahmad Khan or that it had not taken into consideration the extenuating circumstances in favour of Ahmad Khan. Since it had been satisfactorily proved that Shri Ahmad Khan had assaulted Smt. Kishni Kamin while she was on duty there were, in fact, no extenuating circumstances in favour of Ahmad Khan.

27. Finally Shri S. Das Gupta contended that it is open to the Tribunal to modify the punishment given to Shri Ahmad Khan and to reduce the quantum of punishment. I have given careful thought to this plea and in view of the fact that Shri Ahmad Khan had assaulted a woman on duty, the charge levelled against Shri Ahmad Khan was a grave one and since the charge had been proved, the management was correct in passing the order of dismissal.

28. For the above reasons my award, therefore, is that the dismissal of Shri Ahmad Khan, Watchman of the Digidwadih Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd., Jamadoba by the said management with effect from 24.11.70 was justified. Shri Ahmad Khan is, therefore, not entitled to any relief.

29. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government for information under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D. D. SETH, Presiding Officer

[No. L/2012/211/71-LR-II]

New Delhi, the 10th April, 1973

S.O. 1147.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur in respect of a complaint under section 33A of the said Act filed by Shri Mahavir Singh which was received by the Central Government on 4th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Dated 12th March, 1973

Present :

Mr. Justice S. N. Katju—Presiding Officer.

Case No. CGIT/LC(A)(1) of 1972

(Under Section 33A of the Act)

Parties :

Mahavir Singh Son of Shri Swaroop Singh, aged about 45 years, Miloniganj, Telephone Exchange Compound, Jabalpur (M.P.)—(Complainant workman)

VERSUS

The Divisional Engineer, Telegraphs, Jabalpur Division, Jabalpur (M.P.).....(Opp. Party) (Management)

Appearances :

For Applicant.—Shri Mahavir Singh, Applicant.

For Opp. Party.—Shri N. D. Panwalkar.

Industry : Telegraphs

District : Jabalpur (M.P.)

AWARD

During the pendency of a case No. CGIT/LC(C)(128)/72 the complainant was transferred from Jabalpur to Sagar. He made a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act (hereinafter called the Act) against his order of transfer from Jabalpur to Sagar. On 8-1-1973 I passed an interim order staying the aforesaid transfer of the complainant. The matter again came up before me on 10-1-1973. I was informed by the department (opposite party) that the order of transfer of the applicant to Sagar had already been passed and the post on which the applicant was employed at Jabalpur had ceased to exist. I observed that :—

"Under these circumstances, there is no point left to continue the aforesaid interim order passed by me."

I, therefore, vacated the aforesaid interim order passed by me. I further said that it was desirable that the application under Section 33-C(2) of the Act should be disposed of expeditiously.

The applicant's application under Section 33-C(2) of the Act has been partly allowed by me. The complainant has contended that I should direct his retransfer from Sagar to Jabalpur. That is a departmental matter with which I would be very reluctant to interfere. I may, however, quote

what I have observed while disposing of the applicant's application under Section 33-C(2) of the Act:

"It appears that the department has taken a long time in fixing the pay scale of the applicant. The plea put forward by the department that certain points, as mentioned above, are awaiting clarifications by the higher authorities and consequently the fixation of the applicant's pay is yet to be decided, is, to say the least, unfair to the applicant. The applicant was repromoted as a L.S.G. Clerk as far back as on 1-1-1972. It should not have taken the department such a long time to fix the pay scale of the applicant. The applicant has contended that he has been treated harshly by the higher authorities because he has been taking a prominent part in the departmental Trade Union activities. The applicant belongs to the Telegraphs Department and if he takes interest in the well being of his co-workers in the department such activity should not cause any undue concern to the higher authorities of the department. Trade Union activity is a legitimate and a lawful form of activity. The applicant appeared before me in person. He appeared to me to be a very well behaved and cultured person. There appears to be some force in his contention that he did not deserve the harsh treatment that was meted out to him by the authorities of the department."

The applicant has contended that he has served the department for long and now he has been put to great difficulties by his transfer from Jabalpur to Sagar. The applicant's transfer from Jabalpur to Sagar does not appear to have been made in very happy circumstances. The applicant's home town is in Muzaffarnagar, U.P. He has submitted that it will suit him if he is transferred to Delhi or some place near Muzaffarnagar if he could not be sent back to Jabalpur. As mentioned above, that is a matter for the department. I need not go further into the matter. With the aforesaid observations, the complaint is dismissed. I make no order for costs.

S. N. KATJU, Presiding Officer.

[No. L. 42012/1/73/LR-III]

New Delhi, the 13th April, 1973

S.O. 1148.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Case No. CIT-5 of 1972

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Dept. of Labour & Employment), New Delhi Order No. 23/23/68/LR-III dated 16-5-68.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Rajasthan Bank Employees Union c/o Punjab National Bank, Ganganagar.

AND

The Punjab National Bank Limited, Bikaner.

Appearances :

For the Union—None.

For the Management—Shri A. P. Raijada.

Date of Award—20th February, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the management of the Punjab National Bank Limited was justified in not allowing Shri Ram Jug Pandey, Armed Guard in the Jaipur Branch of the Bank to appear in the competitive examination of the subordinate cadre? If not, to what relief is the workman entitled?"

The representative of the Union is not present despite service of notice. Previously also no body appeared for the Union. It appears that the Union is no more interested in the prosecution of the case. I have therefore no alternative but to pass a no dispute award. A no dispute award is accordingly passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer.

[No. 23/23/68/LR-III]

KARNAIL SINGH, Under Secy.

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1149.—In pursuance of section 17 of Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the matter of an application under section 33A of the said Act from Smt. Balema Reja, W/o Man Singh Bodra which was received by the Central Government on the 3rd April, 1973.

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD.

Complaint No. 14 of 1971

Present :

Shri B. S. Tripathi—Presiding Officer.

Parties :

Smt. Balema Reja, W/o Man Singh Bodra, P.O. Barbil, Dt. Keonjhar (Orissa).—Complainant

Vs.

Smt. Sabita Roy, I.T.C. Iron Ore & Manganese Mines P.O. Banspani, Dt. Keonjhar (Orissa).—Opposite Party.

Appearances :

For the Complainant—Shri R. K. Nair

For the Opposite party—Shri P. K. Mazumdar.

Industry : Iron Ore.

State : Orissa

Dhanbad, the 29th March, 1973

AWARD

This is a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947, arising out of the reference Case No. CGIT/LC(R)(1)/68 of 1968 pending before the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur (M.P.). It appears that the said reference was made by the Central Government in the Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Department of Labour & Employment) as per their Order F. No. 37/22/67-LRI dated 26-12-1967 to the Central Govt. Industrial Tribunal, Jabalpur for adjudication of an industrial dispute between the management of the Iron Ore Mines specified in Schedule I of the reference including the opposite party and their workmen regarding the justification or otherwise of the demand of the workmen employed in the Iron Ore Mines of the said management for implementation of the recommendations of the Central Wage Board for the Iron Ore Mining Industry. According to the case of the complainant she was a permanent workman working in Jolhari Iron

Ore Mines of the opposite party, but the opposite party has illegally terminated the services of the complainant with effect from 21-6-1970 in violation and in contravention of the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947 during the pendency of the reference aforesaid. The prayer was accordingly made for her reinstatement and such other relief as the complainant was entitled to. The complaint was filed before the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur where it was received on 21-7-1971 and was registered as Case No. CGIT/1C(A)(7)/71. Subsequently the Central Government by their Order No. L-26025/10/71-LR-IV dated 8-10-1971 transferred the complaint to this Tribunal for adjudication and in this Tribunal it was renumbered as Complaint No. 14 of 1971. The opposite party filed her written statement on 2-5-1972. I do not consider it necessary to mention the pleas taken by the opposite party in her written statement in as much as the parties in the meantime entered into the compromise out of Court and filed the same before the Tribunal with a prayer to make an award in terms of the compromise.

2. I have carefully gone through the terms agreed upon by the parties as per compromise said above and I find that the terms are quite fair, equitable and reasonable so far as both the parties are concerned. I see no reason as to why an award shall not be made in terms thereof and I make an award accordingly. The petition filed by the representatives of both the parties to make an award according to the terms of compromise and the compromise petition containing the terms of the compromise will form part of the award as Annexure 'A' thereof.

3. Let the award be submitted to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

B. S. TRIPATHI, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT (NO. 3) AT DHANBAD.

(CAMP: CHAIBASA)

In the matter of an application U/Sec. 33A of the Industrial Dispute Act, 1947.

AND

In the matter of Comp/Case No. 14 of 1971.

AND

In the matter of Smt. Balema Reja, through Sri R. K. Nair, authorised representative of the workmen—applicant.

Vs

Smt. Sabita Ray—O. P.

The humble petition on behalf of the parties above named most respectfully sheweth—

1. That the parties have Compromised this Case as per terms of Compromise in separate sheet annexed to this petition.

2. That the parties may kindly be allowed to compromise and award may kindly be made as per terms of Compromise.

It is prayed that the Case may be disposed of as per terms of Compromise and the award may kindly be made on the terms of Compromise.

R. K. NAIR

Authorised representative of Balema Reja—Applicant

P. K. MAJUMDAR,

Authorised representative of Smt. Sabita Ray—O.P.

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT (NO. 3) AT DHANBAD

(CAMP: CHAIBASA CIRCUIT HOUSE)

In the matter of an Application Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947.

Case No. 14 of 1971*

(Arising out of Ref. No. CGIT/1C(R) (1)/68 of 1968).

Parties:

(1) Smt. Balema Reja, W/o Man Singh Bodra Through Shri R. K. Nair, Authorised Representative.—Applicant.

Vs.

(2) Smt. Sabita Ray, I.T.C. Iron Ore & Manganese Mines, Jalhori (Orissa).—Opposite Party.

The parties above named have mutually compromised the case on the following terms:—

(1) That the management of Smt. Sabita Ray, I.T.C., Iron Ore & Manganese Mines, Jalhori hereby agree to reinstate Smt. Balema Reja in her original post of Reja under the one of the authorised Contractors of the Mines within one month from this day of 27th March, 1973.

(2) That it has been mutually agreed that Smt. Balema Reja shall not claim any back wages for the period she was out of employment.

Both the parties agree to bear their own cost for this case.

It has been further agreed that if Smt. Balema Reja does not report to the Manager of the Mines within one month from this date for her reinstatement, then the management shall not be held responsible for her reinstatement and it will be presumed that Smt. Balema Reja is not interested to work in the Mines.

On behalf of the Workmen:

R. K. NAIR,

Authorised Representative.

On behalf of

Smt. SABITA RAY
I.T.C. Iron Ore and
Manganese Mines.

P. K. MAJUMDAR,
Authorised representative

[No. L-26025/10/71-LR. IV]

S.O. 1150.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bikaner Gypsum Limited, Bikaner and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present:

Shri Updesh Narain Mathur,

Presiding Officer

Case No. CIT-2 of 1971

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) New Delhi Order No. 30(7)/70-LR-IV dated 19-2-71.

In the matter of an Industrial Dispute
 BETWEEN
 The Bikaner Gypsum Mazdoor Union, Bikaner
 AND
 The Management of Bikaner Gypsum Limited, Bikaner.

Appearances :

Appearances :

For the Union—None.
 For the Management—Shri Mukherji alongwith Dr. Anand Parkash.
 Date of Award—25th January, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the claim of the Bikaner Gypsum Mazdoor Union, Bikaner that Sarvashri B.S. Thapa, N. R. Ghos, Veer Bahadur, A. K. Biswas and N. C. Shukla, all Supervisors and Shri N. R. Chakravorty, Shift Firer are entitled to officiating allowance in the grade of Senior Clerks for the period they were posted to Operate the Weigh Bridge at the Jamsar Unit of Bikaner Gypsum Limited, Bikaner is justified? If so, for what period and at what rate?"

No one is present on behalf of the Union. The representatives of the Management state that the Union is no longer in existence. Even the representative of the Union is not present today and the representative of the Management requests for passing a no dispute award in the matter. In the circumstances of the case I have no alternative but to pass a no dispute award which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer
 [No. 30/7/70-LR. IV]

S.O. 1151.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Jaipur Mineral Development Syndicate (Private) Limited, Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
 RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer

Case No. CIT-15 of 1972

Ref.—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29012/21/71-LR-IV, dated 11th November, 1971.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Dagota Khan Mazdoor Union, Dagota (Dausha).

AND

The Management of Jaipur Mineral Development Syndicate Private Limited, Jaipur.

5 G of I/73—7

For the Union—Shri Nizamuddin
 For the Management—None
 Date of Award—15th January, 1973.

Shri Nizamuddin

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the stoppage of work of Smt. Bhonri Devi Mazdoor with effect from the 5th December, 1969 by the management of Messrs. Jaipur Mineral Development Syndicate (Private) Limited, Jaipur was justified? If not to what relief is she entitled?"

The representative of the Union Shri Nizamuddin states that the aforesaid dispute has been amicably settled out of Court and therefore he does not want to prosecute the case any further. I have, therefore, no alternative but to pass a no dispute award in the matter. A no dispute award is accordingly passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. L-29012/21/71-LR.IV]

S.O. 1152.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Jaipur Mineral Development Syndicate (Private) Limited, owner of Dagota Jharna Soapstone Mine, Dagota H.O. Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
 RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur—Presiding Officer.

Case No. CIT-15 of 1972

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29011/9/71-LR. IV, dated 11-5-1971.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Dagota Khan Mazdoor Union, Dagota (Dausha).

AND

The Management of Jaipur Mineral Development Syndicate Private Limited, Jaipur.

Appearances :

For the Union—Shri Nizamuddin
 For the Management—None
 Date of Award—15th January, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the workers of Dagota Jharna Soapstone Min. Dagota, H.O. Dausa of Messrs. Jaipur Mineral Development Syndicate (Private) Limited, who were on strike from the 11th February, 1971 to the 5th March, 1971, are entitled to any compensation for the strike period? If so, to what "amount"?

The representative of the Union states that the dispute between the parties has been amicably settled out of Court. He has also submitted an application to this effect and prays for passing a no dispute award in the matter. A no dispute award, as prayed for, is accordingly passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. L-29011/9/71-LR-IV]

S.O. 1153.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Limestone Quarries of Bharat Mining Corporation, Pipradih, District Shahbad (Bihar), and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Present :

Sri Nendagiri. Venkata Rao, Presiding Officer.

Reference No. 14 of 1972

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Parties :

Employers in relation to the Management of Limestone Quarries of Bharat Mining Corporation, Pipradih, District Shahbad (Bihar).

AND

Their workmen.

Appearances :

On behalf of the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri Jag Narayan Singh, Secretary, Shahbad Khan Mazdoor Panchayat.

State : Bihar

Industry : Limestone Quarry

Dhanbad, the 31st April, 1973

AWARD

The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Limestone Quarries of Bharat Mining Corporation, Pipradih, District Shahbad (Bihar) and their workmen, by its Order No. L-29011/45/72-LR-IV dated 18/28 November, 1972, referred to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the Schedule annexed thereto. The schedule is extracted below:

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Bharat Mining Corporation (Limestone Quarries), Pipradih for increase in wages is justified? If so, what should be the wage structure of different categories of workmen and from what date?"

2. On 24th March, 1973 Shri Jag Narain Singh, Secretary, Shahbad Khan Mazdoor Panchayat, representing the workmen and Shri S. S. Mukherjee, Advocate, representing the employers filed a compromise memo and verified the contents as correct. Having gone through the compromise memo I find its terms as favourable to the workmen in general and the affected workmen in particular. The compromise is, therefore, accepted and the award is made in terms of the compromise. The compromise memo is annexed herewith and made part of the award. The award is submitted under S 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

N. VENKATA RAO, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 2 DHANBAD

Reference No. 14 of 1972

Employers in relation to the management of Limestone Quarries of Bharat Mining Corporation Ltd.

AND

Their Workmen.

The humble petition on behalf of the above named Employer and their workmen represented by the Secretary Shahbad Khan Mazdoor Panchayat, Shahbad.

MOST RESPECTFULLY SHEWETH:—

1. That the Limestone Quarry of Bharat Mining Corporation Ltd. has no direct contract for sale of the Limestone to any Cement Factory and the bulk of the Limestone produced from the Quarries is sold to M/s. Parshva Properties Ltd., owners of Quarries at a price fixed by the party.

2. That although the fixed price of sale does not bring any appreciable profit to the Employer and although the wage paid by the Employer compare favourably with the like units in the region, on the insistence of the Union representing the workmen, it has been agreed between the parties as follows:—

- (a) That the Limestone Quarry of Bharat Mining Corporation Ltd., which is Group I mine according to the Wage Board will implement the recommendations of the Central Wage Board for Limestone and Dolomite Mining Industries regarding the wages and will adopt the wage structure as per the above recommendation for different categories of workmen as mentioned therein.
- (b) That the rates of wages according to the recommendations of the above Wage Board for different categories of workmen will become effective from the date of this settlement.
- (c) That while fixing the wages as per the above recommendations of the Central Wage Board if it is observed that any category of workmen is drawing higher rate of wages than recommended by the Central Wage Board, it will not be reduced but the concerned workmen will be permitted to continue to draw the same as personal wage.
- (d) That the above terms of this settlement finally resolves the present dispute between the parties and there remains no further dispute of the present reference which needs adjudication by the Honourable Tribunal.
- (e) That it is submitted by both the parties that the terms of settlement are fair and reasonable.

It is, therefore, humbly prayed that the above terms of settlement may kindly be accepted and an award passed in terms thereof.

Representing Workmen :

AG NARAIN SINGH
Secretary
Shahbad Khan Mazdoor Panchayat.

For Employers :

R. K. GOEL, Agent.

Limestone Quarry of Bharat Mining Corporation Ltd.

S. S. MUKHERJEE, Advocate.
[No. L-29011/45/72-LR-IV]

S.O. 1154.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bikaner Gypsum Limited, Bikaner and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present:

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Case No. CIT-7 of 1970

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, New Delhi Order No. 30(3)/70-LR-IV dated 12th May, 1970.

In the Matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Secretary, Gypsum Mine Workers Union, Bikaner.

AND

Messrs. Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Appearances:

For the Union.—Sarvashri V. N. Gupta and B. L. Ojha.

For the Management.—Dr. Anand Prakash.

Date of Award.—25th January, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Bikaner Gypsum Limited of transferring Shri Kaloo Khan, Driver, from Bikaner Office to Suratgarh on the 8th December, 1969 and thereby effecting the change in service conditions was justified? If not, to what relief is he entitled?"

The representatives of the parties presented a settlement which was verified before this Tribunal. The representatives request for passing a no dispute award in view of the settlement. A no dispute award, as prayed for, is accordingly passed.

U. N. MATHUR, Presiding Officer.

FORM H

[See, Rule 58 of the Industrial Disputes (Central) Rules 1957]

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

1. Representing Employers.—(1) Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, (2) Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited.

2. Representing Workers.—(1) Shri V. N. Gupta, General Secretary, (2) Shri B. L. Ojha, Secretary, Gypsum Mine Workers' Union.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas an industrial dispute was raised by the Gypsum Mine Workers Union Jamsar in the matter of transfer of Shri Kaloo Khan, Driver (Light Vehicle) from Bikaner Office to Suratgarh mines and stoppage of allowance of Rs. 25 per month that was being paid to him.

And whereas the Central Government, Ministry of Labour Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment by its order No. 30(3)/70-LR-IV dated 12-5-70 referred the said dispute to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur for adjudication.

And whereas the said dispute is still pending adjudication before the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur being case No. CIT-7/70.

And whereas subsequent to the aforesaid reference and during the pendency of the case there have been other developments.

And whereas the parties wish to settle the dispute finally out of court in the interest of amicable and good relations.

Now therefore the parties have settled the dispute on the following:—

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the union withdraws its case now pending before Central Government Industrial Tribunal, Jaipur bearing No. CIT-7/70.
2. That the Company shall make an ex-gratia payment of Rs. 800 to Shri Kaloo Khan in full and final settlement of all his claims against the Company without prejudice to the rights and contentions of the management in the matter.
3. That the copies of this settlement be sent jointly to the authorities concerned as per provisions of Rule 58(4) of the Industrial Disputes (Central) Rules 1957.
4. That the parties will file a copy of this settlement jointly in the Court before the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'No Dispute' award.
5. That the payment shall be made within one month.

Representing Employers:

Representing Workmen:

M. N. Roy.

V. N. Gupta.

A. K. Mukherjee.

B. L. Ojha.

Witness:

1. Illegible.

2. Illegible.

Bikaner,

Dated 14/20-9-1972

Signed before me.

Sd/- Illegible,
Labour Enforcement Officer (Central)
Bikaner.

[No. 30/3/70-LR-IV]

आमंत्रण

नंदू दिल्ली, 10 अप्रैल, 1973

का. आ. 1155—यह: राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड, के प्रबन्धतन्त्र और निगम की विभिन्न परियोजनाओं और उसके विभिन्न कार्यालयों में उसके कर्मकारों के बीच एक आँदोलिगां विवाद घट्यमान है।

और यह: उक्त निगम और उसके कर्मकारों ने आँदोलिगां विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की

उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम् के लिए निवृत्ति करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः अब, आँख्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 30 मार्च, 1973 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

(करार)

(आँख्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन) के बीच —

पक्षकारों के नाम
नियोजकों का प्रतिनिधित्व
करने वाले :

- (1) श्री एस. सी. वी. राव,
निवेशक (विस)
- (2) श्री आ. ही. शर्मा,
प्रबन्धक (आई. आर.)
- (3) श्री जे. प्रसाद,
प्रशासक प्रधान/सी. ए. आ.
- (4) श्री एस. के. खन्ना,
प्रधान आँख्योगिक हर्जीनियर,
- (5) श्री के. के. नरुला,
आँख्योगिक सम्पर्क अधिकारी।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले :—

- (1) श्री एस. के. सान्याल, अध्यक्ष, आल हैंडिया एन. एम. ही. सी. वर्क्स फैडरेशन।
- (2) श्री टी. ए. मेनन, महा सचिव, आल हैंडिया एन. एम. ही. सी. वर्क्स फैडरेशन।
- (3) श्री ए. बी. राय, संयुक्त सचिव, माईन वर्क्स यूनियन, बेलाडिला-14।
- (4) श्री एस. के. शुक्ल, सचिव, माईन वर्क्स यूनियन, बेलाडिला-5।
- (5) श्री ए. के. इट्टी, सचिव, संयुक्त खदान मजदूर संघ, बेलाडिला शाखा, संग्रह संख्या 14।
- (6) श्री जी. पोन्नाप्पन, सचिव, संयुक्त खदान मजदूर संघ, बेलाडिला संग्रह सं. 5।
- (7) श्री एस. सी. दास, सचिव, खान मजदूर संघ, किरिकुल।
- (8) श्री के. के. सिन्हा, महा सचिव, एन. एम. ही. सी. माईन्स वर्क्स यूनियन, किरिकुल।
- (9) श्री ए. एस. मालेबेन्तर, अध्यक्ष, घोनी भलाई आइरन आर प्रोजेक्ट एम्प्लाइज एसोसिएशन, रांझू-डाक सम्बन्धी पत्र व्यवहार बेलाडी को।
- (10) श्री पी. एच. पिन्टो, महा सचिव, मिनरल माईनर्स यूनियन, विजयपुरा, चिकमगलूर छाकघर।

(11) श्री एन. सुम्माराव, महा सचिव, एन. एम. ही. सी. एम्प्लाइज यूनियन, विजाग।

(12) श्री जे. एस. दलाल, महा सचिव, एन. एम. ही. सी. एम्प्लाइज यूनियन, हैदराबाद।

(13) श्री ही. पी. रिंसह, महा सचिव, एम. पी. राष्ट्रीय हीरा खानी भजदूर संस्था, माफगांव।

(14) श्री ही. पी. मिश्र, महा सचिव, डायमंड माईन्स एम्प्लाइज यूनियन, पन्ना।

मामले का संक्षिप्त वर्णन

यस: बेलाडिला आयरन आर प्रोजेक्ट, बेलाडिला, जिला बस्तार, मध्य प्रदेश के दो कर्मचारी संघों, ने अन्य वार्ताओं के साथ-साथ वेतन मानांक, छाट्टी, यात्रा रियायत, काम के विवरण आर पेलाडिला आयरन आर प्रोजेक्ट में अपने नियोजन के सम्बन्ध में अन्य मामलों के बारे में कछु विवाद उठाए, और यतः प्रबन्धकों आर कर्मचारियों के बीच हुए तारीख 10 सितम्बर, 1970 के समझौते के अनुसार यह सहमति हुई कि उक्त आयरन आर प्रोजेक्ट के कर्मचारियों पर प्रयोग्य वेतन-मानांक और अनुषंगी लाभों की पुनरीक्षा की जाए, और यतः निगम की अन्य परियोजनाओं आर कार्यालयों में कार्य कर रहे भजदूर संघों ने भी वेतन-मानांक और अनुषंगी लाभों की पुनरीक्षा के लिए मांग की, और यतः निगम के अध्यक्ष ने 5 अक्टूबर, 1970 को श्री ही. आर. भारद्वाज, विशेषकार्य-अधिकारी की अध्यक्षता में एक मजदूरी छांचा पुनरीक्षा समिति का गठन किया; और यतः उक्त समिति ने दिवाहाड़ी पर कार्य करने वाले कर्मकारों से सम्बन्धित मजदूरी दरों के मामले समीक्षा अपनी सिफारिशों 4 जनवरी, 1971 को निगम को पेश कर दी, और यतः उसके बाद श्री आर. जे. हैमेलो, उप-मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), नहीं विल्ली के समक्ष संराधन-कार्यालयीयों के द्वारा निगम को प्रतिनिधियों के बीच समझौता वाताएं हुई है, और यतः श्री आर. जे. हैमेलो, उप-मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), नहीं विल्ली के समक्ष संराधन-कार्यालयीयों के द्वारा निगम को प्रतिनिधियों के सम्बन्ध में तारीख 30 अक्टूबर, 1971 का सौंहार्दीपूर्ण समझौता हो गया, और यतः दिवाहाड़ी पर कार्य करने वाले श्रमिकों की मजदूरी-दरों के विषय पर कार्य करने वाले अंतिम समझौता नहीं हुआ और इस प्रकार घोनी पक्ष, समझौता तारीख 30-10-1971 की धारा 11.7 के द्वारा माध्यस्थम् के लिए सहमत हो गए।

विचारार्थ विषय :

अब, पक्षों के बीच एसद्वारा निम्नलिखित आँख्योगिक विवाद को श्री जे. जी. कुमारमंगलम, अध्यक्ष-एवं प्रबन्धक निदेशक, राष्ट्रीय कोयता विकास निगम, रांची को माध्यस्थम् है, निवृत्ति करने के लिए करार कर लिया है :—

- (1) मजदूरी की दरों जो (नीमित्तक दिवाहाड़ी पर कार्य करने वाले कर्मकारों को छोड़ कर) दिवाहाड़ी पर कार्य करने वालों पर लागू की जानी चाहीए।
- (2) यदि वर्तमान मजदूरी की दरों पर कार्य अंतिरक्ष वृद्धि दी जानी है तो वह तारीख जिससे यद्दी हुई दर सागू होनी है।

स्वाक्षर्य

इस निर्देश के प्रयोजन के लिए "नीमित्तक कर्मकार" शब्दावली का अर्थ ऐसे कर्मकार हैं जिनका नियोजन नीमित्तक स्वरूप का है।

(3) विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्वीलत स्थापन था उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है :—

- (1) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड, मुकर्रमजाही रोड, हैदराबाद-500001 (आन्ध्र प्रदेश), जिसका पंजीकृत कार्यालय नई दिल्ली में है, के प्रबन्धक ।
- (2) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड के कर्मकार जिनका प्रतिनिधित्व नीचे वर्णित भजदूर संघ करते हैं ।
- (4) यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो, तो उसका नाम :—
 - (1) आल इंडिया एन. एम. डी. सी. वर्कर्स, फेडरशन, 5-ओ, बहामानन्द नगर, हैदराबाद ।
 - (2) मार्ईन्स वर्कर्स यूनियन, बेलाइला-14, डाकघर किरिंडूल, जिला बस्तार (म. प्र.) ।
 - (3) मार्ईन्स वर्कर्स यूनियन, बेलाइला-5, डाकघर भन्सी, जिला बस्तार (म. प्र.) ।
 - (4) संयुक्त खदान भजदूर संघ, बेलाइला बांच, संचय संख्या 14, डाकघर किरिंडूल, जिला बस्तार (म. प्र.) ।
 - (5) संयुक्त खदान भजदूर संघ, बेलाइला संचय संख्या 5, शाखा, डाकघर भन्सी, जिला बस्तार (म. प्र.) ।
 - (6) खान मजदूर संघ, डाकघर किरिंडूल, जिला चिंसहभुम (बिहार) ।
 - (7) एन. एम. डी. सी. खान वर्कर्स यूनियन, डाकघर किरिंडूल, जिला चिंसहभुम (बिहार) ।
 - (8) दोनी मलाई आयरन और प्रोजेक्ट एम्प्लाइज एसोसिएशन, डाकघर सनडूर, जिला बेलारी (मैसूर राज्य) ।
 - (9) गिनरल माइनर्स यूनियन, डाकघर कलासा, जिला चिकमागलूर (मैसूर राज्य) ।
 - (10) एम. पी. राष्ट्रीय हीरा खानी मजदूर संस्था, माफगावन, डाकघर और जिला पन्ना (म. प्र.) ।
 - (11) द्वायमंड माइनिंग एम्प्लाइज यूनियन, द्वायमंड माइनिंग परियोजना, डाकघर और जिला पन्ना (म. प्र.) ।
 - (12) एन. एम. डी. सी. एम्प्लाइज यूनियन, मुकर्रमजाही रोड, हैदराबाद-500001 (आन्ध्र प्रदेश) ।
 - (14) एन. एम. डी. सी. एम्प्लाइज यूनियन, थोमसन स्ट्रीट, हास्लन मंजिल, विशाखापत्तनम (आन्ध्र प्रदेश) ।
 - (5) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या 6920 ।
 - (6) विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाल्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कीलत संख्या आकस्मिक कर्मकारों सीहस लगभग 1930 ।

माध्यस्थ अपना पंचाट छ: मास की कालाक्षी या इसने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाए, देगा । यदि पूर्व वर्णित कालाक्षी के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जायेगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बातचीस करने का स्वतंत्र होंगे ।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

- (1) ह./- सी. एस. वी. राओ
- (2) ह./- आ. डी. शर्मा
- (3) ह./- जे. प्रसाद
- (4) ह./- एस. के. खन्ना
- (5) ह./- के. के. नरसा ।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

- (1) ह./- एस. के. सन्द्याल
- (2) ह./- टी. ए. मनन
- (3) ह./- ए. बी. राय
- (4) ह./- एस. के. शुक्ला
- (5) ह./- ए. के. इटटी
- (6) ह./- जी. पोनाप्पन
- (7) ह./- एस. सी. दास
- (8) ह./- के. के. सिन्हा
- (9) ह./- ए. के. मालेश्वरनूर
- (10) ह./- पी. एच. पिन्टो
- (11) ह./- एन. सुभाराओ
- (12) ह./- जे. एस. दलाल
- (13) ह./- डी. पी. चिंसह
- (14) ह./- डी. पी. मिश्रा

साक्षी :

- (1) ह./- अपाठ्य
- (2) ह./- अपाठ्य

[सं. एल. 26013/1/73 एल. आर. 4]

एस. एस. सहस्रनाथन, अवर सचिव

New Delhi, the 10th April, 1973

ORDER

S.O. 1155—Whereas an industrial dispute exists between the management of National Mineral Development Corporation Limited and their workmen in various Projects and Offices of the Corporation;

And whereas the said Corporation and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions

of sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 30th March, 1973.

AGREEMENT

(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947).

BETWEEN

Name of parties :

Representing Employers :

2. Shri O. D. Sharma, Manager (I.R.)
1. Smt S. C. V. Rao, Director (Finance).
3. Shri J. Prasad, Chief of Training/C.A.O.
4. Shri S. K. Khanna, Chief Ind. Engr.
5. Shri K. K. Narula, Ind. Relations Officer.

Representing Workmen :

1. Shri S. K. Sanyal, President, All India NMDC Workers' Federation.
2. Shri T. A. Menon, General Secretary, All India NMDC Workers' Federation.
3. Shri A. B. Roy, Joint Secretary, Mine Workers' Union, Bailadila-14.
4. Shri S. K. Shukla, Secretary, Mine Workers Union, Bailadila-5.
5. Shri A. K. Itty, Secretary, Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Bailadila Branch, Deposit No. 14.
6. Shri G. Ponnappan, Secretary, Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Bailadila Deposit No. 5 Branch.
7. Shri S. C. Dass, Secretary, Khan Mazdoor Sangh, Kiriburu.
8. Shri K. K. Sinha, General Secretary NMDC Mines Workers' Union, Kiriburu.
9. Shri A.S. Malbennur, President, Donimalai Iron Ore Project Employees Association, Sandur-Postal Communication to Bellary.
10. Shri P. H. Pinto, General Secretary, Mineral Miners Union, Vijaypura, Chikmaglur P.O.
11. Shri N. Subba Rao, General Secretary, NMDC Employees Union, Vizag.
12. Shri J. S. Dalal, General Secretary, NMDC Employees Union, Hyderabad.
13. Shri D. P. Singh, General Secretary, M.P. Rashtriya Hira Khani Mazdoor Sanstha, Majhgawan.
14. Shri D. P. Mishra, General Secretary, Diamond Mines Employees Union, Panna.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas the two Employees' Unions of Bailadila Iron Ore Project, Bailadila, District Bastar, M.P., raised certain disputes *inter alia* in relation to scales of pay, leave, travel concession, job description and other matters in relation to their employment in the Bailadila Iron Ore Project; and whereas as a result of Settlement dated the 10th September, 1970, arrived at between the Management and the employees, it was agreed that the scales of pay and fringe bene-

fits applicable to the employees of the said Iron Ore Projects be revised; and whereas the trade Unions operating in other Projects and offices of the Corporation also demanded the revision of scales of pay and the fringe benefits; and whereas the Chairman of the Corporation on 5th October, 1970 constituted a Wage Structure Revision Committee under the Chairmanship of Shri D.R. Bharadwaj, Officer-on-Special Duty; and whereas the said Committee submitted its recommendations including the matter of rates of wages relating to daily rated workmen to the Corporation on 4th January, 1971; and whereas subsequent thereto there have been negotiations between the representatives of the various Trade Unions and the representatives of the Management during the course of conciliation proceedings before Shri R.J.T.D. Mello, Deputy Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi; And whereas the management and unions arrived at an amicable Settlement dated 30th October, 1971 on all the issues except the one referred hereinafter during conciliation proceedings before Shri R.J.T.D. Mello, Deputy Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi; and whereas there was no final settlement on the issue of wages for daily rated workmen and as such both the parties agreed for arbitration, vide clause 11.7 of the Settlement dated 30-10-1971.

TERMS OF REFERENCE

Now, it is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri J. G. Kumaramangalam, Chairman-cum-Managing Director, National Coal Development Corporation, Ranchi:—

- (i) The rates of wages that should be made applicable to the daily rated workmen (excluding casual daily rated workmen); &
- (ii) If any increase is to be given over the existing wage rates, the date from which the increased rates are to be effective.

Explanation :

For the purpose of this reference, the expression "Casual Workmen" means workmen whose employment is of a casual nature.

- (iii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved:—
 - (1) Management of National Mineral Development Corporation Limited, Mukarramjahi Road, Hyderabad-500001 (Andhra Pradesh) with its Registered Office at New Delhi.
 - (2) Workmen of the National Mineral Development Corporation Limited represented by the Trade Unions mentioned hereunder.
- (iv) Names of the Union, if any, representing workmen in question:—
 - (1) All India NMDC Workers' Federation, 5-B Brahmanand Nagar, Hyderabad.
 - (2) Mines Workers' Union, Bailadila-14, P.O. Kiridul, Distt. Bastar (M.P.).
 - (3) Mines Workers' Union, Bailadila-5, P.O. Bhansi, Distt. Bastar (M.P.).
 - (4) Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Bailadila Branch, Deposit No. 14, P.O. Kiridul, Distt. Bastar (M.P.).
 - (5) Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Bailadila Deposit No. 5 Branch P.O. Bhansi, Distt. Bastar (M.P.).
 - (6) Khan Mazdoor Sangh, P.O. Kiriburu, Distt. Singhbhum (Bihar).
 - (7) NMDC Mines Workers' Union, P.O. Kiriburu, Distt. Singhbhum (Bihar).
 - (8) Donimalai Iron Ore Project Employees' Association, P.O. Sandrur, Distt. Bellary (Mysore State).

- (9) Mineral Miners' Union, P.O. Kalasa, Distt. Chikmagalur (Mysore State).
- (10) M.P. Rashtriya Hira Khani Mazdoor Sanstha, Majhgawan, P.O. & Distt. Panna (M.P.).
- (11) Diamond Mining Employees Union, Diamond Mining Project, P.O. & Distt. Panna (M.P.).
- (12) NMDC Employees Union, Mukairamjahi Road, Hyderabad-500001 (A.P.).
- (13) NMDC Employees Union, Thompson Street, Haroon Manzil, Visakhapatnam (A.P.).
- (v) Total number of workmen employed in the undertaking affected—6920
- (vi) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute—1930 approx. inclusive of casual workmen.

The Arbitrator shall make his award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Signature of the Parties

Representing employers

1. C.S.V. Rao
2. Sd/- O.D. Sharma
3. Sd/- J. Prasad
4. Sd/- S. K. Khanna
5. Sd/- K. K. Narula

Representing workmen

1. Sd/- S. K. Sanyal
2. Sd/- T. A. Menon
3. Sd/- A. B. Roy
4. Sd/- S. K. Shukla
5. Sd/- A. K. Itty
6. Sd/- G. Ponnappan
7. Sd/- S. C. Dass
8. Sd/- K. K. Sinha
9. Sd/- A. S. Malebennur
10. Sd/- P. H. Pinto
11. Sd/- N. Subba Rao
12. Sd/- J. S. Dalal
13. Sd/- D. P. Singh
14. Sd/- D. P. Mishra.

Witness :

- (1) Sd/- Illegible.
- (2) Sd/- Illegible.

[No. L-26013/1/73-LR-IV]

New Delhi, the 12th April, 1973

S.O. 1156.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. Mohammed and Sons, Gypsum Contractors, Jodhpur, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Case No. CIT-26 of 1972

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment), New Delhi Order No. 24(76)/69-LRIV dated 30th September, 1970

In the Matter of an Industrial Dispute

BFTWHEN

The Gypsum Mine Workers Union, Bikaner

AND

Messrs. Mohammed & Sons, Gypsum Contractors, Jodhpur.

Appearances :

For the Union.—Shri Bharat Bhushan.

For the Management.—None.

Date of Award.—1st February, 1973

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

“Whether the demand for the payment of dearness allowance to the workmen employed by Messrs. Mohammed and Sons, Contractor, with effect from the 1st January, 1969 is justified? If so, at what rate and from which date?”

Shri Bharat Bhushan, representative of the Union states that an amicable settlement between the parties out of Court has been arrived before the Conciliation Officer, Bikaner who has verified the settlement. In the circumstances the Union does not want to prosecute the case any further. A no dispute award is, therefore, passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. 24/76/69-LR. IV]

S.O. 1157.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. Mohd. and Sons, Gypsum Contractor, Jodhpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur—Presiding Officer.

Case No.-CIT-25 of 1972

Ref.—Central Government, Labour & Employment Department Notification No. 24/77/69-LR-IV dated 26th March, 1970.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Gypsum Mine Workers Union, Bikaner
AND

The Management of Messrs. Mohd. and Sons, Gypsum Contractor, Jodhpur.

Appearances:

For the Union.—Shri Bharat Bhushan.

For the Management.—None.

Date of Award.—1st February, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

"Having regard to the provisions of the Payment of Bonus, Act, 1965 whether the demand of the Gypsum Mine Workers' Union, Bhadwasi (Bikaner) for the payment of bonus @10% of the Salary of wage earned by the employees employed by Messrs. Mohd. and Sons, Contractor in their Gypsum mines at Bhadwasi during the accounting year 1967-68 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

The representative of the Union states a settlement has been sent between the parties out of Court which has been verified before this Court, on 28-4-72. In the circumstances I have no alternative but to pass a no dispute award in the matter. A no dispute award is accordingly passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. 24(77)69-LR-IV]

S.O. 1158.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Messrs. Bikaner Gypsum Limited, Bikaner and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present:

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Case No. CIT-6 of 1971

Ref.—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-25011/3/71-LR-IV dated 23-7-71.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Bikaner Gypsum Mazdoor Union, Bikaner
AND

The Management of Bikaner Gypsum Limited, Bikaner.

Appearances:

For the Union.—None.

For the Management.—Dr. Anand Prakash and Shri Mukherji.

Date of Award.—25th January, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the claim of the Bikaner Gypsum Mazdoor Union Bikaner that the Drillers and Auto Electric Attendants of the Bikaner Gypsum Limited, Bikaner should be supplied with woollen uniforms is justified? If so, at what scale and from which date?"

The representative of the management states that the union has been given several adjournments to file statement of claim, but it has failed to do so. It appears that the union is no more interested in the prosecution of the case. I have therefore, no alternative, but to pass a no dispute award. A no dispute award is accordingly passed, which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer.

[F. No. L-25011/3/71-LR-IV]

S.O. 1159.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur, in the matter of an application under section 33A of the said Act from Shri Kailash Chand Sharma s/o Shri Chhaganlal Sharma, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present:

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Complaint No. CIT-8 of 1972

Shri Kailash Chand Sharma s/o Shri Chhagan Lal Sharma, Clerk, in the Mines Office of Dagota Soap Stone Mines, Jaipur Mineral Development Syndicate, Jaipur.

..... Complainant

Vs.

1. M/s. Jaipur Mineral Development Syndicate Ltd., Motisingh Bhomiyon-ka-Rasta, Johri Bazar, Jaipur.

2. The Manager, Dagota Jharna Soap Stone Mines, P.O. Neemla via Dausa, Distt. Jaipur.

..... Opposite Parties.

Appearances:

For the Complainant.—Shri Prem Kishan Sharma

For the Management.—Shri P. N. Malhotra

Date of Award.—15th February, 1973

AWARD

This is a Complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act filed by Shri Kailash Chand Sharma against the management of Messrs. Jaipur Mineral Development Syndicate Limited, Jaipur and the Manager, Dagota Jharna Soap Stone Mines, Neemla via Dausa District Jaipur. The representative of the management presented an application stating that the dispute has been amicably settled out of Court between the parties. The Complainant therefore does not want to press the complaint and request for passing a no dispute award. A no dispute award, as prayed for, is accordingly passed.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. L-29014/1/73-LR-IV]

S.O. 1160.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs K. C. Daga, Shri Wazir Shah, Faiz Mohammed, Fazal Shah, and Champa Lal Contractors of Messrs Bikaner Gypsum Limited, Bikaner, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR**

Present:

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer

Case No. CIT-4 of 1969

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour & Employment) New Delhi Order No. 24/33/67-LR-L dated 15-12-67.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Gypsum Mine Workers Union, Jamsar

AND

Messrs. Bikaner Gypsums Limited, Bikaner

Appearances:

For the Union.—Sarvashri B. N. Gupta and B. L. Ojha.

For the Management.—Dr. Anand Prakash.

Date of Award.—25th January, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

1. Whether any relief is due to the contractor's loading labourers as per demand No. 1 of settlement dated the 26th and 27th February, 1966 in view of the interim relief already granted with effect from 1st February, 1966 and as per Hardeo Joshi Award with effect from 1st May, 1966.
2. Whether the strike by the loading labourers with effect from 6th October, 1967 was legal and justified, and if so, whether they are justified to receive any compensation for the strike period.

The representatives of both the parties state that an amicable settlement has been arrived at between the parties. The settlement has been presented before the Court and has been verified. The parties request for passing an award in terms of the settlement. An award in terms of the settlement is accordingly passed. The settlement shall form part of this award.

U. N. MATHUR, Presiding Officer,

FORM H

[See Rule 58 of the Industrial Disputes (Central) Rules 1957]

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Arrived at between M/s. K. & C. Daga, Shri Wazir Shah, Shri Faiz Mohammed, Shri Fazal Shah and Shri Champa Lal Khichia, contractors of Messrs. Bikaner Gypsums Limited, Bikaner and the workmen of the contractors as represented by the Gypsum Mine Workers' Union, Jamsar (formed as a result of the amalgamation of Gypsum Mine Workers' Union and the Rashtriya Gypsum Karmchari Sangh).

5 G of I/73—8

In the matter of an industrial dispute over revision in the rate of loading.

Name of Parties:

Representing Employers:

1. Messrs K. & C. Daga Contractors, Asanion-ka-Chowk, Bikaner.
2. Shri Fazal Shah, Contractor, Jamsar.
3. Shri Faiz Mohammed, Contractor, Jamsar.
4. Shri Wazir Shah, Contractor, Jamsar.
5. Shri Champa Lal Khichia, Contractor, Jamsar.

Representing Workmen:

1. Shri Inayat Shah, President, Rashtriya Gypsum Karamchari Sangh.
2. Shri Mehmood Shah, Additional General Secretary, Rashtriya Gypsum Karamchari Sangh.
3. Shri V. N. Gupta, Secretary, Gypsum Mine Workers' Union, Jamsar.
4. Shri B. L. Ojha, Joint Secretary, Gypsum Mine Workers' Union Jamsar.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Memorandum of Settlement dated 26th and 27th February, 1966 it was agreed that the rates *inter alia* of loading would be revised on receipt of the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur in the matter of an industrial dispute between the employers in relation to Bikaner Gypsums Limited, Bikaner and their workmen over the quantum of increase in dearness allowance referred by the Central Government *vide* their order No. 25/1/66/LRJ dated 19-2-66 and the same relief as will be granted to the workmen of Messrs. Bikaner Gypsums Limited shall be given to the workmen in equal proportion with effect from 1-2-1966.

And whereas the Industrial Tribunal gave its award on 26-12-66 which was published in The Gazette of India, Part II, Section 3(ii) dated 4-2-67.

And whereas the said award was challenged before the Hon'ble Supreme Court of India and Special leave and stay was granted to Bikaner Gypsums Limited.

And whereas subsequently a settlement in conciliation proceedings was arrived at between Messrs. Bikaner Gypsums Limited and its workmen on 2-10-67.

And whereas the suit before the Supreme Court of India was decreed in terms of the said Memorandum of Settlement dated 2-10-67.

And whereas the dispute regarding the revision of rates of the loading labourers was not settled.

And whereas the Government of India, by its order No. 24/33/67-LRI dated 15-12-67 referred the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal.

And whereas the dispute before the Central Government Industrial Tribunal is still pending being case No. 4 of 1969.

And whereas after the aforesaid reference and during the pendency of the case there have been other developments.

And whereas the parties wish to settle the dispute finally in the interest of amicable and good relations.

Now therefore, the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. The employers have agreed to the following additional increase in the rates of loading wagons with effect from the dates as mentioned below:—

Period	Rate of increase to be paid as per increase in D.A. paid by B.G. Limited. paise per tonne	Rate at which already paid by contractor. paise per tonne	Difference to be paid.
1.2.66 to 30.4.66	7	4	3
1.5.66 to 30.9.66	7	7	0
1.10.66 to 31.3.67	12	7	5
1.4.67 to 30.9.67	15	7	8
1.10.67 to 31.3.68	17	7	10
1.4.68 to 30.9.68	12	7	5
1.10.68 to 31.3.69	16	11	5
1.4.69 to 30.9.69	14	11	3
1.10.69 to 31.3.70	15	11	4
1.4.70 to 30.9.70	13	11	2
1.10.70 to 31.3.71	16	11	5
1.4.71 to 30.9.71	24	11	13

2. With effect from 1st October, 1971 the rates of wagon loading will be raised to 70 (seventy) paise per tonne for loading uniformly for all the shifts. These rates will be subject to rise or fall as in the case of direct employees of Bikaner Gypsums Limited with the proviso that Rs. 7 per month rise or fall will be equivalent to 5 (five) paise per tonne rise or fall in the rates of wagon loading upto 30th September, 1971 no adjustment of minimum wages already paid would be made from the arrear amount to be paid.

3. Both the parties will make an application jointly before the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur in case No. CIT 4/69 praying for an award in terms of this memorandum of compromise.

4. The arrears calculated upto 30th September, 1971 shall be paid in three equal instalments spread over a period of one year. The first instalment will be paid within three months from the date of enforcement of the award.

5. As far as the strike wages are concerned the employers have agreed to pay a lump-sum amount of Rs. 40 per head on compassionate grounds.

6. That as far as Messrs. K. & C Daga have filed a writ petition (Single Bench Civil Writ No. 1911 of 1971) before the High Court of Judicature for Rajasthan at Jodhpur against the Labour Court's order dated 2-4-68 in the matter of computation of dearness allowance of loading and other workers with regard to Lunkaransar and Dhirera mines and both the parties will file a petition before the Rajasthan High Court praying for an order to the effect that the Labour Court's order dated 2-4-68 may be set aside and loading labourers covered by that order would be paid in terms of this settlement; as far as raising and other workers in that order are concerned the order dated 2-4-68 be also set aside but the case of such workers would be considered along with other raising labourers cases on the same basis and that the writ petition may be decreed on this basis.

Representing Employers:

Signature of parties

Sd/- Chand Ratan Daga.
Sd/- Champa Lal Khichian.

Representing Workmen :

Sd/- Inayat Shah.
Sd/- Mehmood Shah.
Sd/- V. N. Gupta.
Sd/- B. L. Ojha.

Witness:

1. Sd/- A. K. Mukherjee.
2. Sd/- Hanwant Singh.

Before me

M. S. Ahluwalia,
Labour Enforcement Officer (Central)
Bikaner

Dated 24-11-71.

Bikaner, 24th November, 1971

THE ASSISTANT LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL)
GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT & REHABILITATION

[Office of the Regional Labour Commissioner (Central), Ajmer]

Dear Sir,

In accordance with the provisions of section 58(4) of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, the enclosed Memorandum of Settlement arrived at between the management of contractors Messrs. K & C Daga, Shri Fazal Shah, Shri Faiz Mohd., Shri Wazir Shah and Shri Champa Lal Khichian and their workers represented by the Gypsum Mine Workers Union, Jamsar regarding payment of increased rate of wages, otherwise than in conciliation proceedings is forwarded herewith jointly by the management and the Union.

Yours faithfully,

Representing Management:

For K & C Daga.
Sd/- Chand Ratan Daga
Sd/- Deep Singh.
Sd/- Champa Lal.
Sd/- Wazir Shah.
Sd/- Faiz Mohammed.

Representing Union:

V. N. Gupta, Secy.
Gypsum Mine Workers' Union
Sethia Quarters
Bikaner

[No. 24/33/67-LRI/LR-IV]

S.O. 1161.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jaipur Mineral Development Syndicate Private Limited, Jaipur, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present:

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Case No. CIT-17 of 1972

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment), New Delhi Order No. 36/41/69-LR. IV dated 25th Nov., 1969.

In the Matter of an Industrial Dispute
BETWEEN

The Dagota Khan Mazdoor Union, Dausha
AND

The Jaipur Mineral Development Syndicate Private Limited,
Dausha

Appearances :

For the Union—Shri Nizamdin

For the Management—None.

Date of Award—15th January, 1973

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

- I. Whether the action of the management of Dagota Soapstone Mine in shifting Shri Ramnath, Driver from the Engine Section was an act of victimisation? If so, to what relief is the workman entitled?
- II. Whether the demand of the workmen employed in Dagota Soapstone Mine Dausa for grant of 15 days' sick leave with wages in a calendar year is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

The representative of the Union states that the disputes have been amicably settled between the parties out of the Court and he does not want to prosecute the case any further. In the circumstances a no dispute award is passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. 36/41/69-LR-IV]

S.O. 1162.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Disputes the following award of the Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the Salem Magnesite (Private) Limited, Salem and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th April, 1973.

BEFORE THIRU C. GOPINATH, B.A., B.L., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Dated the 29th March, 1973.

Industrial Dispute No. 65 of 1971

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10 (1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Salem Magnesite (Private Limited Salem).

BETWEEN

The workman represented by :

1. The Secretary, Salem District Magnetic Labour Union, Suramangalam, Salem-5.
2. The Secretary, Magnesite Workers Union, Mamangam, Jagir Reddipatty Post, Omalpur Road, Salem-5.

AND

The Director, Salem Magnesite (P) Ltd., Salem-7.

Ref.—Order No. L-29011/29/71-LR-IV, dated 25-9-1971, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday the 6th day of March, 1973 upon pursuing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru V. Sivaprasam, Advocate for Union No. 1, Thiruvalargal S. Ramaswamy and D. Nelson, Advocate for Union No. 2 and of Thiru M. R. Narayanaswamy, Advocate for the Management and having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an industrial dispute between the management and the workman of Salem Magnesite (P) Ltd., referred for

5 G of I/73—9

adjudication by the Central Government. The matter referred for adjudication is as follows :

"Whether the workers employed in the mines and factory of Salem Magnesite (Private) Limited, Salem are entitled to bonus at the rate of 20 per cent of their total earnings during the year 1970 ? If not what shall be the rate of bonus payable to them?"

2. The workers, represented by the Salem District Magnesite Labour Union and the Magnesite Workers Union, have, in their claim statements, prayed for a bonus of 20 per cent of the total wages. The management, in their counter statement, have contended that the allocable surplus for the year is only Rs. 2,74,988/-, that the workmen would be eligible only to 7.85 per cent of their earnings as bonus/ and that their claim to be awarded bonus at the rate of 20 per cent is clearly inadmissible.

3. The controversy relates to the bonus which the workers are entitled to for the year 1970. The management have filed their profit and loss account and balance sheet for the year 1970 (Ex. M-1) and their calculation of the allocable surplus as per the provisions of the Payment of Bonus Act (Ex. M-2). The workmen have filed their objections to Exs. M-1 and M-2, and the management have filed their replies thereto. Though the workmen have raised various objections to the entries in the profit and loss account and to the worksheet, Thiru S. Ramaswamy, their learned counsel has confined his arguments only to the following matters. So far as the profit and loss account is concerned, the objections is that an amount of Rs. 3,98,918/- shown as raw material consumed for the year (page 5 of Ex. M-1) is not correct, inasmuch as the opening and the closing stock of raw materials have not been given, as provided under Schedule VI Part II of the Companies Act. Exception is also taken to an amount of Rs. 2,91,424/- shown as commission in respect of sole selling agency (page 5 of Ex. M-1). As regards the Worksheet (Ex. M-2), it is contended that a sum of Rs. 26,606/- shown as interest on term loans and fixed deposits in respect of the previous year (page 6 of Ex. M-1) and a sum of Rs. 4,086/- loss on assets written off (page 6 of Ex. M-1) should have been added back for arriving at the available surplus. It is also contend- ed that the management is not entitled to anything more than Rs. 2,77,841/- as deduction by way of income tax in Ex. M-2.

4. I will deal with these objections, seriatim. At page 5 of Ex. M-1, the amount of raw materials consumed alone is given. The argument of Thiru S. Ramaswamy is that the management should have given the opening balance and closing balance of the raw materials and he relies in support of his argument on Para (ii) (a) of Part II of Schedule VI of the Companies Act (printed at page 1378 Indian Company Law by K. M. Ghosh). Under Section 211(2) of the Companies Act, every profit and loss account of a Company shall, *inter alia*, comply with the requirements of Part II of Schedule VI so far as they are applicable. The information to be disclosed in the Profit and Loss Account as per para 3 (ii) (a) in the case of manufacturing concerns is as regards the purchase of raw material and the opening and closing stock of the goods produced. Therefore, there is no requirement that the opening and the closing stock of raw materials should be given in the profit and loss account. That information has to be given only with regard to stocks of the goods produced. Hence, no provision of the Companies Act is violated by not giving the opening and closing stock of raw materials. It therefore follows that the objection as to the correctness of the amount shown as raw materials consumed in Ex. M-1 cannot be sustained.

5. As regards the amount paid as commission to sole selling agent, namely, the Sun Traders (Private) Ltd., Bombay, the objection is that this is a benami company for Salem Magnesite (Private) Limited and that the entry is a make-believe. It is contended by Thiru S. Ramaswamy that the management has to prove the genuineness of this transaction, as, according to the workmen, this is a fictitious entry in the profit and loss account. The reply of the management is that it is incorrect to describe one company as benami for another, as such a description is unknown to Company Law. Further there is no basis for such a contention. The case of the management is that commissions has to be paid to this Company by Salem Magnesite (Private)

Ltd., as it is a sole selling agency in respect of the product manufactured by Salem Magnesite, and that this Company has been in vogue since 1951 and that payments to it has been approved by the Income Tax authorities. The workmen have examined one Thiru Jayaraman, the President of the Magnesite Workers' Union, on their behalf. He admits that the Sun Traders (P) Ltd. Bombay are paid in the shape of a selling commission. He also knows that since 1951, the above company is being paid a selling agency commission, every year, and that the Income Tax authorities are allowing these payments, as an item of expenditure of Salem Magnesite (Private) Limited. He does not deny the existence of a selling agency agreement between Salem Magnesite (Private) Limited and Sun Traders (Private) Limited, Bombay, since 1951.

6. The management has not examined any witness to speak about the commission agreement. It is contended by Thiru S. Ramaswamy that in the absence of any evidence let in by the management justifying this item as a real item of expenditure, it should not be allowed. With regard to entries in the profit and loss account, there is a presumption as to their accuracy under Section 23 of the Payment of Bonus Act, and it is only when the Tribunal is satisfied that such statements and particulars are not accurate, that it may take steps, as it thinks fit, to find out their accuracy. Here, apart from the contention raised by the trade union of the workmen that this particular entry is suspicious, there are no materials available, on which I am satisfied that the statement regarding the payment of commission to Sun Traders (Private) Limited is fictitious. I have already referred to the evidence of W.W.1 who clearly says that Sun Traders (Private) Limited, Bombay is being paid a sole selling agency commission every year and that this payment is allowed as an item of expenditure of Salem Magnesite (Private) Limited by the Income Tax authorities. In view of such a categorical admission by W.W.1, I am unable to see any warrant to disallow this item of expenditure merely because the management has not examined any witness to prove the sole selling agency agreement.

7. Another line of attack against this item of expenditure is based on Sections 204 and 294 of the Companies Act. Section 204 deals with restriction on appointment of any body corporate to any office or place or profit under a Company. The argument based on Section 204 is that it prohibits the appointment of Sun Traders (Private) Limited, as a sole selling agent. But the prohibition under Section 204 does not apply to a private company, as is clear from sub-Section 6 to Section 204. Therefore, this criticism is untenable. The other objection based on Section 294 is that the appointment of a sole selling agent requires the approval of the Company in its General Meeting and no sole selling agent can be appointed for more than 5 years, and as the Management has not proved that the appointment of the sole selling agent was in accordance with Section 294, the expenditure relating to the payment of commission to the sole selling agent should not be allowed. It has to be noted that no exception has been taken in the claim statement to the appointment of the sole selling agent on the ground that Section 294 has been violated. In none of the written objections filed by the Union has this contention been raised, or any allegation made. There is no material placed by the Union to show that Section 294 has been violated. There cannot be any presumption that the appointment of Sun Traders (Private) Limited as sole selling agent is in violation of Section 294. On the other hand, the very fact that the Income Tax authorities have been allowing the payment of commission to Sun Traders (Private) Limited, as an item of expenditure will show that the appointment of sole selling agent is valid. Hence, the objection taken to the payment of commission to the sole selling agent, Sun Traders (Private) Limited on the ground that it has been appointed in violation of Section 294 has to be over-ruled.

8. The items sought to be added back are the interest on term loans on fixed deposits, a sum of Rs. 26,606 in respect of the previous year, and assets written off, a sum of Rs. 4,086. As regards the former item, the contention is that as it is in respect of the previous year, it has to be added back to the profits. The case of the management is that it has not been deducted during the previous year, and that if this is to be disallowed and added back, then the income relating to the sales of

previous year should also be deducted. It is seen from the audited profit and loss account that the income relating to sales of previous year has been shown therein. If that is so, then this amount cannot be legitimately added back to the profits. Furthermore, this is not an amount which can be added back under Schedule II, as it does not fall under any of the heads therein. The learned counsel for the workers has not also been able to show under which item of the II Schedule, this can be added back.

9. So far as the loss on assets written off is concerned, that is a permissible item in the profit and loss account, as it falls under Section 3 (xii) (b) of Part II of Schedule VI to the Companies Act (Page 1379 Part II Indian Company Law by K.M. Ghosh). There is no head under Schedule II, under which this item can be brought so that it can be added back.

10. The next objection relates to the deduction of Rs. 4,56,831 by way of income tax from the profits. The contention of the workmen is that in the work sheet filed by the management before the Conciliation Officer, the amount shown as deduction by way of income tax was Rs. 2,77,841 (vide Ex. W-2) and that since none has been examined on the side of the management to explain the discrepancy, the management is not entitled to the deduction of anything higher than Rs. 2,77,841. Admittedly, the Company is entitled to deduct income tax which it is liable to pay for the accounting year in respect of its income, profits and gains during that year under Section 6(c) of the Payment of Bonus Act. The workmen have not objected or questioned any of the items shown in Ex. M-2, except the income tax of Rs. 4,56,831. In other words, no exception is taken by the workmen upto the amount shown as Rs. 8,30,603. The amount deducted as income tax is as per Section 6(c) of the Payment of Bonus Act. The Supreme Court has laid down in "Metal Box Co. of India Vs. Their Workmen" (1) as to how this calculation has to be made. The principle laid down in the above decision is that the income tax liability has to be worked out by first working out of the gross profits and deducting therefrom the prior charges under Section 6, but not the bonus payable to the employees in the relevant accounting year. This principle has been confirmed and adopted by the supreme Court in "Workmen of William Jacks and Co. Ltd., Madras Vs. Management of William Jacks and Co. Ltd., Madras" (2) and in "Indian Oxygen Ltd. Vs. Their workmen" (3). That is the basis adopted in the working sheet Ex. M-2. Obviously, the calculation of income tax in Ex. W-2 is incorrect. It is based on a misconception of the correct legal position. The circumstance that the management has not examined any witness to explain the discrepancy between Ex. W-2 and Ex. M-2 as to the calculation of income tax is of no moment and cannot affect the correctness of the figure shown in Ex. M-2, inasmuch as that is calculated on the basis of the principle enunciated in the above rulings. There cannot also be any question of estoppel in this matter, as it is apparent that the calculation of income tax in Ex. W-2 was not in accordance with the principle laid down by the Supreme Court. The deduction has been made correctly in Ex. M-2 following the Supreme Court pronouncement. At any rate, this aspect of the matter is purely academic, since the management stands by the calculation of the percentage of bonus as per Ex. W-2, which works out to 7.85 per cent.

11. The workers are not entitled to bonus at the rate of 20 per cent of the total earnings. The reference enjoins the fixation of the rate of bonus for the year, which would be on the basis of the allocable surplus in Ex. M-2. As is borne out by Ex. M-4, this would work out to 2,12,986/34,44,427 roughly 6.2 per cent. An award is passed accordingly.

Dated the 29th March, 1973.

G. GOPINATH, Presiding Officer

Witnesses Examined

For workmen—W.W.1—Thiru O.S. Jayaraman.

For Management—None

(1) 1969—I—L.L.J.—page 785.

(2) 1971—I—L.L.J.—page 503.

(3) 1972—I—L.L.J.—page 627.

DOCUMENTS MARKED

For workmen—Ex. W-1—Statement giving the break-up figures for the year 1970 furnished by the management to Union No. 2.

Ex. W-2—Bonus working sheet for the year 1970 filed by the Management before the Conciliation Officer.

For Management—Ex. M-1—Balance sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31-12-1970.

Ex. M-2—Bonus working sheet for the year 1970 (subject to objection).

Ex. M-3—Statement showing the set-on and set-off of allocable surplus for the accounting year 1968-70 (subject to objection).

Ex. M-4/25-1-72—Auditor's certificates relating to the total wage Bill for the year 1970.

Ex. M-5—Detailed statement showing the calculation of depreciation and development rebate for the year 1970.

Ex. M-6/12-7-1971—Statement showing the clarification sought for by Union No. 2 from the Management.

Ex. M-7/10-8-1971—Conciliation failure report.
G. GOPINATH, Presiding Officer

Note:—The parties are directed to take return of their documents within six months from the date of the award.

[File No. L-29011/29/71-LR-IV]

New Delhi, the 13th April, 1973

S.O. 1163.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the Budhpura Sand Stone Mine owned by Shri Kartar Singh, Chhawani, Kota, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th April, 1973.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR**

Present:

Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer.

Case No. CIT-3 of 1973

Ref.—Central Government Ministry of Labour & Rehabilitation Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29011/68/72-LRIV. dated 30th December, 1972.

In the matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Patthar Khan Mazdoor Sangh, Kota.

AND

Shri Kartar Singh, Owner of Budhpura Sand Stone Mine

Appearances:

For the Union—Shri Mahabir Prashad Sharma.

For the Management—Shri Gurbachan Singh.

Date of Award—20th March, 1973.

AWARD

The Central Government has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:—

“Whether the demand of the workmen employed in the Budhpura Sand Stone Mine by Shri Kartar Singh

Mine Owner, Chhawani Kota for payment of bonus at the rate of 20 per cent of the wages earned by them for the accounting years 1965-66, 1966-67, 1967-68, 1968-69, 1969-70 and 1970-71 is justified? If not, to what quantum of bonus are the workmen entitled for each of these years.”

The representatives of both the parties made an application stating that an amicable settlement between the parties has been arrived at which has been verified before this Court. The parties request for passing a no dispute award in the circumstances of the case. A no dispute award, as prayed for, is accordingly passed.

U. N. MATHUR, Presiding Officer

[No. L-29011/68/72-LR-IV]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1973

का. आ. 1164.—वैयक्तिक क्षर्ता (प्रतिकर भीमा) अधिनियम, 1963 (1963 का 37) की धारा 14 की उपधारा (1), धारा 15 की उपधारा (1), धारा 16, 17 और 18 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मध्य कारखाना निरीक्षक, इंदौर, मध्यप्रदेश, को उक्त अधिनियम की धारा 14, 15, 16, 17 और 18 के अधीन शक्तियों का सर्वत्र मध्यप्रदेश राज्य में प्रयोग करने के लिए तथा मध्यप्रदेश के ज्येष्ठ कारखाना निरीक्षकों और कारखाना निरीक्षकों, को उक्त अधिनियम की धारा 14 और 15 के अधीन शक्तियों का अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर प्रयोग करने के लिए एतदत्वारा प्राधिकृत करती है।

[स. एस. 19025/27/72-कारखाना]

लालफक जुआला, अवर सचिव

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1164.—In pursuance of sub-section (1) of section 14, sub-section (1) of section 15, sections 16, 17 and 18 of the Personal Injuries (Compensation Insurance) Act, 1963 (37 of 1963), the Central Government hereby authorises the Chief Inspector of Factories, Indore, Madhya Pradesh, to exercise the powers under sections 14, 15, 16, 17 and 18 of the said Act through out the State of Madhya Pradesh and Senior Inspectors of Factories and Inspectors of Factories, Madhya Pradesh to exercise the powers under section 14 and 15 of the said Act, within their respective jurisdiction.

[No. S. 19025/27/72-Fac.I]

LALFAK ZUALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1973

का. आ. 1165.—कायला खान भविष्य निधि, कट्टम पैशन निधि तथा थोनस सकीम/अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 9 की उपधारा (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) भूवनेश्वर को उक्त उपधारा (2) के प्रयोगन के लिए एतदत्वारा विनिर्दिष्ट करती है और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3576, तारीख 26 सितम्बर, 1967 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 10 के पश्चात् निम्नलिखित प्राविष्ट अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“11. प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), भूवनेश्वर ।”

[स. आर. 66016(1)/72-ए 2]

प्रलीलित सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 12th April, 1973

S.O. 1165.—In pursuance of sub-section (2) of Section 9 of the Coal Mines Provident Fund, Family Pension and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby specifies the Regional Labour Commissioner (Central) Bhubaneswar, for the purpose of the said sub-Section (2), and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3576, dated the 26th September, 1967, namely:—

In the Schedule of the said notification after entry 10, the following entry shall be inserted namely:—

“11. The Regional Labour Commissioner (Central), Bhubaneswar”.

[No. R. 66016/1/72-PF-II]

DALJIT SINGH, Under Secy.

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1973

का. आ. 1166.—निष्कान्त संपत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 की 31) की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तिनायकों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री एस. पी. सूद, क्षेत्रीय बन्दौबस्त आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली को संघ शासित क्षेत्र, दिल्ली के लिए उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत अधिकारी को साँचे गए कार्यों का निपटाने के लिए निष्कान्त सम्पत्ति अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[का. सं. ए. 36016(1)/प्रशासन-सेल/73]

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 9th April, 1973

S.O. 1166.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee

Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints for the Union Territory of Delhi, Shri S. P. Sud, Regional Settlement Commissioner (Central), New Delhi, as Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act.

[F. No. A. 36016(1)/Admn. Cell/73]

का. आ. 1167.—प्रिस्थापित व्यक्ति (प्रीतकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तिनायकों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री एस. पी. सूद, क्षेत्रीय बन्दौबस्त आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत बन्दौबस्त आयुक्त को साँचे गए कार्यों को करने के लिए बन्दौबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[का. सं. ए. 36016(1)/प्रशासन-सेल/73]

जय किशन आहलूवालिया, अवर सचिव

S.O. 1167.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri S. P. Sud, Regional Settlement Commissioner (Central), New Delhi as Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such officers by or under the said Act.

[F. No. A. 36016(1)/Admn. Cell/73]

J. K. AHLUWALIA, Under Secy.